Naresh Agarwal - 9848020960
Ankush Agarwal - 9885450000
Naresh Agencies
Dealers in :
Welding Electrodes, Welding Accessories, Safety Equipment, Power Tools, Self Drilling Screws and Cutting Wheels
15-9-216, Near Dargah, Gowliguda, Hyderabad - 500 012

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 24 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु.| वर्ष-6 | अंक-294

ब्रिक्स अधिवेशन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा

युद्ध नहीं, संवाद और कूटनीति का समर्थक है भारत

आतंकवाद से निपटने में दोहरा मापदंड कतई नहीं होना चाहिए
जिनपिंग ने कहा, पांच साल बाद मोदी से मिल कर अच्छा लगा
संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और वैश्विक निकायों में सुधार जरूरी
मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई ब्रिक्स में शामिल

कजान, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युद्ध, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी चुनौतियों पर चिंता जताई और कहा कि ब्रिक्स दुनिया को सही रास्ते पर ले जाने में सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करता है। उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को शांतिपूर्ण वार्ता के माध्यम से हल करने का आह्वान करते हुए एक स्पष्ट संदेश दिया।

पीएम मोदी ने कहा, हम युद्ध नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीति का समर्थन करते हैं। जिस तरह हम कोविड जैसी चुनौती से मिलकर पार पा सके, उसी तरह हम निश्चित रूप से भावी पीढ़ियों के लिए सुरक्षित, मजबूत और समृद्ध भविष्य सुनिश्चित करने के लिए नए अवसर पैदा करने में सक्षम हैं। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग समेत ब्रिक्स देशों के शीर्ष नेताओं ने भाग लिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद से निपटने के लिए ठोस वैश्विक प्रयासों की भी वकालत की और ▶10 पर

भारत को मिल रही प्रमुखता से बौखलाया अमेरिका

वॉशिंगटन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत को मिल रही प्रमुखता से अमेरिका बौखला गया है। अब अमेरिका ने फिर भारत पर आरोप प्रत्यारोप शुरू कर दिए हैं। अमेरिका ने फिर खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश का आरोप दोहराना शुरू कर दिया है। अमेरिकी विदेश विभाग के उप मुख्य प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा कि अमेरिका समझता है कि भारतीय जांच समिति अपनी जांच जारी रखेगी ▶10 पर

मोदी और जिनपिंग में हुई द्विपक्षीय वार्ता

कजान, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिक्स सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात हुई। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर प्रधानमंत्री मोदी की चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय वार्ता हुई। मई 2020 में पूर्वी लद्दाख सीमा विवाद होने के बाद दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर यह पहली बैठक हुई।

यह वार्ता ऐसे समय में हुई है, जब एक दिन पहले ही भारत और चीन ने पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अपनी सेनाओं द्वारा गश्त करने के समझौते पर सहमति जताई थी। चार साल से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने की दिशा में इसे एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। नवंबर 2022 में मोदी और जिनपिंग ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति द्वारा जी-20 नेताओं के लिए आयोजित रात्रिभोज में एक-दूसरे का अभिवादन किया और संक्षिप्त बातचीत की थी। पिछले वर्ष अगस्त में भी भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति ने ब्रिक्स (ब्राजील-रूस-भारत-चीन-दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के दौरान जोहानिसबर्ग में एक संक्षिप्त और अनौपचारिक बातचीत की थी। ▶10 पर

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किया गुजरात हाईकोर्ट का फैसला

आजीवन कारावास में छूट संविधान के खिलाफ

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा में छूट के लिए दोषी को दो साल तक शालीनता पूर्ण व्यवहार करने की शर्त को स्पष्ट रूप से मनमाना बताते हुए खारिज कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा, यह बहुत अस्पष्ट, व्यक्तिपरक और संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है। गुजरात हाईकोर्ट ने यह शर्त लगाई थी।

उच्चतम न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा में छूट के मामले में बड़ा फैसला सुनाया। जस्टिस अभय एस ओका और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि सीआरपीसी की धारा 432 की उपधारा (1) में मिली शक्ति का प्रयोग करते हुए ऐसी अस्पष्ट शर्त लगाने से कार्यपालिका के हाथ में अपनी मर्जी से छूट को रद्द करने का एक औजार मिल जाएगा। इसलिए, ऐसी शर्त मनमानी है और यह भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 के अंतर्गत आएगी। पीठ ने कहा है कि छूट देने या न देने का फैसला सभी संबंधित पक्षों के लिए अच्छी तरह से सूचित, उचित और निष्पक्ष होना चाहिए।

पीठ ने कहा, कोई दोषी अधिकार के तौर पर छूट की मांग कभी नहीं कर सकता। हालांकि, उसे यह दावा करने का अधिकार है कि छूट देने के उसके मामले पर कानून और सरकार की लागू नीति के अनुसार विचार किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, अगर लगाई गई शर्तें मनमानी हैं तो अनुच्छेद 14 के उल्लंघन के कारण इन्हें दोषपूर्ण माना जाएगा। ऐसी मनमानी शर्तें संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत दोषी के अधिकारों का उल्लंघन कर सकती हैं।माफभाई मोतीभाई सागर की याचिका पर विचार करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक अन्य शर्त भी स्पष्ट की। इसमें कहा गया था कि यदि अपीलकर्ता जेल से रिहा होने के बाद कोई संज्ञेय अपराध करता है या किसी नागरिक या संपत्ति को कोई गंभीर क्षति पहुंचाता है तो उसे फिर से गिरफ्तार किया जाएगा और उसे सजा की शेष अवधि जेल में काटनी होगी। पीठ ने कहा कि दोषी के विरुद्ध संज्ञेय अपराध का पंजीकरण, अपने आप में, छूट आदेश को रद्द करने का आधार नहीं है। पीठ ने कहा कि इस शर्त की व्याख्या ऐसे नहीं कर सकते कि इसके उल्लंघन का आरोप स्वतः ही छूट के आदेश को रद्द कर देगा।

ऐसी छूट संविधान के अनुच्छेद 21 का उल्लंघन है

पीठ ने कहा, मामूली उल्लंघन छूट को रद्द करने का आधार नहीं हो सकता। उल्लंघन के आरोपों को प्रमाणित करने के लिए कुछ सामग्री अवश्य होनी चाहिए। इसकी गंभीरता के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है। अदालत ने यह भी कहा कि प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन किए बिना, कारण बताओ नोटिस जारी किए बिना और सुनवाई का अवसर दिए बिना छूट रद्द करने की कठोर शक्ति का प्रयोग नहीं किया जा सकता।

▶10 पर

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

नेपाल में रवि लामिछाने की पार्टी के 9 सांसदों पर न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने की शिकायत दर्ज

काठमांडू,23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

करोड़ों के सहकारी घोटाला के आरोप में नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री रवि लामिछाने की गिरफ्तारी के बाद से ही लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहे उनके राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के 9 सांसदों के खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने की शिकायत दर्ज की गई है।

पिछले शुक्रवार को रवि लामिछाने को काठमांडू में उनके पार्टी दफ्तर से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद उनको रातोंरात पोखरा पहुंचाया गया जहां जिला अदालत में पेश करने के बाद 6 दिनों की पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। रवि के समर्थकों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने काठमांडू से पोखरा ले जाते समय कई जगह पर विरोध प्रदर्शन करते हुए पुलिस की गाड़ी को रोकने के साथ पथराव भी किया था। इसके अलावा बीते शनिवार से लगातार पोखरा की सड़कों पर रवि लामिछाने की पार्टी के सांसद और समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं।

पोखरा के सिटी एसपी मोहन थापा ने बताया कि जिला अदालत और जिला पुलिस मुख्यालय को टारगेट कर लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। जिला अदालत परिसर जहां रवि लामिछाने के मुकदमे की सुनवाई हो रही है और जिला पुलिस मुख्यालय जहां रवि को रिमांड पर रखा गया है उस पूरे क्षेत्र को बीते शनिवार से ही निषिद्ध क्षेत्र घोषित किया गया है। लेकिन राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसदों के नेतृत्व में लगातार इसका उल्लंघन किया। यहां तक कि न्यायाधीश के आवास का भी घेराव किया जा रहा है।

एसपी थापा के मुताबिक जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए निषिद्ध क्षेत्र में प्रदर्शन करने, जिला अदालत परिसर के घेराव और न्यायाधीश के आवास के घेराव करने की शिकायत पोखरा पुलिस में दर्ज की गयी है। थापा के मुताबिक स्वतंत्र पार्टी के 9 सांसदों के खिलाफ मंगलवार शाम लिखित शिकायत दर्ज की गई। एसपी ने बताया कि बुधवार शाम तक इन 9 सांसदों को पोखरा छोड़ने को कहा गया है।

यदि इसके बाद भी निषिद्ध क्षेत्र में प्रदर्शन हुए और अदालत व जिला पुलिस मुख्यालय का घेराव किया गया तो इन सभी को नियंत्रण में लिया जाएगा।

राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के जिन सांसदों के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई है उनमें पार्टी के दोनों उपाध्यक्षों डीपी अर्याल और स्वर्णिम वागले के अलावा सांसद हरि ढकाल, विराजभक्त श्रेष्ठ, सुमना श्रेष्ठ, डा. तोशिमा कार्की, गणेश पराजुली, मनिष झा और संतोष परियार के नाम शामिल हैं। पुलिस ने इन सभी को नोटिस दिया है कि बुधवार शाम तक पोखरा शहर की सीमा से बाहर चले जाएं अन्यथा नियंत्रण में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

शेख हसीना व अन्य के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट पुलिस के पास भेजा

ढाका। बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और अन्य 45 व्यक्तियों के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट को पुलिस महानिरीक्षक के पास भेज दिया है। न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक ताजुल इस्लाम ने यह घोषणा आज सुबह उद्योग सलाहकार आदिलुर रहमान खान और कानूनी सलाहकार आसिफ नजरूल के साथ न्यायाधिकरण के निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण के दौरान पत्रकारों के समक्ष की। ढाका ट्रिब्यून की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण के अनुसार, उन्होंने कहा कि जुलाई-अगस्त के विद्रोह के दौरान मानवता के खिलाफ कथित अपराधों के लिए पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना सहित 46 व्यक्तियों के लिए 17 अक्टूबर को जारी गिरफ्तारी वारंट को पुलिस महानिरीक्षक को भेज दिया गया है। नरसंहार में शामिल लोगों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। ट्रिब्यूनल की मुख्य इमारत में तीन नवंबर कामकाज सुचारू रूप से होने लगेगा। ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, न्यायाधिकरण ने इसी तरह के कथित आरोपों के एक अन्य मामले में हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय और उनके कई पूर्व कैबिनेट सदस्यों सहित 45 अन्य लोगों के लिए गिरफ्तारी वारंट भी जारी किया। इनमें प्रमुख हैं- पूर्व मंत्री असदुज्जमां खान कमाल, अनीसुल हक, दीपू मोनी, मोहम्मद अली अराफात, जुनैद अहमद पलक और एकेएम मोजम्मेल हक। यह गिरफ्तारी वारंट तीन सदस्यीय न्यायाधिकरण के अध्यक्ष जस्टिस एमडी गोलाम मुर्तुजा मजूमदार के नेतृत्व में जारी किया था। दो अन्य सदस्य जस्टिस शफीउल और जस्टिस मोहितुल हक इनाम चौधरी हैं। पुलिस को निर्देश दिया गया है कि वह हसीना समेत सभी को 18 नवंबर तक न्यायाधिकरण के समक्ष पेश करे। इस बीच ह्यूमन राइट्स वॉच ने कल जारी बयान में अंतरिम सरकार से निष्पक्ष न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के अधिनियम में संशोधन करने का आह्वान किया है।

पाकिस्तान के अगले प्रधान न्यायाधीश होंगे जस्टिस याह्या अफरीदी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अगले प्रधान न्यायाधीश के रूप में सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ जस्टिस याह्या अफरीदी को नामित किया गया है। विशेष संसदीय समिति की मंगलवार को हुई बैठक में जस्टिस अफरीदी के नाम पर मुहर लगाई गई। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा 25 अक्टूबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं। उनकी जगह जस्टिस याह्या अफरीदी लेंगे। वह वरिष्ठता क्रम में तीसरे स्थान पर हैं। मुल्क के कानूनमंत्री आजम नजीर तरार ने भी इसकी पुष्टि की और कहा कि विशेष संसदीय समिति ने दो-तिहाई बहुमत से यह फैसला लिया है। समिति ने अफरीदी का नाम प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पास भेज दिया है। वह इसे अंतिम मंजूरी के लिए राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के पास भेजेंगे। 26वें संवैधानिक संशोधन के बाद 12 सदस्यीय विशेष संसदीय समिति ने प्रधान न्यायाधीश पद के लिए तीन नामों पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठक की। बैठक में नौ सदस्य मौजूद रहे।

रूसी सेना की पूर्वी यूक्रेन के गढ़ चासिव यार पर चढ़ाई

कीव। रूस की सेना ने पूर्वी यूक्रेन के गढ़ चासिव यार शहर पर चढ़ाई की है। इसके बाद रूस और यूक्रेन के सैनिकों के बीच लड़ाई शुरू हो गई है। इसे संकटग्रस्त कीव के लिए झटका माना जा रहा है। चासिव यार एक पहाड़ी की चोटी पर है। युद्ध पूर्व इस शहर में लगभग 12,000 लोग रहते थे। लड़ाई के बाद यहां की इमारतें भुतहा खंडहर नजर आ रही हैं। मॉस्को टाइम्स ने अपनी खबर में यूक्रेन के एक सैन्य अधिकारी के हवाले से यह जानकारी दी। इस अधिकारी का कहना है कि रूसी सेना चासिव यार में एक प्रमुख जलमार्ग पर आगे बढ़ गई है। अगर रूस की सेना चासिव यार पर नियंत्रण करने में सफल हो जाती है तो युद्ध की विभीषका झेल रहे डोनेट्स्क क्षेत्र में रूस की पकड़ और मजबूत हो जाएगी। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, यूक्रेन की 24वीं ब्रिगेड के प्रवक्ता इवान पेट्रीचक ने सरकारी मीडिया को बताया है कि दुश्मन हमारी रक्षा पंक्ति में सेंध लगाने में कामयाब रहा, लेकिन यह कोई बड़ी विफलता नहीं हुई।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में रुसी राष्ट्रपति पुतिन का दिख रहा आत्मविश्वास

प्रतिबंधों के बावजूद पश्चिमी देशों के दबाव में न आने का दे रहे संदेश

मॉस्को,23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन शुरु हो गया है। ब्रिक्स में चीन, भारत, यूएई जैसे तमाम बड़े देश शामिल हैं। इस साल सबसे ज्यादा नजर रूस पर है। इसकी वजह है कि रूस सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है तो दूसरा और ज्यादा अहम कारण मॉस्को की अमेरिका और पश्चिम से तनातनी है। शी जिनपिंग और नरेंद्र मोदी जैसे नेताओं को रूस बुलाना और फिर उनके साथ सफलता के साथ सम्मेलन का आयोजन कर पुतिन ने अमेरिका और उसके सहयोगियों को जमीन दिखाने का काम किया है। वजह ये है कि अमेरिका और पश्चिमी देश ने यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस को दुनिया में अलग-थलग करने की कोशिशें की है।

जानकारों के मुताबिक, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं के साथ जिस तरह से पुतिन की तस्वीरें आई हैं, वह एक तरह से उनका पश्चिम के दबाव में ना आने का संकेत दे रही हैं। वह यूक्रेन मामले पर भी पश्चिम को ठेंगा दिखाते नजर आ रहे हैं। रूस ने यह संकेत दिया है कि वह एक लंबे युद्ध के लिए तैयार है, उसे प्रतिबंधों या अलगाव का डर दिखाकर नहीं रोका जा सकता है।

पुतिन ने फरवरी 2022 में रूसी सेना को यूक्रेन पर आक्रमण की इजाजत दी थी। इस फैसले के बाद कई चीजें एकदम बदल गईं। यूक्रेन पर हमले के विरोध में कनाडा, यूरोपीय संघ, जापान, न्यूजीलैंड, ताइवान, ब्रिटेन और अमेरिका ने रूसी बैंकों, तेल रिफाइनरियों और सैन्य निर्यात पर बैन लगा दिया। युद्ध बढ़ने के साथ इन प्रतिबंधों को और बढ़ा दिया और रूस को दुनिया में अकेला करने की कोशिश की।

मार्च 2023 में इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने यूक्रेन में युद्धापराधों का हवाला देते हुए पुतिन के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया था। ये वैश्विक स्तर पर पुतिन के लिए झटका था। पुतिन पर इस तरह का दबाव पड़ा कि उन्होंने दक्षिण अफ्रीका में 2023 में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हिस्सा लिया। पुतिन बीते साल भारत में जी20 शिखर सम्मेलन में भी शामिल नहीं हुए। इस सबके बीच ब्रिक्स के जरिए पुतिन ने दमदार वापसी की है और दुनिया को संदेश दिया है।

मीडिया रिपोर्ट में पुतिन ने यूक्रेन मामले पर उनको चौतरफा घेरने की कोशिश में लगे अमेरिका और पश्चिम को यह संदेश दिया है कि युद्ध और प्रतिबंधों के बावजूद रूस के पास अभी भी बहुत सारे अंतरराष्ट्रीय साझेदार हैं जो मॉस्को के साथ व्यापार और बातचीत करने के इच्छुक हैं। पुतिन के लिए कजान शिखर सम्मेलन का प्रतीकात्मक और व्यावहारिक महत्व है। ये सम्मेलन दिखाएगा कि रूस के पास भारत, चीन और दूसरी उभरती शक्तियों का साथ है। ब्रिक्स समूह अब दुनिया की 45 फीसदी आबादी और जीडीपी के 25 फीसदी का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसे में इसका अपना एक महत्व है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुटेरेस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने रूस पहुंचे

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए रूस के शहर कजान पहुंच गए। रूस की

सरकारी समाचार एजेंसी तास ने तातारस्तान स्टेट काउंसिल की प्रेस सेवा के हवाले से कहा कि गुटेरेस रूस के वोल्गा क्षेत्र के कजान पहुंचे हैं। गुटेरेस का कजान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तातारस्तान गणराज्य की राज्य परिषद के अध्यक्ष फरीद मुखमेत्शिन ने स्वागत किया। सम्मेलन का समापन 24 अक्टूबर को होगा। ब्रिक्स समूह की स्थापना 2006 में ब्राजील, रूस, भारत और चीन ने की थी। दक्षिण अफ्रीका 2011 में इसमें शामिल हुआ। पहली जनवरी, 2024 को मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात इसके पूर्णकालिक सदस्य बने।

पीपीओ तकनीक से ट्रैपिस्ट 1 तारे के आसपास एलियन के जीवन की खोज जारी

वॉशिंगटन, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

वैज्ञानिक ट्रैपिस्ट-1 नामक तारे के आसपास एलियन जीवन की खोज कर रहे हैं। हाल ही में इस तारे के सोलर सिस्टम की 28 घंटे तक पड़ताल की गई, हालांकि उन्हें अभी तक संकेत नहीं मिले हैं। फिर भी उनका उत्साह कम नहीं हुआ है, और उन्हें यकीन है कि वे एक दिन एलियन्स के भेजे गए संदेशों को पकड़ने में सफल हो जाएंगे। इसके लिए वे प्लैनेट टू प्लैनेट ऑकल्टेशन (पीपीओ) तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिसके जरिए ग्रहों के बीच रेडियो संकेतों का आदान-प्रदान पकड़ा जा सकता है।

ट्रैपिस्ट-1 तारा पृथ्वी से करीब 40 प्रकाशवर्ष दूर स्थित है और यह एक ठंडा लाल बौना तारा है। इसके आसपास कई बाह्यग्रह हैं। यह तारा धरती से थोड़ा बड़ा है, लेकिन इसका वजन सूरज के भार का मात्र 9 फीसदी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि इस सिस्टम में जीवन के अनुकूल हालात हो सकते हैं और यहां एलियन जीवन की संभावना जताई जा रही है।

28 दिनों की खोजबीन के दौरान शोधकर्ताओं ने कई रेडियो संकेतों को कैद किया है। इनमें से कोई भी संकेत ऐसा नहीं था जो यह साबित करता हो कि ये किसी एलियन सभ्यता से आए हैं। लाखों संकेतों में से केवल 11 हजार को अध्ययन के योग्य समझा और इनमें से 2,264 संकेत पीपीओ विंडो से मिले। हालांकि, अब तक एलियन जीवन का कोई ठोस संकेत नहीं मिला है, वैज्ञानिक अपने शोध के दिशा और समय को ज्यादा सटीक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। वे रेडियो सिग्नलों के अध्ययन में तेजी से बढ़ते हुए हैं और यह विश्वास जताया कि नए उपकरण, जैसे स्क्वायर किलोमीटर एरे, एलियन सभ्यता के सिग्नल्स को ढूंढने में सक्षम होंगे। साइंटिस्ट्स का मानना है कि भविष्य में एलियन जीवन के संकेत मिलने की संभावना बरकरार है और उन्हें उम्मीद है कि वे जल्द ही इस दिशा में सफलता हासिल कर लेंगे।

> **हाल ही में इस तारे के सोलर सिस्टम की 28 घंटे तक लगातार पड़ताल की गई, लेकिन उन्हें अभी तक संकेत नहीं मिले हैं**

बेलारूस में अगले राष्ट्रपति चुनाव की घोषणा, मतदान 26 जनवरी को

मीन्स्क (बेलारूस), 23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रूस के प्रमुख सहयोगी बेलारूस में अगला राष्ट्रपति चुनाव 26 जनवरी को होगा। बेलारूस के केंद्रीय चुनाव आयोग ने आज इसकी घोषणा की। बेलारूस पर 1994 से राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको का शासन है।

द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा है कि संसद ने मतदान की तारीख को मंजूरी दे दी है। उल्लेखनीय है कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में लुकाशेंको को चुनौती देने वाली स्वेतलाना तिखानोव्स्काया ने जीत का दावा किया था। इसके बाद उन्हें देश छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। वह तब से निर्वासन में हैं। तिखानोव्स्काया ने चुनाव आयोग की घोषणा पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने एक्स पर लिखा, किसी भी वैकल्पिक उम्मीदवार या पर्यवेक्षकों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हम बेलारूसियों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से इस ढोंग को अस्वीकार करने का आह्वान करते हैं। तिखानोव्स्काया के पति बेलारूस के प्रमुख विपक्षी नेता हैं। उन्हें 2020 में मतदान से पहले गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया गया था। तब से वह जेल में हैं। वियास्ना मानवाधिकार समूह के अनुसार, बेलारूस में इस समय लगभग 1,300 राजनीतिक कैदी हैं।

बांग्लादेश में मछुआरे कर रहे प्रतिबंध का उल्लंघन पद्मा नदी में खुलेआम पकड़ी जा रही हिलसा

ढाका,23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश की पद्मा नदी में फिलहाल हिलसा (इलिश) मछली पकड़ने पर सरकारी प्रतिबंध है। 13 अक्टूबर को लगाए गए इस प्रतिबंध की अवधि तीन नवंबर तक प्रभावी है। यह सरकारी प्रतिबंध राजबाड़ी में पद्मा नदी के 42 किलोमीटर के क्षेत्र में लगाया गया है। मछुआरे इसे नहीं मान रहे। वह खुलेआम इलिश को पकड़कर बाजार में बेच रहे हैं।

बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र ढाका ट्रिब्यून ने अपनी रिपोर्ट में इस पर विस्तार से चर्चा की है। अखबार का कहना है कि इलिशा बांग्लादेश की राष्ट्रीय मछली है। साथ ही इससे इलिश की प्रजनन प्रक्रिया खतरे में पड़ गई है। इस प्रतिबंध का मकसद इलिश को प्रजनन काल में सुरक्षित रखना है। मगर सरकार के प्रयास पूरे होते नहीं दिख रहे।

सदर उपजिला में उराकांडा और बोरोट एंटारमोर जैसे क्षेत्रों में कानून की अवहेलना करते हुए पद्मा नदी से इलिशा पकड़ी जा रही है। एंटारमोर में नदी पर मछली पकड़ने वाली कई नावें देखी गईं। इनमें तीन से पांच मछुआरों की टीम होती है। यह टीम एक फेरी में 10 से 30 किलोग्राम तक मछली पकड़ती है। नदी तट पर इलिशा को खरीदने के लिए पुरुषों और महिलाओं की भीड़ लगी रहती है। मछुआरों ने खुलासा किया कि लोग 200 से 400 ग्राम वजन वाली इलिश मछली पसंद करते हैं। वह इसे 350 से 400 टका प्रति किलोग्राम की दर से बेचते हैं। के बीच बेचा जा रहा था। हालांकि 700 से 800 ग्राम वजन वाली बड़ी मछलियां 800 से 900 टका के बीच बिक जाती है।

ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, नदी तट पर निगरानी के लिए गठित टास्क फोर्स की मौजूदगी के बावजूद यह अवैध गतिविधि जारी है। मछुआरे भी टास्क फोर्स पर नजर रखते हैं। टास्क फोर्स की टीमें जब क्षेत्र से चली जाती हैं, तभी वह मछली पकड़ने के लिए घरों से बाहर निकलते हैं। इस अवैध गतिविधि पर रोक न लग पाने की बड़ी वजह मत्स्य पालन विभाग के पास कर्मचारियों और वित्तीय संसाधनों की कमी है। सदर उप जिला के मत्स्य अधिकारी मुस्तफा अल राजिब यह स्वीकार भी करते हैं। वह कहते हैं कि टीम को अभियान चलाने के लिए मजिस्ट्रेट पर निर्भर रहना पड़ता है। अगर यह अधिकारी मत्स्य अधिकारियों को मिल जाएं तो अवैध गतिविधि पर अंकुश लगाने में आसानी होगी। दौलतदिया नदी पुलिस चौकी प्रभारी इमरान महमूद तुहिन का कहना है कि पुलिस मछली पालन विभाग की हर समय मदद करती है।

उल्लेखनीय है कि हिलसा की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह मछली सिर्फ बंगाल कि खड़ी में ही पाई जाती है। वह भी सिर्फ बरसात के मौसम में। खासकर यह अंडा देने के लिए ही नदियों में आती है। इसे मछलियों की रानी भी कहा जाता है। यह मछली बंगाल ,असम और त्रिपुरा में काफी लोकप्रिय है।

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के दस्तावेजी साक्ष्य नहीं के खुलासे के बाद स्थिति तनावपूर्ण

बांग्लादेश में राष्ट्रपति आवास 'बंगभवन' के आसपास बढ़ाई सुरक्षा

ढाका,23 अक्टूबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन के इस खुलासे के बाद कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के दस्तावेजी साक्ष्य नहीं हैं के बाद स्थित तनावपूर्ण हो गई है। इससे नाराज लोगों ने राष्ट्रपति से त्यागपत्र देने की मांग की है। बंगभवन के आसपास बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों के पहुंचने की आशंका के मद्देनजर अंतरिम सरकार ने सुरक्षा बढ़ा दी है। बंगभवन राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास है।

बांग्लादेश के अखबार द डेली स्टार के अनुसार, अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद युनूस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने आज दोपहर कहा कि उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बंगभवन के आसपास का क्षेत्र छोड़ने का आग्रह किया है। प्रदर्शनकारी कल शाम वहां एकत्र हुए और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफे के बारे में राष्ट्रपति की हालिया टिप्पणी पर उनके इस्तीफे की मांग करने लगे। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के एक प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, हमने बंगभवन की सुरक्षा बढ़ा दी है।

गौरतलब है कि कल देररात बंगभवन में सुरक्षा उल्लंघन के प्रयास और पुलिस के साथ हिंसक

झड़प के बाद अधिकारियों ने सख्त सुरक्षा प्रतिबंध लागू किए हैं। कानून प्रवर्तन अधिकारियों ने पुष्टि की कि आज सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

बंगभवन के मुख्य द्वार पर बैरिकेड्स के साथ कंटीले तारों की बाड़ लगाई गई है। सशस्त्र पुलिस बटालियन, बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश, पुलिस और सेना के जवानों को क्षेत्र के चारों ओर सशस्त्र चौकियों पर तैनात किया गया है। प्रदर्शनकारियों से निपटने के लिए बख्तरबंद वाहनों और दंगा नियंत्रण वाहनों को तैनात किया गया है।

बंगभवन के सामने मुख्य सड़क पर किलेबंदी की गई है। यहां पर एक मजबूत चार-स्तरीय सुरक्षा घेरा स्थापित किया गया है। बावजूद इसके प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास के पास इकट्ठा होने के छिटपुट प्रयास किए हैं। बीएनपी की स्थायी समिति के सदस्य नजरूल इस्लाम खान ने आज सभी से सावधानी बरतने का आग्रह किया है ताकि देश में कोई नया संवैधानिक या राजनीतिक संकट पैदा न हो।

नजरूल ने राज्य अतिथि गृह जमुना के सामने संवाददाताओं से कहा, अगर गिरी हुई निरंकुश सत्ता के सहयोगी कोई संवैधानिक और राजनीतिक संकट पैदा करने की कोशिश करते हैं तो लोकतंत्र समर्थक और आंदोलनकारी राजनीतिक दल और विभिन्न संगठन एकजुट होकर इसका सामना करेंगे।

बॉम्बे हाईकोर्ट से छोटा राजन को बड़ी राहत

छोटा राजन को जमानत मिली

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2001 के जया शेट्टी हत्या मामले में गैंगस्टर छोटा राजन को जमानत दे दी। उसे इस साल की शुरुआत में दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। हालांकि अब अदालत ने सजा निलंबित कर दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की खंडपीठ ने उसे एक लाख रुपए के मुचलके पर जमानत दी है।

अदालत ने राजन की उम्रकैद की सजा बुधवार को निलंबित कर दी और उसे इस मामले में जमानत दे दी। बहरहाल, राजन अन्य आपराधिक मामले के संबंध में अभी जेल में ही रहेगा। जया शेट्टी मध्य मुंबई के गामदेवी में गोल्डन क्राउन होटल की मालकिन थीं। मुंबई की एक मकोका कोर्ट के विशेष न्यायधीश एम एम पाटिल ने राजन को दोषी ठहराया था।

आरोप है कि जया शेट्टी को छोटा राजन गिरोह के दो कथित सदस्यों ने चार मई 2001 को होटल की पहली मंजिल पर गोली मार दी थी। छोटा राजन गिरोह से जबरन वसूली की धमकी मिलने की सूचना के बाद होटल व्यवसायी को पुलिस सुरक्षा प्रदान की गई थी। लेकिन हमले से दो महीने पहले शेट्टी के अनुरोध पर उनकी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। छोटा राजन का नाम राजेंद्र सदाशिव निकालजे है। उसका जन्म 13 जनवरी 1960 को हुआ था।

2001 को फिरौती देने से इनकार करने पर ग्रांट रोड के गोल्डन क्राउन होटल में राजन के गुर्गों ने जया शेट्टी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। राजन गैंग ने रवि पुजारी के जरिए जया शेट्टी से 50 करोड़ की फिरौती मांगी थी। इस मामले में अन्य आरोपी अजय मोहिते, प्रमोद धोंडे और राहुल पावसरे को वर्ष 2013 में दोषी ठहराया गया और आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। वहीं, हाल ही में छोटा राजन को दोषी करार दिया गया।

उसे इंडोनेशिया में गिरफ्तार किया गया था और अक्टूबर 2015 में भारत लाया गया था। तब से वह नई दिल्ली के तिहाड़ में जेल नंबर दो में बंद था। यह सेल हाई सिक्योरिटी है।

कभी दाऊद इब्राहिम का करीबी रहा छोटा राजन 1993 के मुंबई सीरियल ब्लास्ट के बाद दाऊद गैंग से अलग हो गया था।

अजित पवार की एनसीपी ने जारी की 38 प्रत्याशियों की लिस्ट

बारामती से अजित और येवला से छगन लड़ेंगे चुनाव

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी नेता अजित पवार ने विधानसभा चुनाव के लिए 38 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में वो खुद बारामती से उम्मीदवार बने हैं तो छगन भुजबल येवला से चुनावी मैदान में हैं। दिलीप वाल्से पाटिल को अंबेगांव से टिकट मिला है। पार्टी ने हसन मुश्रीफ को कागल से तो वहीं धनंजय मुंडे को परली सीट से टिकट मिला है। जबकि दिंडोरी से नरहरी झिरवाल चुनाव लड़ रहे हैं। पार्टी ने अधिकांश विधायकों को एक बार फिर टिकट थमाया है।

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव धीरे-धीरे रोचक होता चला जा रहा है। भाजपा की अगवाई वाली महायुति में भाजपा, शिवसेना (शिंदे गुट) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित गुट) का गठबंधन है। हालांकि अभी तक तीनों दलों में आधिकारिक रूप से सीटों का बटवारा नहीं हो पाया है। लेकिन अनुसार भाजपा 155-160 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है जबकि शिंदे गुट को 75-80 सीटें मिलने की उम्मीद है। इसके साथ ही अजित गुट को 55 से 60 सीटें मिल सकती हैं। सीटों के बटवारे से पहले ही भाजपा ने 99 उम्मीदवारों की लिस्ट जारी कर दी है। जबकि शिंदे गुट ने 45 तो अजित गुट ने 38 कैंडिडेट्स की सूची जारी कर दी है। वहीं महायुति में वर्तमान विधायकों की बात करें तो भाजपा के पास 102 विधायक हैं। वहीं एनसीपी के पास 40 तो शिवसेना के 38 विधायक हैं। महाराष्ट्र में इस बार सियासी मुकाबला बेहद दिलचस्प होने के आसार हैं।

माफिया डॉन दाऊद से जुड़े नवाब मलिक की उम्मीदवारी का विरोध

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष आशीष शेलार ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी के खिलाफ है। शेलार ने कहा, हम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े किसी व्यक्ति को टिकट देना स्वीकार नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और अपना अलग रुख रखेंगे। वह उन खबरों पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिनमें कहा गया कि मुंबई दक्षिण-मध्य संसदीय क्षेत्र के अणुशक्ति नगर से मौजूदा विधायक नवाब मलिक मानखुर्द-शिवाजी नगर से चुनाव लड़ सकते हैं। साथ ही वह अणुशक्ति नगर निर्वाचन क्षेत्र अपनी बेटी सना के लिए छोड़ सकते हैं। मलिक महा विकास आघाडी (एमवीए) सरकार में मंत्री थे। मलिक को 2022 में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने दाऊद, छोटा शकील और टाइगर मेमन के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया था। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान है। चुनाव प्रचार के दौरान नेता एक दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे हैं। इस बीच, प्रत्याशियों की सूची भी जारी हो रही है। भाजपा दो दिन पहले 99 में उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुकी है। वहीं, शिवसेना के अलावा महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भी अपने प्रत्याशियों की सूची जारी कर चुके है। इसके अलावा, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) की सूची भी जल्द जारी हो सकती है।

वायनाड लोकसभा उपचुनाव: प्रियंका ने दाखिल किया नामांकन

वायनाड, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने आज वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ उनकी मां सोनिया गांधी, भाई राहुल गांधी, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई अन्य नेता मौजूद रहे। इससे पहले उन्होंने स्थानीय नेताओं की मौजूदगी में नामांकन पर्चा भरा था। नामांकन पर्चा भरने के बाद उन्होंने अपने भाई राहुल गांधी के साथ एक रोड-शो किया। बता दें कि वायनाड उपचुनाव में प्रियंका गांधी का सामना भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास से होने वाला है।

राहुल गांधी के अलावा प्रियंका के इस रोड शो में उनकी मां सोनिया गांधी और पति रॉबर्ट वाड्रा भी मौजूद रहे। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के अन्य नेता भी इस रोड शो में शामिल हुए। रोड-शो में प्रियंका गांधी ने लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, पिछले 35 सालों से मैं अलग-अलग चुनावों के लिए प्रचार कर रही हूं। यह पहली बार है जब मैं आपके समर्थन की मांग अपने लिए कर रही हूं। यह एक बहुत ही अलग एहसास है। मैं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे जी की बहुत आभारी हूं कि उन्होंने मुझे वायनाड से उम्मीदवार बनने का सौभाग्य दिया। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी रोड-शो को संबोधित किया। उन्होंने कहा, वायनाड देश का ऐसा निर्वाचन क्षेत्र है जहां से दो सांसद हैं, एक आधिकारिक सांसद और दूसरा अनौपचारिक सांसद।

भाजपा उम्मीदवार नव्या हरिदास कांग्रेस को पहले ही कड़े मुकाबले की चुनौती दे चुकी हैं। उन्होंने कहा था कि आगामी उप-चुनाव में प्रियंका गांधी को कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा।। उन्होंने कहा, मेरी प्रतिद्वंद्वी प्रियंका गांधी हैं। मैं केवल इतना कहना चाहूंगी कि वायनाड में कांग्रेस को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। राहुल गांधी ने रायबरेली की सीट बरकरार रखने के लिए वायनाड की सीट छोड़ दी थी। जब वायनाड के लोगों को भूस्खलन का सामना करना पड़ा, तो उनके पास इन मुद्दों को उठाने के लिए संसद में कोई प्रतिनिधि नहीं था।

नव्या ने कहा, पिछले पांच वर्षों में राहुल गांधी ने शायद ही इस निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया हो। वे यहां के लोगों के मुद्दों को उठाने में भी नाकाम रहें। यह मेरा पहला लोकसभा चुनाव होगा। उन्होंने यह भी कहा था कि वायनाड गांधी परिवार के लिए सिर्फ एक दूसरी सीट है। बता दें कि प्रियंका गांधी के साथ नव्या हरिदास का भी यह पहला चुनाव होगा। 13 नवंबर को होने वाले इस उपचुनाव में एलडीएफ ने भी उम्मीदवार खड़ा किया। उन्होंने सत्यन मोकेरी को अपना उम्मीदवार बनाया है।

एटीएस ने 4 महिलाओं समेत 25 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी टेररिस्ट स्कॉड (एटीएस) की टीम ने मंगलवार को पुणे जिले के रंजनगांव एमआईडीसी इलाके में छापा मारकर 25 बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। इनमें 4 महिलाएं शामिल हैं। एटीएस की टीम ने इन लोगों के पास से फर्जी आधार कार्ड बरामद किए हैं।

एटीएस की टीम को रंजनगांव एमआईडीसी इलाके में किराए के कमरे में कई बांग्लादेशी नागरिकों के रहने की जानकारी मिली थी। इसी जानकारी के आधार पर एटीएस की टीम इन सभी पर निगरानी रखे हुए थी। पुख्ता सबूत मिलने के बाद आज एटीएस की टीम ने इन सभी को हिरासत में लिया और गहन पूछताछ की। इसके बाद इन लोगों के आधार कार्ड, वोटिंग कार्ड और पैन कार्ड की जांच की गई, जो फर्जी पाए गए। इसके बाद एटीएस ने इन सभी को गिरफ्तार कर लिया है। एटीएस की टीम इस मामले की गहन छानबीन कर रही है।

कोलकाता में हो रहा है देश के सबसे बड़े मेट्रो प्लेटफॉर्म का निर्माण

कोलकाता , 23 अक्टूबर (एजेंसियां) । कोलकाता में दम दम स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास देश के सबसे बड़े मेट्रो प्लेटफॉर्म के निर्माण किया जा रहा जिसका काम मार्च 2025 तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

कोलकाता में नोआपारा को 24 परगना के बारासात से जोड़ने वाली कोलकाता मेट्रो लाइन-4 (येलो लाइन) पर दमदम स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा के पास विमान बंदर मेट्रो जंक्शन (जय हिंद मेट्रो स्टेशन) का निर्माण किया जा रहा है। उम्मीद की जा रही है कि यह मार्च 2025 तक बन कर तैयार हो जाएगा जहां पर देश के सबसे बड़े मेट्रो प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है।

करीब 17 किलोमीटर दूरी वाली नोआपाड़ा-बारासात मेट्रो लाइन के निर्माण के पहले चरण नोआपाड़ा-हवाई अड्डा मेट्रो लाइन को बनाया जा रहा है। नोआपाड़ा और हवाई अड्डा मेट्रो लाइन की कुल दूरी सात किमी है और इसका निर्माण आरवीएनएल, सेनबो, और आईटीडी द्वारा किया जा रहा है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा से करीब 130 मीटर की दूरी पर स्थित इस जंक्शन का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद हवाई सफर करने वाले यात्रियों को काफी सहुलियत होगी और एस्प्लेनड से हवाई अड्डा की दूरी तय करने में काफी समय की बचत होगी।

इस मेट्रो लाइन के निर्माण और इसकी विशेषताओं के बारे में मंगलवार को कोलकाता मेट्रो के अधिकारियों ने मीडियाकर्मियों को जानकारी दी।

इस दौरान पूर्वी रेलवे एवं कोलकाता मेट्रो के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कौशिक मित्रा ने बताया, 'कोलकाता मेट्रो एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने की ओर अग्रसर है और वह है जय हिंद मेट्रो जंक्शन पर देश के सबसे बड़े मेट्रो प्लेटफॉर्म का निर्माण करना।' उन्होंने बताया कि इस जंक्शन पर कुल पांच प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है और यह पहला मौका है, जब भारत में इतने बड़े प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अभी तक देश में किसी भी मेट्रो स्टेशन पर एक ही लाइन पर पांच प्लेटफॉर्मों का निर्माण नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि जय हिंद मेट्रो जंक्शन के निर्माण का कार्य मार्च 2025 तक पूरा हो जाएगा और कोलकाता मेट्रो के नाम एक और ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज हो जाएगी।

उल्लेखनीय है कि कोलकाता मेट्रो देश का एक मात्र ऐसा मेट्रो है जिसका परिचालन रेल मंत्रालय करता है। देश के अन्य हिस्सा में मेट्रो सेवा निगमों द्वारा संचालित होती हैं।

योगी सरकार का महत्वपूर्ण फैसला

शत्रु सम्पत्तियों पर बनेंगे चारा उत्पादन केंद्र

लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की शत्रु सम्पत्तियों पर चारा उत्पादन केंद्र बनाए जाएंगे। प्रदेश में छह हजार से ज्यादा शत्रु सम्पत्तियां हैं। उत्तर प्रदेश में 7624 गोआश्रय स्थलों में 12 लाख से ज्यादा गोवंश हैं।

यूपी में शत्रु सम्पत्तियों पर चारा उत्पादन और पशु संरक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए प्रदेश सरकार ने केंद्रीय गृह मंत्रालय से इन सम्पत्तियों का ब्यौरा मांगा है। इस योजना में जमीन केंद्र सरकार मुहैया कराएगी, जबकि उन पर जरूरी सुविधाएं विकसित करने की जिम्मेदारी प्रदेश सरकार उठाएगी। उत्तर प्रदेश में 7624 गोआश्रय स्थलों में 12 लाख से ज्यादा गोवंश हैं। पशुओं की संख्या को देखते हुए प्रदेश में हरे चारे की कमी है। इसके लिए नए-नए स्थान तलाश करने की योजना है, ताकि वहां हरे चारे के उत्पादन के साथ ही कृत्रिम गर्भाधान व शोध केंद्र भी स्थापित हो सकें।

इसी योजना के तहत शासन ने केंद्र सरकार से शत्रु सम्पत्ति हासिल करने के लिए संपर्क किया है।

चिह्नित शत्रु संपत्तियों पर अतिक्रमण होने पर उसे खाली कराया जाएगा। यहां खोले जाने वाले केंद्र आधुनिकतम तकनीक पर आधारित होंगे। इनकी मदद से देसी गायों के संरक्षण और संवर्धन पर जोर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि भारत-पाकिस्तान बंटवारे और दोनों देशों के बीच हुए युद्ध के बाद तमाम लोग भारत से पलायन करके पाकिस्तान चले गए। वे अपनी सम्पत्ति यहां छोड़ गए। सरकार ने ऐसी सम्पत्तियों को अपने कब्जे में लिया और इन्हें शत्रु सम्पत्ति घोषित कर दिया। इसी तरह से 1962 के युद्ध के बाद चीन में बसने वाले भारतीयों की सम्पत्ति को भी शत्रु सम्पत्ति घोषित कर दिया गया था। वर्ष 2017 में शत्रु सम्पत्ति अधिनियम के प्रावधानों में संशोधन के बाद ऐसी सभी सम्पत्तियां केंद्र के अधीन आ गई हैं।

यूपी में 6 हजार से ज्यादा शत्रु सम्पत्तियां हैं। देश में सबसे ज्यादा शत्रु सम्पत्तियां यूपी में ही हैं। इनकी संख्या करीब 6017 है। पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के प्रमुख सचिव के रवींद्र नायक ने कहा, शत्रु सम्पत्तियों पर चारा उत्पादन एवं पशु संरक्षण केंद्र स्थापित करने का सरकार ने फैसला किया है, ताकि चारे की पर्याप्त आपूर्ति हो सके। पशुओं से संबंधित शोध केंद्र भी विकसित किए जाएंगे।

मथुरा में सड़क दुर्घटना में पांच मरे, एक घायल

मथुरा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। मथुरा जिले के दो अलग अलग स्थानों में बुधवार को दो सड़क दुर्घटनाओं में एक महिला समेत पांच लोगों की मृत्यु हो गई जबकि एक व्यक्ति घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार आज शाम कोसी थाना क्षेत्र के अन्तर्गत अजीजपुर गांव के पास छाता से कोसी की ओर एक ही मोटरसाइकिल को पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में बाइक सवार तीन युवक गंभीर रुप से घायल हो गये। इनमें से दीपू (18) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि तरूण (19) और हरिओम (18) ने अस्पताल ले जाने के दौरान दम तोड़ दिया।

इससे पहले आज सुबह नौझील क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेस वे के किलोमीटर संख्या 75 पर नोएडा से लखनऊ जा रही कार सड़क के किनारे खड़े ट्रक में घुस गई जिससे 75 वर्षीय गोपीनाथ की मौके पर ही मौत हो गई जब कि उनकी पत्नी 70 वर्षीय प्रमिला और 45 वर्षीय बेटे आशीष मेल्होत्रा को घायल हो जाने के कारण अस्पताल भेजा गया जहां इलाज के दौरान प्रमिला की मृत्यु हो गई। बेटे आशीष की हालत गंभीर बताई जाती है।

पुलिस के अनुसार दुर्घटना इतनी जबर्दस्त थी कि कार को पहले क्रेन से पीछे किया गया फिर काटकर घायलों को बाहर निकाला गया ।

मणिपुर में सुरक्षाकर्मियों ने हथियार बरामद किए

इंफाल, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर में पुलिस, सेना, असम राइफल्स ने पिछले 24 घंटों के दौरान चुराचांदपुर, चंदेल और थौबल जिलों में 11 हथियार और युद्ध संबंधी सामान (डब्ल्यूएलएस) बरामद किए है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि चुराचांदपुर जिले में सेना, मणिपुर पुलिस और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) द्वारा मंगलवार को थोरोइलोक क्षेत्र में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाया गया। इस दौरान दो देशी मोर्टार (पोम्पी), एक देशी पिस्तौल, ग्रेनेड, विस्फोटक, गोला-बारूद और युद्ध संबंधी सामान बरामद किया गया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आप की सहकर्मी के साथ लोकप्रियता बढेगी । व्यावसायिक रूप से चीजें ठीक ठाक चलेगी आपकी प्रगति होगी. आपकी आमदनी बढ़ेगी और आपको आर्थिक लाभ प्राप्त करने के नये रास्ते बनेंगे . भाई–बहनों मे संबंध प्रेमपूर्ण रहेंगे. परिवार के सदस्यों के साथ यात्रा की योजना बन सकती है. आपका पारिवारिक–जीवन आनंदमय और खुशहाल रहेगा । हल्का और तंदरुस्ती वाला भोजन करें स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आप शिव पंचाक्षर मंत्र का जप करें, आप का दिन पाजिटिव रहेगा । आज आपके पहले किये गये प्रयास सफल होंगे अगर आप बिजनेसमैन है तो मेहनत ज्यादा करनी पडेगी। परिवार वालो के साथ समय बिताए उत्साह पूर्ण माहौल रहेगा. छात्रों के लिये आज का दिन ठीक है. कुछ ना कुछ नया सिखने को मिलेगा. आप को शिक्षकों का पूरा सहयोग मिलेगा. शारीरिक रुप से आप फिट रहेगें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज परिवार की सभी जरूरी और आवश्यक बातो पर गंभीर रुप से विचार करना चाहिए । परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा. बिजनेस में बढ़ोतरी के लिये नए मौके मिल सकते हैं. मित्र और सम्बन्धी आप की मदद कर सकते हैं आप को लाभ पहुचा सकते हैं जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा. पति–पत्नी के बीच आपसी तालमेल बना रहेगा. भाइयों का सहयोग मिलेगा. संतान के कार्यो से आप पूर्ण सन्तुष्ट रहेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आप को योग एवं प्राणायाम करते रहना चाहिए आप का कोई पुराना रोग परेशान कर सकता हैं पेट , कमर से जुडा मरज आप के व्यवस्थित जीवन को अस्त व्यस्त कर सकता हैं। आर्थिक रुप से कमजोरी के कारण आप को कर्ज की रकम लेनी पड सकती हैं कार्यस्थल पर आप को सदैव अपने सहकर्मियों का समर्थन लेने के लिए मृदु भाषी होना पडेगा अगर आप प्रॉपर्टी–डीलर है या कन्स्ट्रक्शन का कार्य करते है तो सभी दस्तावेजों को गौर करके ही आगे बढाना चाहिए ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज पहले जो जरूरी खास काम है उस को पूरा करने की कोशिश करें। अपने काम मे फुर्ती दिखाए आप ईनाम के हकदार होंगे। छात्रों को कम मेहनत करने पर भी प्रबल भाग्य के बल पर सफलता हासिल हो सकती है. विवाहित जोडें आज एक दूसरे की भावनाओं को समझे और एक दूसरे की मन की बात जानने की कोशिश करें, रिश्तों में मधुरता बढेगी. अगर आप किसी निजी समस्या से परेशान चल रहे हैं तो, उससे निजात पाने के लिये कोई ठंडा स कदम उठाना पडेगा जिससे आपकी मुश्किल आसान हो सकती है.स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आप के लिए जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसानदेह साबित हो सकता हैं , इसलिए सोच विचार करके ही नतीजे पर पहुंचे ताकि जिन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े. जैसे जैसे समय बितता जाएगा वित्तीय तौर पर सुधार आएगा.पारिवारिक सदस्य की सेहत चिंता का सबब बन सकती है और उसे चिकित्सकीय देखरेख की ज़रूरत पडेगी. परन्तु सुधार जल्दी ही देखने को मिलेगा । जमीन का सौदा करना अभी के समय मे लाभकारी हैं दूसरे को खुश करने के लिए खुद को तनाव से न थकाएं. थकान को दूर करने के लिए मैडिटेशन करते रहें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज पुरानी परियोजनाए जल्दी ही अपने अन्तिम रुप मे पहुंचेगी आपको विभिन्न निवेश से लाभ प्राप्त हो सकता है. आपकी कुछ महत्वाकांक्षाएं पूरी हो सकती हैं और आपके पास नए अधिग्रहण हो सकते हैं. आप एक समृद्ध और सुखी पारिवारिक जीवन जिएंगे, परिवार में उत्सव हो सकता है. आपके बच्चों का प्रदर्शन आपके मन में गर्व और खुशी की भावना पैदा करेगा. आज मौसम सम्बन्धित बिमारी घर के सदस्यों को परेशान कर सकती हैं , आयुर्वेदिक वस्तुओं का इस्तेमाल करें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज भैरव मंदिर के दर्शन करें तेल का दीपक प्रज्वलित करें, अटके हुए कोर्ट–कचहरी के मामलें सुलझ सकते हैं . कुछ लोगों का व्यवहार आज आपकी समझ से बाहर रहेगा. जरुरत पड़ने पर साथ के कुछ लोग आपकी मदद नहीं करेंगे. ऐसी स्थितियों में पुराना घनिष्ठ मित्र जरूर याद आएगा ज्यादातर समय बच्चों का घर पर बितेगा, और उनसे कुछ बातें करेंगे. आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी. घर का माहौल खुशनुमा रहेगा. अचानक धनलाभ होने से आर्थिक स्थिति में सुधार आयेगा.स्वास्थ्य अच्छा रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन कुछ तकलीफे ला सकता हैं आपकी मुलाकात ईष्ट मित्रों से हो सकती है। किस्मत का साथ मिलेगा। घर परिवार में किसी सदस्य को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों से जूझना पड सकता है। इलाज में खर्च ज्यादा होने की संभावना है। दूसरों की मदद कर सकते हैं।अपनी दिनचर्या में बदलाव लाना होगा जिससे आपका स्वास्थ्य ठीक बना रहे। अपरिचित लोगों से वार्ता नही करना चाहिए ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज हनुमान मंत्र का जप करें। तेल से अभिषेक करना चाहिए परन्तु आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। व्यवसाय के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको परिवार का सहयोग प्राप्त नही मिल पायेगा। कार्य क्षेत्र में भी नुकसान उठाना पड सकता है। प्रभु की आराधना करने से मानसिक शांति मिलेगी। आपकी किसी समस्या का समाधान होगा। युवाओं को नौकरी मिल सकती है। कुसंगति को छोड़ें। निवेश के अवसर आएंगे। छात्रों को सफलता निश्चित हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का माहौल खुशनुमा रहेगा पारिवारिक सुख शांति भी रहेगी। आज का दिन ठीक रहेगा। वाहन चलाते समय सावधान रहें। कोई अप्रिय घटना हो सकती है। आज धार्मिक कार्यों में आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंतित रहेंगे। जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे कुछ भूल हो सकती है। आपको विरोधियों से सावधान रहने की जरूरत है। किसी से विवाद हो सकता है। घनिष्ठ मित्रों के साथ समय व्यतीत करना चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज भाग्य प्रबल हैं कर्मो के आधार पर निश्चित ही सफलता मिलेगी किस्मत का साथ मिलेगा। किसी से विवाद होने के बाद मन में नकारात्मक सोच ज्यादा रहेगी। स्वभाव में कुछ चिड़चिड़ापन दिखाई देगा। कारोबार से जुड़े लोगों के लिए बहुत अच्छा दिन है। बुजुर्गों को सेहत से जुड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आपको निवेश पर अच्छा फायदा मिलेगा । छात्रों के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। भोजन बहुत ही हल्का करें स्वास्थ्य एकदम चुस्त दुरुस्त रहेगा।

गुरुवार का पंचांग

दिनांक : 24 अक्टूबर 2024 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2081
मास : कार्तिक ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 02:01 तक
नक्षत्र : पुष्य अहोरात्र
योग : साध्य उत्तर रात्रि 05:21 तक
करण : बालव दोपहर 01:35 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 06:11, सूर्यास्त 05:48 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:11 , सूर्यास्त 05:56 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 05:48 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 05:40 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : अहोई अष्टमी व्रत , कालाष्टमी , गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग अहोरात्र, संयुक्त राष्ट्र दिवस

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान सरकार की नायाब पहल

अब घुमंतू जनजातियों के पास भी होंगे अपने घर

जयपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। आज भी भारत में ऐसे लाखों लोग हैं, जिनके पास घर बनाने के लिए जमीन नहीं है। इसलिए ये लोग चाहकर भी कहीं घर नहीं बनवा पाते। ऐसे लोगों में घुमंतू, अर्द्धघुमंतू जनजातियां शामिल हैं। ये लोग सैकड़ों वर्ष से खानाबदोश का जीवन जी रहे हैं। इनके नाम से कहीं कोई भूमि नहीं है। यही कारण है कि इन लोगों को घर बनाने के लिए सरकारी सहायता नहीं मिल पाती। इसे देखते हुए राजस्थान की भाजपा सरकार ने घुमंतू जनजातियों को जमीन उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। राजस्थान सरकार ने ऐसे 20,721 घुमंतू परिवारों को जमीन का पट्टा दिया।

जयपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जब जमीन के पट्टे दिए, तो अनेक लोग भावुक हो गए। अभी राजस्थान के सभी 33 जिलों के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली कुछ घुमंतू जनजातियों को जमीन के पट्टे मिले हैं। इसके अंतर्गत हर परिवार को 300 गज जमीन दी गई है। जमीन का न्यूनतम क्षेत्रफल 100 वर्ग गज तथा अधिकतम क्षेत्रफल 300 वर्ग गज है। जो घुमंतू परिवार 1,000 से कम जनसंख्या वाले गांवों में रहते हैं, उनसे 2 रुपए, जो परिवार 1000–2000 तक की आबादी वाले गांवों में रह रहे हैं, उनसे 5 रुपए और जो 2,000 से अधिक आबादी वाली जगह पर रह रहे हैं, उनसे 10 रुपए प्रति वर्ग गज शुल्क लिया जाएगा। आज जमीन की जो कीमत है, उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि इन परिवारों को जमीन नि:शुल्क ही मिल रही है।

वास्तव में इन घुमंतू परिवारों को उन कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से जमीन मिली है, जो दिन–रात इनके विकास और उत्थान में लगे हैं। बता दें कि घुमंतू जनजातियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने एक संगठन बनाया है, जिसका नाम है– अखिल भारतीय घुमंतू कार्य। उसके प्रमुख हैं वरिष्ठ प्रचारक श्री दुर्गादास। इनके नेतृत्व में देश के अनेक राज्यों में कार्यकर्ता घुमंतू जनजातियों के बच्चों की शिक्षा, रोजगार आदि के लिए कार्य करते हैं। कार्यकर्ताओं ने यह कार्य करते हुए महसूस किया कि बदलते दौर में घुमंतू परिवार एक स्थान पर बसना चाहते हैं, लेकिन अपनी जमीन नहीं होने के कारण इन्हें बड़ी दिक्कत हो रही है। प्रशासन कई बार इन लोगों को उजाड़ देता है।

जयपुर में अक्सर ऐसा होता है। इसे देखते हुए वहां के कार्यकर्ताओं ने राज्य सरकार से कहा कि इन लोगों को स्थाई रूप से बसाया जाना चाहिए। घुमंतू कार्य (जयपुर महानगर) के संयोजक राकेश कुमार शर्मा ने बताया, हम लोगों ने इस वर्ष जनवरी महीने में राजस्थान सरकार के समाज कल्याण विभाग को पत्र लिखा कि घुमंतू जनजातियों के लिए आवास, जमीन आदि की व्यवस्था की जाए।

अच्छी बात यह हुई कि बहुत ही शीघ्रता के साथ समाज कल्याण विभाग ने सभी संबंधित विभागों को पत्र लिखकर इस पर कार्रवाई करने को कहा। इसके बाद पंचायती राज विभाग के मंत्री मदन दिलावर ने भी इस कार्य के प्रति विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखकर कहा कि घुमंतू परिवारों को 300 गज जमीन दी जाए।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में 1,23,757 घुमंतू परिवार हैं। इनमें से 49,950 परिवारों के पास पहले से ही जमीन के पट्टे हैं। 51,088 परिवार ऐसे हैं, जिनके पास मकान के लिए भी जमीन नहीं है। अब तक 33,350 परिवारों ने घर की जमीन के लिए सरकार को आवेदन दिए हैं। इनमें से 20,721 परिवारों को जमीन मिल गई है। शेष लोगों को भी जमीन देने की प्रक्रिया चल रही है। शर्मा ने यह भी बताया, इसके बाद पूरे राज्य में संबंधित विभागों ने इन घुमंतू जनजातियों का सर्वेक्षण कर 1,24,000 परिवारों को चिह्नित किया। अभी केवल ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों की पहचान की गई है। इनमें से जिनके पास आधार कार्ड या अन्य कोई सरकारी पहचानपत्र है, उन्हें जमीन दे दी गई है। बाकी परिवारों के लिए सरकारी पहचानपत्र बनवाने का कार्य चल रहा है। इसके बाद उन्हें भी जनवरी, 2025 तक जमीन मिल सकती है। बता दें कि भारत सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा 24 फरवरी, 1964 को जारी एक पत्र के अनुसार राजस्थान में 32 घुमंतू जनजातियां रहती हैं। इनमें से एक है गाड़िया लोहार। राजस्थान में गाड़िया लोहारों की बड़ी संख्या है।

घुमंतू जनजातियों पर शोध करने वाले शैलेंद्र विक्रम कहते हैं, गाड़िया लोहारों के पूर्वज महाराणा प्रताप की सेना के लिए कार्य करते थे। जब महाराणा प्रताप का मुगलों के साथ युद्ध हुआ, उस समय यह समाज उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चला। बाद में इस समाज के लोगों ने प्रण लिया था कि जब तक वे महाराणा को राज्य वापस नहीं दिला देंगे तब तक स्थाई रूप से कहीं नहीं रहेंगे। ये लोग तभी से बेघर हैं। कहीं किसी सड़क के किनारे रहते हैं और लोहे का सामान बनाकर बेचने का काम करते हैं। अब चूंकि समय बदल गया है ऐसे में इस समाज के लोग भी कहीं स्थाई रूप से रहकर अपने बच्चों को पढ़ाना चाहते हैं, ताकि उनका जीवन स्तर सुधर सके।

घुमंतू परिवारों के बच्चों को शिक्षा और संस्कार दिलाने के लिए राजस्थान सरकार कई योजनाएं चला रही है। एक विशेष अभियान चलाकर ऐसे बच्चों का किसी सरकारी विद्यालय में नामांकन कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में राजस्थान में इन परिवारों के 3,160 बच्चों का नामांकन कराया गया है। ऐसे ही हर बालक–बालिका को आंगनबाड़ी केंद्रों से भी जोड़ा जा रहा है।

सरकार का यह भी प्रयास रहता है कि ऐसे बच्चे बीच में पढ़ाई न छोड़ें। कह सकते हैं कि राजस्थान सरकार और कुछ गैर–सरकारी संगठनों ने मिलकर एक ऐसा कार्य किया है, जिसे बहुत पहले ही कर दिया जाना चाहिए था। खैर, जो बीत गई सो बात गई। अभी भी देर नहीं हुई है। आशा की जानी चाहिए कि अन्य राज्य सरकारें भी राजस्थान सरकार के इस कार्य का अनुसरण करेंगी, ताकि इस देश में कोई बेघर न रहे।

कश्मीरी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का समापन

कश्मीरी युवाओं ने अजमेर की धरती को कहा अलविदा

अजमेर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा गृह मंत्रालय के सहयोग से आयोजित छह दिवसीय कश्मीरी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का बुधवार को अजमेर के एक निजी होटल में समापन हो गया। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ज्योति ककवानी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोटोकॉल अधिकारी अपूर्वा परवाल, सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर के प्राचार्य मनोज बेहेरवाल, सहायक आचार्य अनूप कुमार आत्रेय, और पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के उपनिदेशक पवन अमरावत शामिल हुए।

प्रथम सत्र में पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर से आए भील नाथ के समूह ने कालबेलिया नृत्य की प्रस्तुति दी। इसके बाद फीडबैक सत्र का आयोजन हुआ, जिसमें कश्मीरी युवाओं ने अजमेर भ्रमण के अपने अनुभव साझा किए। बारामूला से टीम प्रभारी सोनिया गुलाम ने पधारो म्हारे देस की राजस्थानी परंपरा और माई भारत (ने.यु.के.सं) की पूरी टीम की सराहना की।

द्वितीय सत्र में मुख्य अतिथि ज्योति ककवानी और सभी विशिष्ट अतिथियों का जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने स्वागत किया और 6 दिवसीय कश्मीरी युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत कश्मीरी युवाओं को अजमेर जिले के ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण कराया गया और विषय विशेषज्ञों द्वारा शैक्षणिक सत्र आयोजित किए गए। सभी अतिथियों के सम्मान में कैलाश दमामी और उनके समूह ने नगाड़ा वादन की प्रस्तुति दी।

मंच का संचालन करते हुए शिल्पा कच्छवाहा उपाचार्य राजकीय केंद्रीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय अजमेर ने मारवाड़ी भाषाशैली में ऐसा समागम रखा कि कश्मीरी युवाओं का मन मोह लिया। मनोज बेहेरवाल ने अपने अभिवादन में कश्मीरियत, जम्हूरियत और इंसानियत से कश्मीर का दिल जीतने की बात कही। पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र उदयपुर के उपनिदेशक पवन अमरावत ने अपने संबोधन में राजस्थान के लोक कलाकारों द्वारा लोक कला को जीवित रखने के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस तरह के कार्यक्रम हर संभाग स्तर पर आयोजित किए जा रहे हैं। अनूप कुमार आत्रेय ने कश्मीरी युवाओं से विकसित भारत2047 से जुड़ने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलेक्टर ज्योति ककवानी और प्रोटोकॉल अधिकारी अपूर्वा परवाल ने कश्मीरी युवाओं से संवाद कर कश्मीर की मूलभूत परेशानियों पर उनके विचार जाने। उन्होंने सभी युवाओं को प्रमाण पत्र और स्मृति चिह्न वितरित किए। कश्मीर से लाए गए परंपरागत शॉल, वालनट, सेब, केसर, शिलाजीत जैसे उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। संजय सेठी द्वारा मांडना कला पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। राधा देवी और उनके समूह ने चरी–भवई नृत्य की प्रस्तुति दी।

महाराणा प्रताप युवा मंडल के अध्यक्ष मयंक सिंह नेगी ने युवाओं और नेहरू युवा केंद्र के अधिकारी–कर्मचारियों का आभार प्रकट किया और कार्यक्रम के प्रबंधन में अपने अनुभव साझा किए। जिला युवा अधिकारी जयेश मीना ने बताया कि मयंक सिंह नेगी की अध्यक्षता में महाराणा प्रताप युवा मंडल के सभी सदस्यों लोकेंद्र, अनमोल, विवेक, प्रियांशु, आकाश, कुलदीप, यशिका, कृतिका, और खेमराज ने निस्वार्थ भाव से स्वयंसेवक के रूप में काम किया और कश्मीरी युवाओं का परिवार की तरह ख्याल रखा। इस कार्यक्रम में सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग, पुलिस प्रशासन, प्रोटोकॉल अधिकारी, और जिला प्रशासन का पूर्ण योगदान रहा।

साक्षी मलिक पर भड़की दंगल गर्ल बबीता

किताब बेचने के चक्कर में ईमान बेच डाला

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहलवान साक्षी मलिक की किताब विटनेस पर खूब बवाल हो रहा है। दंगल गर्ल बबीता फोगाट ने साक्षी मलिक के आरोपों को सिरे से नकारते हुए उसे खरी–खरी सुनाई है। साक्षी मलिक ने अपनी इस किताब में बबीता फोगाट को लेकर कई दावे किए हैं। इस पर अब दंगल गर्ल्स बबीता फोगाट और उनकी बहन गीता फोगाट ने भी साक्षी मलिक पर तीखा हमला किया है। दोनों बहनों ने साक्षी मलिक के किताब में किए गए दावों को खारिज करते हुए उन्हें खरी–खरी सुनाई है। भाजपा नेता और दंगल गर्ल बबीता फोगाट ने पलटवार किया।

पहलवान साक्षी मलिक के आरोपों पर पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट का कहना है कि साक्षी मलिक बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। कल को वह कह सकती है कि बबीता ने उन पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए हैं। वह यह भी कह सकती है कि बबीता फोगाट ने ही यौन उत्पीड़न किया था। यौन उत्पीड़न में वह बार–बार बेबुनियाद आरोप लगा रही हैं। साक्षी मलिक यह भी कह सकती हैं कि मेडल गंगा में फेंकने का प्लान भी बबीता का था।

बबीता ने कहा कि साक्षी को स्पष्ट करना चाहिए और बताना चाहिए कि उन्हें वहां खाना किसको भेजना चाहिए था सभी को यह भी बताएं कि उन्हें (विरोध करने के लिए) अनुमति किसने दी थी। दीपेंद्र हुड्डा विरोध प्रदर्शन में क्या कर रहे थे? उन्हें अपनी किताब जारी करने के लिए बबीता फोगाट के नाम की भी जरूरत थी। मेरे पास कोई पद नहीं है वे सभी पद जिनके बारे में वह बात कर रही है।बबीता फोगाट ने एकसाथ विनेश और साक्षी पर कहा, खुद के किरदार से जगमगाओ, उधार की रौशनी कब तक चलेगी। किसी को विधानसभा मिला किसी को मिला पद, दीदी तुमको कुछ न मिला, हम समझ सकते है तुम्हारा दर्द। इतना ही नहीं बबीता ने लिखा कि साक्षी मलिक अपनी किताब बेचने के चक्कर में अपना ईमान बेच गई।

साक्षी मलिक की किताब विटनेस में दावा किया गया है कि बबीता फोगाट कुश्ती फेडरेशन की चेयरमैन बनना चाहती थी और उन्होंने ही पहलवानों को प्रदर्शन की इजाजत दिलवाई थी। साथ ही विनेश फोगाट को लेकर साक्षी ने दावा किया था कि वह और बजरंग पुनिया ट्रायल में छूट चाहते थे और इसी कारण उनका आंदोलन कमजोर पड़ गया। हालांकि, अब साक्षी मलिक ने किताब के दावों पर रहे विवाद को लेकर प्रतिक्रिया दी है और कहा कि उन्होंने जो लिखा भी नहीं है, उसे भी मीडिया खबरों में बता रही है।

विधि छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट देखा और काम काज के बारे में जाना

अजमेर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजकीय विधि महाविद्यालय अजमेर के विधि स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली को समझा। शैक्षिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने देश की शीर्ष अदालत में न्यायिक प्रकरणों की सुनवाई, प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया, वकीलों की बहस, और अंग्रेजी–हिन्दी भाषा के उपयोग सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं को जाना।

अजमेर के राजकीय विधि महाविद्यालय के शैक्षणिक दल ने सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया और वहां के कार्यों की जानकारी प्राप्त की। इस दल में योगेश गुर्जर, दीपेश बांता, भूपेंद्र भाटी, राजेश गुर्जर, रमेश मीणा, सत्येंद्र मीणा, दीपक टेलर, राजू लोहार, मोनिका सैनी, मिताली सोनी, किरण सामरिया, पूजा भड़ाना, रीना गोस्वामी आदि विधि स्नातक तृतीय वर्ष के विद्यार्थी शामिल थे। विद्यार्थियों ने सुप्रीम कोर्ट का भ्रमण किया और वहां जजों की बेंच, विधिक कार्यवाही, वकीलों की बहस, बार कक्ष, वकील ड्रेस कोड, अधिवक्ता चेम्बर और लाइब्रेरी का भी अवलोकन किया। विधि दल के सदस्यों ने लाइब्रेरी में जर्नल रेफरेंस भी देखे। इसी तरह, दिल्ली हाईकोर्ट में भी उन्होंने प्रकरणों की सुनवाई देखी और कई मामलों के साक्षी बने। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट में युवाओं ने वकीलों से मिलकर वकालत की पढ़ाई, प्रायोगिक ज्ञान, ड्राफ्टिंग और बहस के तौर–तरीकों पर चर्चा की। दल में शामिल विद्यार्थियों ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट की कार्यप्रणाली को समझने से उन्हें महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है, जो उनके भविष्य में काम आएगी।

हरियाणा के सरकारी कर्मचारियों का बढ़ा महंगाई भत्ता

चंडीगढ़, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने कर्मचारियों और रिटायर्ड कर्मचारियों को दिवाली का तोहफा दिया है। सरकार ने कर्मचारियों का महंगाई भत्ता 3 प्रतिशत तक बढ़ाते हुए 50 प्रतिशत से बढ़कर 53 फीसदी कर दिया है। इस संबंध में वित्त विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पत्र जारी किया है। सरकार के इस फैसले से चार लाख कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इस समय प्रदेश में 2.75 लाख सरकारी कर्मचारी हैं, जबकि 1.50 लाख के अधिक सेवावृित्त कर्मचारी हैं। पहली जुलाई से संशोधित महंगाई भत्ता और महंगाई राहत का भुगतान किया जाएगा। डीए और डीआर का भुगतान अक्टूबर के वेतन और पेंशन के साथ किया जाएगा। जुलाई से सितंबर महीने का बकाया दिसंबर तक भुगतान किया जाएगा।

सरकार की ओर से ग्रुप–डी कर्मियों को ब्याज मुक्त अग्रिम त्यौहारी राशि दी जाएगी। वित्त विभाग की ओर से इसकी मंजूरी देते हुए सभी विभागाध्यक्ष, मंडलायुक्त व जिला उपायुक्तों को निर्देश जारी किए हैं कि ग्रुप–डी के सभी कर्मियों को ब्याज मुक्त 12 हजार रुपए त्यौहारी राशि की अदायगी की जाए। अग्रिम राशि के लिए कर्मी 27 अक्टूबर तक आवेदन किया जा सकता है। अग्रिम राशि की अदायगी स्थायी व अस्थायी श्रेणी के कर्मियों के साथ उन कर्मियों को भी किया जाएगा, जो पिछले एक साल से सेवा में हैं। अग्रिम राशि का भुगतान कर्मियों को 10 किस्तों में किया जा सकता है। वित्त विभाग की ओर से निर्देश जारी किए गए हैं कि जो चतुर्थ श्रेणी कर्मी अन्य सरकारी विभागों व निगमों में प्रतिनियुक्त के आधार पर कार्यरत हैं, उन्हें इसका लाभ नहीं मिलेगा।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों को भी मिलेगा फायदा

कयास लगाए जा रहे थे कि केंद्र सरकार की तरफ से अपने कर्मचारियों का डीए बढ़ाने के बाद हरियाणा सरकार भी दिवाली से पहले ही अपने कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए डीए और डीआर में बढ़ोतरी का फैसला ले सकती है। इससे पहले आखिरी बार हरियाणा सरकार ने डीए और डीआर में चार फीसदी की बढ़ोतरी की थी। यह बढ़ोतरी इसी साल जनवरी से लागू हुई थी। इसके बाद से अभी तक डीए मूल वेतन का 50 फीसदी था। वहीं अब कर्मचारियों को पेंशन धारकों के लिए महंगाई भत्ता 53 फीसदी हो गया है।

डीए मौजूदा सरकारी कर्मचारियों पर लागू होता है। वहीं पेंशनभोगियों को डीआर मिलता है। डीए में बढ़ोतरी होने से सरकारी कर्मचारियों को कितना बढ़ा हुआ वेतन मिलेगा। अगर किसी सरकारी कर्मचारी का मासिक मूल वेतन 50 हजार रुपये है तो डीए में 3 फीसदी की बढ़ोतरी होने पर उसे 1500 रुपये अब अतिरिक्त मिलेंगे। बढ़ती महंगाई को देखते हुए कर्मचारियों को राहत देने के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में इजाफा किया जाता है। महंगाई भत्ते में कर्मचारियों के मूल वेतन की गणना होती है। सरकार साल में दो बार जनवरी और जुलाई में इसे संसोधित करती है। लेकिन इसकी आधिकारिक घोषणा आमतौर पर बाद में की जाती है।

दीवाली में घर कैसे सजाएं?

इनडोर प्लांट्स से लेकर डिजाइनिंग मोमत्तियां इन 20 चीजों से दें आकर्षक लुक

दीपावली के त्योहार पर लोग अपने घरों को सजाने में जुटे हैं। बाजार में रंग-बिरंगी सजावट का सामान, जैसे रंगोली, लाइट्स, और आर्टिफिशियल प्लांट्स उपलब्ध रहते हैं। इस साल भी सैलरी पहले ही मिलने वाली है, इसलिए लोग दिल खोलकर खरीदारी कर रहे हैं, लेकिन आप अब भी कन्फ्यूज हैं कि दीवाली पर घर कैसे सजाएंगेए, तो हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ सजेशन।

अयोध्या का दीपोत्सव

दीवाली पर भगवान राम के स्वागत के लिए अयोध्या में दीपोत्सव मनाया जाता है और इस बार तो अयोध्या की दीवाली और भी खास है क्यों कि राम मंदिर निर्माण के बाद पहली बार दीवाली मनाई जा रही है। इस दिन लोग घर की साफ-सफाई कर उसे सजाते हैं। नईदुनिया बाजार में उपलब्ध सजावट के सामान की जानकारी देकर लोगों को अपने घर सजाने में मदद कर रहा है।

मिट्टी के डिजाइनर दीप

दीपावली पर मिट्टी के दीप घर को रोशन करने का अच्छा विकल्प हैं। बाजार में मिट्टी और बिजली से जलने वाले दीप उपलब्ध हैं। इनकी कीमत 2 से 50 रुपये तक है। डिजाइनर लैंप भी खरीदे जा सकते हैं, जो 150 से 2000 रुपये तक मिलते हैं।

दीवार सजाने के उपाय

दीवाली पर दीवारों को सजाने के लिए चमकीली पेंटिंग और नए पर्दे उपयोगी हैं। घंटियां और शीशों से सजाए गए तोरण से प्रवेश द्वार को आकर्षक बनाया जा सकता है। विभिन्न आकार के दीपक और घंटियों को ऊंचाई पर लटका कर शानदार क्लासिकल लुक दिया जा सकता है।

डिजाइनर मोमबत्तियां

दीपावली पर डिजाइनर मोमबत्तियां घर को रोशन करती हैं। इनकी कीमत 10 से 500 रुपये तक होती है। लोग मोमबत्तियों और सजावटी दीयों से अपने घर को सजाते हैं। फ्लोटिंग मोमबत्तियां लिविंग रूम में नया लुक देने का शानदार विकल्प हैं।

गार्डन की सजावट

गार्डन में पेड़ों पर लाइटिंग और स्ट्रिंग लाइट्स से सजाया जा सकता है। बाजार में कई तरह की कलरफुल झालर लाइट्स उपलब्ध होती हैं, वो आपके गार्डन और घर की सुंदरता में चार चांद लगा देंगी। दीवारों को फूल-पत्तियों से सजाकर मनमोहक वातावरण बनाया जा सकता है। कपड़े के लैंप और लालटेन से भी बगीचे को रोशन किया जा सकता है।

रंगोली का महत्व

दीपावली पर रंगोली बनाना पवित्रता का प्रतीक है। लोग ओम, स्वास्तिक और मंगल कलश की रंगोली बनाते हैं। 3डी रंगोली का केंद्र जले हुए दीये के साथ सजाया जा सकता है। फूलों की पत्तियों का उपयोग कर रंगोली की सुंदरता बढ़ाता है।

इनडोर पौधों से घर सजाएं

घर में लगे पौधे हवा की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। गमलों में लगे पौधों की मिट्टी भी घर के अंदर की हवा को साफ करने में मदद कर सकती है। आप नर्सरी से तुलसी, एलोवेरा, अरेबिका कॉफ़ी, मनी प्लांट, कलंचो, जेड प्लांट, अंग्रेज़ी आइवी, कैक्टस, लाल एग्लोनिमा, शतावरी फ़र्न, पिलिया, स्नेक प्लांट, कैलेथिया,, शांति लिली, ब्रोमेलियाड, जैसे पौधे घर पर गमलों में लगा सकते हैं। इन पौधों में लाइटिंग घर की सुंदरता को चार चांद लगाएगी।

आर्टिफिशियल प्लांट्स की खरीदारी

घर को ग्रीन लुक देने के लिए आर्टिफिशियल प्लांट्स खरीद सकते हैं, ये ज्यादा मंहगे भी नहीं होते। इसकी कीमत 50 रुपये से शुरू होती है, जो 5000 रुपये के विदेशी प्लांट्स तक बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। गुलाब की पंखुड़ियों और विदेशी पेड़ों की पत्तियों के साथ सजावट कर सकते हैं। इन प्लांट्स में कलरफुल लाइट लगाकर और भी आकर्षक बनाया जा सकता है।

रमा एकादशी के दिन करें ये 3 उपाय

हर तरह का आर्थिक संकट हो जाएगा दूर

तुलसी के पौधे को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु की पूजा में तुलसी के पत्तों का विशेष उपयोग किया जाता है। कहते हैं अगर धन की देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करना चाहते हैं तो भी आप तुलसी की पूजा नियम पूर्वक करें। रमा एकादशी आने वाली है। अगर आप इस दिन तुलसी के पौधे के ये 3 उपाय अपनी समस्या अनुसार करते हैं तो इससे आपके जीवन में किसी भी तरह का आर्थिक संकट क्यों ना हो उसमें राहत मिलती है। आर्थिक समृद्धि चाहते हैं, कर्जों से मुक्ति चाहते हैं या फिर नौकरी और व्यापार में तरक्की चाहते हैं तो आप रमा एकादशी के दिन ये उपाय करें।

रमा एकादशी पर करें तुलसी के उपाय

कर्जा उतरने का नाम नहीं ले रहा, कई सालों से कोशिश कर रहे हैं लेकिन कुछ न कुछ ऐसा होता है कि कर्जा उतरना तो दूर बल्कि और चढ़ने लगता है। अगर आपके साथ भी ऐसा हो रहा है तो आप रमा एकादशी के दिन सुबह के समय पूजा करके तुलसी के पौधे की पजा करें और फिर 5 या 11 पत्तों को तोड़कर उसे किसी लाल कपड़े में बांध लें। फिर से अपने पर्स में या तिजोरी में रखें। धन की कमी दूर होने लगेगी।

जीवन में सुख शांति चाहते हैं तो तुलसी के पौधे पर रमा एकादशी के दिन लाल चुनरी चढ़ाकर सादर उनकी पूजा करें और तुलसी मईया से आपने जीवन में सुख शांति की कामना करें।

कार्य में आ रही रुकावटों को दूर करना चाहते हैं तो आप रमा एकादशी की तिथि पर भगवान विष्णु की पूजा करने के बाद तुलसी जी के पौधे के सामने देसी घी का दीपक जलाएं और 11 परिक्रमा करें और कामना करें की आपके सारे कार्य सिद्ध हो जाएं और रुके हुए काम भी बनने लगें।

कलयुग को लेकर विष्णु पुराण में लिखी हैं ये 4 भविष्यवाणियां

आपका दिन कैसा होगा? आपका सप्ताह कैसा होगा? यह महीना कैसे गुजरेगा? सालभर में क्या अच्छी और बुरी घटनाएं होंगे यहां तक कि आपका जीवन किस तरह का होगा? यह सब आप ज्योतिष शास्त्र के माध्यम से जानते हैं। लेकिन यह दुनिया किस तरह बदलेगी? इस दुनिया में मानवता किस तरह खत्म होने लगेगी और किन चीजों का मोह बढ़ने लगेगा? ऐसी तमाम चीजों की भविष्यवाणी विष्णु पुराण में कलयुग को लेकर की गई हैं। आइए जानते हैं ऐसी 4 भविष्यवाणियों के बारे में भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

धन देखकर रिश्ते बनेंगे

कलियुग को लेकर विष्णु पुराण में की गई भविष्यवाणी के अनुसार, कलयुग में रिश्त-नाते धन देखकर बनेंगे। इसका सीधा मतलब यह कि यहां व्यवहार या चरित्र से अधिक धन देखकर मित्रता होगी और धन देखकर ही सम्मान मिलेगा। वहीं धन के साथ ही मनुष्य का अहंकार भी काफी बढ़ेगा।

घर बनाने में खर्च होगा धन

विष्णु पुराण की भविष्यवाणी में कहा गया है कि, कलयुग में मनुष्य धन संचय करने में लगा रहेगा और इसके लिए कुछ भी करने से गुरेज नहीं करेगा। उसकी हर बात पैसों से जुड़ी होगी और जो धन संचय करेगा उसका अधिकांश उपयोग घर बनाने में ही होगा। वहीं इस युग में घर बनाने वालों के पास अपने घर नहीं होंगे, लेकिन कम मेहनत करने वाले लोग महलों में रहेंगे।

लगातार बढ़ेंगे जघन्य अपराध

विष्णु पुराण की भविष्यवाणी में कहा गया है जब कलयुग आएगा तो अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ेगी। इस काल में चोरी, लूटपाथ, हत्या और महिला अपराधों बढ़ने से अशांति का वातावरण बनेगा।

यहां उल्लेख किया है कि एक समय में मनुष्य छोटी-छोटी बातों पर एक दूसरे की हत्या करने लगेगा। यह वो समय होगा जब अपराधनी बिना डरे घूमने लगेंगे।

प्राकृतिक मृत्यु से ज्यादा अकाल मृत्यु होंगी

विष्णु पुराण की भविष्यवाणी के अनुसार, कलयुग में मौसम तेजी से अपना रुख बदलेगा, तेज बारिश से बाढ़ जैसे हालात बनेंगे तो सूखे की बारी भी आएगी। इस काल में बीमारियों का प्रकोप बढ़ने के साथ ही महामारी और दुर्घटनाएं भी तेजी से बढ़ सकती है। ऐसे में कलयुग में मनुष्य प्राकृतिक रूप से कम और अकारण अधिक मृत्यु को प्राप्त हो सकते हैं।

वात्सल्य ग्राम की गौशाला में आई विश्व की सबसे छोटी पुंगनूर गाय

विश्व में सबसे छोटे कद की पुंगनूर गाय अब मथुरा में वात्सल्य ग्राम की कामधेनु गौशाला में आ गई है। इस प्रकार की गाय अब तक मथुरा की किसी गोशाला या निजी व्यक्ति के पास नहीं थी।

वात्सल्य ग्राम की अधिष्ठात्री साध्वी ऋतंभरा ने बताया कि पुंगनूर गाय विश्व की सबसे छोटी प्रजाति की गाय है। दक्षिण भारत के आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के पुंगनूर शहर में पाई जाने वाली इस गाय का नाम इसके शहर पुंगनूर पर पड़ा है। इस गाय की औसत लंबाई दो से ढाई फीट तक होती है। इसके दूध में अन्य गायों की अपेक्षा वसा की मात्रा अधिक होती है। अन्य गायों की अपेक्षा इसका दूध अधिक पौष्टिक होता है, इसका मूत्र एवं गोबर बेचकर लोग व्यापार भी करते हैं मगर धीरे-धीरे अब यह नस्ल विलुप्त होने के कगार पर है, वात्सल्य ग्राम में पहले से ही भारतीय नस्लों गायों की श्री कामधेनु गौशाला स्थापित है।

वात्सल्य ग्राम के जन संपर्क अधिकारी उमाशंकर राही ने बताया कि स्वर्ण कपिला गाय एवं पुंगनूर गाय की गौशाला का अलग से निर्माण किया गया है। जिसमें तीन स्वर्ण कपिला एवं पांच पुंगनूर नस्ल की गाय हैं। इन गायों को पालने का मुख्य उद्देश्य इनका संरक्षण और संवर्धन करना है। गायों के गोशाला में भेजने के पहले उनका विधिवत पूजन किया गया तथा आरती भी उतारी गई। गायों को बहुत करीने से सजाया भी गया है।

गोशाला का उद्घाटन करते हुए संजय भैया ने कहा कि वात्सल्य ग्राम में यह पहली गौशाला है जो मां ऋतंभरा की इच्छा पर निर्मित की गई है। पुगनूर गाय का दूध वात्सल्य ग्राम में रह रहे बच्चों के बल एवं बुद्धि बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा।

तवे पर रोटी बनाने से पहले करें 3 बेहद आसान उपाय घर में आएगी खुशियों की बाढ़, बरसेगी लक्ष्मी

हर घर में रोटी बनाने के लिए तवे का इस्तेमाल किया जाता है, लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि सामान्य से दिखने वाला तवा किस्मत भी बदल सकता है। ज्योतिषाचार्यों ने तवे से जुड़ी कुछ बेहद आसान उपायों का उल्लेख समय-समय पर किया है। दावा है कि इन उपायों को करने से घर में खुशियां आती हैं। सभी अनिष्ट टल जाते हैं। नौकरी में प्रमोशन और वेतन वृद्धि मिलती है। व्यापार में फायदा ही फायदा होता है।

तवे की पहली रोटी कैसी होना चाहिए?

तवे की पहली रोटी छोटी बनाएं। यह रोटी गाय या कुत्ते के लिए होती है। शास्त्रों में भी गाय या कुत्ते को रोटी खिलाना पुण्य का काम बताया गया है। इससे घर में नकारात्मकता खत्म होती है। गाय या कुत्ता न मिले, तो रोटी को ऐसे स्थान पर रख दें, जहां कोई पक्षी उसे खा ले। शास्त्रों में कहा गया है कि कौवे के रोटी खाने से शनि प्रसन्न होते हैं।

तवे पर नमक छिड़कने से क्या होता है?

तवे पर रोटी बनाने से पहले उस पर बहुत थोड़ा-सा नमक छिड़कना चाहिए। इससे अशुभ प्रभाव समाप्त होते हैं। ध्यान रहे कि तवे पर सिर्फ नमक छिड़कना है। उसमें हल्दी, मिर्च या दूसरा कोई मसाला नहीं मिला हो चाहिए। गर्म तवे पर नमक छिड़कने से राहु की दशा से मुक्ति मिलती है। राहु की कुदृष्टि किसी भी अमीर को गरीब बना सकती है।

तवे पर पानी छिड़कने से क्या होता है?

गर्म तवे पर पानी छिड़कना शुभ नहीं माना गया है। मान्यता है कि जैसे-जैसे छन्न-छन्न की आवाज आती है, वैसे-वैसे घर में या परिवार के लोगों के लिए परेशानी आने लगती है। रोटी बनाना खत्म करने के तुरंत बाद भी तवा को पानी से नहीं धोना चाहिए। उसे ठंडा करने के बाद ही कपड़े से साफ करना चाहिए।

घर में तवा किस स्थान पर रखना चाहिए?

यह भी बहुत अहम है कि घर में तवा किस स्थान पर रखा जाता है? रसोई घर में तवा हमेशा साफ-सुधरी जगह पर ही रखा जाना चाहिए। तवा ऐसे स्थान पर नहीं होना चाहिए, जहां किसी बाहरी की नजर पड़े। बाहर व्यक्ति की तवे पर नजर पड़े से घर को नजर लग सकती है।

दिवाली वाले दिन केसर चंदन का उबटन लगाकर गर्म जल से स्नान करेंगे भगवान महाकाल

अन्नकूट के महाभोग के बाद होगी फुलझड़ी से आरती

ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में दीपोत्सव की तैयारी शुरू हो गई है। ज्योतिर्लिंग की पूजन परंपरा अनुसार 31 अक्टूबर को तड़के 4 बजे भस्म आरती में दीपावली मनाई जाएगी। उत्सव की शुरुआत 29 अक्टूबर को धनत्रयोदशी के दिन से होगी। समापन 2 नवंबर को चिंतामन स्थित गोशाला में गोवर्धन पूजा के साथ होगा।

पं.महेश पुजारी ने बताया ज्योतिर्लिंग की पूजन परंपरा में कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी पर दीपावली मनाई जाती है। इस बार 31 अक्टूबर को परंपरा अनुसार तड़के 4 बजे भस्म आरती में दीपावली मनाई जाएगी। भगवान महाकाल को केसर चंदन का उबटन लगाकर गर्म जल से स्नान कराया जाएगा। इसके बाद नवीन वस्त्र व सोने चांदी के आभूषण धारण कराकर विशेष श्रृंगार होगा। पश्चात भगवान को अन्नकूट का महाभोग लगाकर फुलझड़ी से आरती की जाएगी। तड़के 4 बजे से सुबह 7 बजे तक अन्नकूट के दर्शन होंगे।

धनतेरस पर पुरोहित करेंगे पूजा

29 अक्टूबर को धनत्रयोदशी के दिन मंदिर के पुरोहित परिवार द्वारा सुख,समृद्धि व खुशहाली के लिए पूजा अर्चना की जाएगी। पुरोहित पं.नीरज शर्मा ने बताया महाकालेश्वर मंदिर पुरोहित समिति द्वारा प्रतिवर्ष देश, प्रदेश व नगर में खुशहाली की कामना के साथ भगवान महाकाल की महापूजा की जाती है। देश में सुख समृद्धि के लिए भगवान को चांदी का सिक्का भेंट किया जाता है। इस बार भी संभागायुक्त, कलेक्टर, प्रशासक के आतिथ्य में पूजन होगा।

2 नवंबर को गोवर्धन पूजा

महाकाल मंदिर समिति द्वारा गोशाला का प्रकल्प शुरू करने के बाद से दीपावली के अगले दिन पड़वा पर गोवंश व गोवर्धन पूजा की जाती है। इस बार 2 नवंबर को चिंतामन स्थित गोशाला में सुबह मंदिर प्रशासक गणेश कुमार धाकड़, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल आदि अधिकारियों द्वारा गोमाता व गोवर्धन का पूजन किया जाएगा।

गुरु पुष्य नक्षत्र पर व्यापार में तेजी का अनुमान

दीपावली महापर्व को लेकर नगर का बाजार सज धजकर तैयार है। बाजार में छोटे से लेकर बड़े व्यापारियों ने इस बार दीपावली पर्व पर खरीदी पर आकर्षक गिफ्ट वाउचर रखे हैं। दीपावली पर्व को लेकर व्यापारियों को नगर में अच्छा व्यापार होने का अनुमान है।

पर्व के पूर्व गुरुवार को गुरु पुष्य नक्षत्र में नगर के बाजार में अच्छी धन वर्षा को लेकर नगर का सराफा, इलेक्ट्रानिक, आटोमोबाइल, किराना, रेडीमेड कपड़ा, बर्तन, कटलरी बाजार दमक उठा है।इधर पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन भी मुस्तैदी के साथ जुटा हुआ है। पुलिस नगर के चप्पे-चप्पे पर अपनी पैनी नजर बनाए हुए हैं।

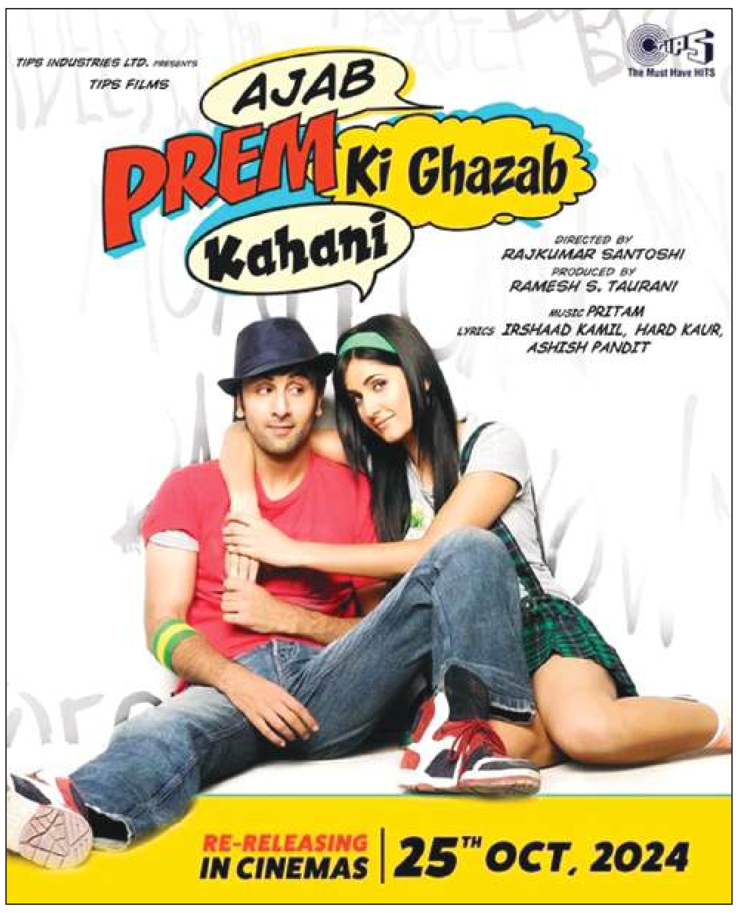

अजब प्रेम की गजब कहानी थिएटर्स में 25 अक्टूबर को हो रही री-रिलीज

फिर दिखेगी एक्स लवर्स रणबीर-कैटरीना की जोड़ी

रणबीर कपूर और कैटरीना कैफ स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी एक बार फिर थिएटर पर आ रही है। राजकुमार संतोषी ने फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी को डायरेक्ट किया था। फिल्म की कहानी में रणबीर कपूर ने एक हरफनमौला एक्टर का रोल किया था, जो एक क्रिश्चियन लड़की कैटरीना कैफ के प्यार में गिर जाता है। फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी साल 2009 में रिलीज हुई थी।

फिल्म के निर्माता टिप्स ने फिल्म अजब प्रेम की गजब कहानी की री-रिलीज डेट का एलान किया है।टिप्स ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर लिखा है, प्रेम और जेनी की प्रेम कहानी को सेलिब्रेट करें, जो 25 अक्टूबर को सिनेमाघरों में लौट कर आ रही है। अब इस पोस्ट पर रणबीर और कैटरीना कैफ के फैंस खूब प्यार लुटा रहे हैं।

कुछ यूजर्स ने लिखा है कि उन्होंने यह फिल्म साल 2009 में ही थिएटर पर देखी और अब एक बार फिर इसका एक्सपीरियंस लेंगे। वहीं, कुछ यूजर्स ने लिखा है, इस फिल्म के गाने बेहद शानदार हैं।अजब प्रेम की गजब कहानी महज 25 करोड़ रुपये के बजट में बनी थी। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 133।73 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। फिल्म 1300 स्क्रीन पर रिलीज हुई थी।

फिल्म ने पहले वीकेंड में 23 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। इस फिल्म के बाद रणबीर और कैटरीना कैफ की जोड़ी फिल्म राजनीति (2010) और जग्गा जासूस (2017) में नजर आई थी।बता दें, कैटरीना कैफ को पिछली बार फिल्म मैरी क्रिसमस और रणबीर कपूर को मेगा ब्लॉकबस्टर फिल्म एनिमल में देखा गया था। एनिमल के बाद से रणबीर की झोली में एनिमल पार्क, ब्रह्मास्त्र 2, रामायण और धूम 4 भी है। धूम 4 को लेकर अभी पुष्टि नहीं हुई है।

नताशा ने साड़ी में लान्ट किया कर्वी फिगर

हार्दिक पांड्या की एक्स वाइफ नताशा स्टेनकोविक का हाल ही में नया गाना तेरे करके आया था। वहीं अब एक्ट्रेस को एक इवेंट में देखा गया जहां एक्ट्रेस ने अपने सिजलिंग लुक से सभी को हैरान कर दिया। उनके इस लुक की तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वहीं अब खुद नताशा ने भी साड़ी में फिगर लान्ट करते हुए फोटोज शेयर की हैं।ग्रे कलर की खूबसूरत साड़ी पहने नताशा स्टेनकोविक काफी हसीन दिख रही हैं। साड़ी को उन्होंने मैचिंग स्लीव्लेस ब्लाउज के साथ पेयर किया है। मैचिंग ईयररिंग्स और खुले बालों में एक्ट्रेस बेहद सिजलिंग दिख रहीं हैं। तस्वारों में उन्हें अपना कर्वी फिगर फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। उन्होंने एक वीडियो भी शेयर किया है जिसमें वे अलग-अलग अंदाज में पोज करती दिखाई दे रही हैं।नताशा स्टेनकोविक की इन फोटोज पर जहां फैंस उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे, वहीं उनके बेस्ट फ्रेंड और रूमर्ड बॉयफ्रेंड एलेक्जेंडर एलेक्स ने भी उनकी तारीफ कर दी है।

उन्होंने फायर इमोजी शेयर कमेंट किया है।बता दें कि नताशा स्टेनकोविक और हार्दिक पांड्या ने इसी साल जुलाई में एक जॉइंट पोस्ट करते हुए अपना तलाक अनाउंस किया था।

दोनों ने पोस्ट में लिखा था कि वे मिलकर अपने बेटे अगत्स्य की परवरिश करेंगे। हार्दिक से अलग होने के बाद नताशा का नाम उनके दोस्त एलेक्जेंडर एलेक्स के साथ जुड़ रहा है। दोनों को कई बार साथ में वक्त गुजारते भी देखा जा चुका है।

धमकी के बीच सलमान खान ने शुरू की सिकंदर की शूटिंग

दिवाली तक सेट से नहीं हिलेंगे भाईजान

सलमान खान ने अपनी मोस्ट अवेटेड अपकमिंग मास एक्शन फिल्म सिंकदर की शूटिंग एक बार फिर शुरू कर दी है। सलमान ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग की धमकी के बीच ईद 2025 पर रिलीज होने जा रही फिल्म सिकंदर की शूटिंग फिर से जारी कर दी है। सलमान खान धमकी के बीच भी अपना काम करना नहीं छोड़ रहे हैं। हाल ही में सलमान खान ने बिग बॉस 18 के वीकेंड का वार एपिसोड शूट किया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक सलमान खान सिकंदर के सेट पर शूट कर रहे हैं।रिपोर्ट्स की मानें तो, सलमान खान अपने काम को लेकर कमिटेड रहते हैं।

एक तरफ वह हाई लेवल-सिक्योरिटी के बीच बिग बॉस 18 की शूटिंग कर रहे हैं, तो वहीं अब वह सिकंदर को निपटाने में लगे हैं। रिपोर्ट्स की मानें तो सिकंदर के सेट पर सलमान खान को सिक्योरिटी की एक पूरी फौज तैनात है। कहा जा रहा रहा है कि सलमान खान दिवाली तक सिकंदर की शूटिंग लगातार करेंगे।बता दें, सिकंदर को आमिर खान के साथ फिल्म गजनी कर चुके साउथ फिल्मों के डायरेक्टर एआर मुरुगदास बना रहे हैं। साजिद नाडियाडवाला के प्रोड्क्शन हाउस में यह सिकंदर का निर्माण हो रहा है।

फिल्म सिकंदर में सलमान खान के साथ रश्मिका मंदाना, काजल अग्रवाल, सुनील शेट्टी, शर्मन जोशी, अंजिनी धवन, प्रतीक बब्बर और कटप्पा फेम सत्याराज अहम रोल में नजर आएंगे। फिल्म 30 मार्च 2025 को ईदर के मौके पर रिलीज होने जा रही है।बता दें, सलमान खान को काले हिरण के शिकार मामले में लॉरेंश बिश्नोई गैंग बार-बार जान से मारने की धमकी दे रहा है। इस मामले में एक बार सलमान खान के घर बीती 14 अप्रैल को फायरिंग भी हो चुकी है।

100 करोड़ी बनने के बाद धीमी पड़ी रजनीकांत की फिल्म, जानें कितना हुआ कलेक्शन

रजनीकांत की वेट्टैयन की रिलीज को लेकर दर्शकों के बीच अच्छा खासा उत्साह था वहीं फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त शुरुआत की। फिल्म ने 100 करोड़ का आंकड़ा भी पार कर लिया लेकिन अब फिल्म की कमाई की रफ्तार धीमी हो चुकी है। आइए जानते हैं थलाइवा की वेट्टैयन का 12वें दिन का कलेक्शन।वेट्टैयन ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त ओपनिंग की लेकिन उसके बाद कलेक्शन में गिरावट देखी गई। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक फिल्म ने अपने 12वें दिन लगभग 1.85 करोड़ रुपये कमाए जिससे भारत में इसका कुल कलेक्शन 136.45 करोड़ हो गया है। फिल्म ने वर्ल्डवाइड सभी भाषाओं में 235.25 करोड़ रुपये की कमाई की है जिसमें ओवरसीज कलेक्शन 78 करोड़ रुपये है।रजनीकांत की फिल्म पहले वीकेंड में 100 करोड़ का आंकड़ा पार करने में सफल रही। फिल्म की असली परीक्षा सोमवार को हुई। सोमवार को वेट्टैयन का कलेक्श में 74.89 प्रतिशत के साथ भारी गिरावट दर्ज की गई। फिल्म ने 5वें दिन मात्र 5।6 करोड़ रुपये कमाए। वहीं, छठे दिन इसका ग्राफ और गिर गया।फिल्म ने छठे दिन 4.52 करोड़ रुपये कमाए। वहीं अब दूसरे हफ्ते में भी फिल्म ने कमाई में गिरावट दर्ज की है। दूसरे मंडे तक फिल्म का टोटल कलेक्शन 136.45 करोड़ रुपये हो गया है।वेट्टैयन एक एक्शन ड्रामा है जिसे टीजे ज्ञानवेल ने डायरेक्ट किया है। फिल्म में रजनीकांत, अमिताभ बच्चन, मंजू वारियर, फहद फासिल, राणा दग्गूबाती जैसे कलाकार खास रोल निभा रहे हैं। फिल्म 10 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है।

अक्षय कुमार की फिल्म सरफिरा का बॉक्स ऑफिस पर निकला दिवाला

ओटीटी पर बनी नंबर 1, मचा रही है धमाल

90 के दशक में लगातार हिट फिल्में देने वाले अक्षय कुमार पिछले काफी समय से बॉक्स ऑफिस पर असफलताओं का सामना कर रहें हैं। इस साल 2024 में उनकी एक फिल्म रिलीज हुई, लेकिन वो भी बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई। इसके अलावा उनकी फिल्म अपने बजट जितना भी नहीं कमा पाई। हालांकि अब फिल्म ओटीटी पर स्ट्रीम हो चुकी है, जहां ये धूम मचा रही है। फिल्म को काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है।आपको बता दें कि इस साल 2024 में बॉलीवुड की कई फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई हैं, जिन्हें ओटीटी पर भी कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिल रहा है। इसी बीच बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई एक फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है और टॉप ट्रेंडिंग में आ गई है। फिल्म को ओटीटी पर दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिल रहा है। इसके अलावा फिल्म को आईएमडीबी पर भी काफी अच्छी और शानदार रेटिंग मिली है, जिसने सभी को हैरान कर दिया है। अक्षय कुमार की इस फिल्म का नाम सरफिराऴ है, जो कुछ महीने पहले ही रिलीज हुई है।इस फिल्म का निर्देशन सुधा कोंगारा ने किया है।

फिल्म में अक्षय कुमार के अलावा राधिका मदान, परेश रावल और सीमा बिस्वास जैसे कलाकार नजर आ रहें हैं। यह फिल्म 12 जुलाई 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दरअसल, यह साउथ के सुपरस्टार सूर्या की हिट फिल्म सोरारई पोटरुऴ का हिंदी रीमेक है। फिल्म को सिनेमाघरों में अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला था। दर्शकों को फिल्म की कहानी कुछ खास पसंद नहीं आई थी, लेकिन ओटीटी पर फिल्म की कहानी और सभी कलाकारों की एक्टिंग को खूब पसंद किया जा रहा है।इस फिल्म की कहानी वीर म्हात्रे (अक्षय कुमार) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एयरफोर्स में भर्ती होता है। महंगी फ्लाइट टिकट की वजह से वह अपने पिता को आखिरी बार देख नहीं पाता और यह घटना उसे गहरे सदमे में डाल देती है। इसके बाद वीर म्हात्रे सस्ती एयरलाइन शुरू करने का फैसला करता है। फिल्म की कहानी काफी इमोशनल है, जिसे ओटीटी पर दर्शक खूब पसंद कर रहें हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म का बजट 85 करोड़ रुपये था और इसने सिर्फ 22।13 करोड़ रुपये कमाए, जबकि इसकी वर्ल्डवाइड कमाई 30।02 करोड़ रुपये रही।भले ही यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही हो, लेकिन अब यह फिल्म ओटीटी पर नंबर 1 फिल्म बन गई है। हाल ही में यह फिल्म डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज हुई है, जहां इसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। अक्षय कुमार की सरफिराऴ अब डिज्नी प्लस हॉटस्टार की ट्रेंडिंग लिस्ट में शामिल हो गई है और भारत में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है। बता दें कि इस फिल्म को आईएमडीबी पर 10 में से 7।7 की रेटिंग मिली है। अगर आपने अभी तक यह फिल्म नहीं देखी है और देखना चाहते हैं, तो आप इसे आज घर बैठे आराम से देख सकते हैं।

बघीरा का धांसू एक्शन तेलुगु ट्रेलर रिलीज

डॉ. सूरी द्वारा निर्देशित और प्रशांत नील द्वारा लिखित बघीरा का तेलुगु भाषा में ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज किया गया है। फिल्म के ट्रेलर ने तेलुगु प्रशंसकों का उत्साह बढ़ा दिया है। वादे के मुताबिक होम्बले फिल्म्स ने यूट्यूब पर बघीरा का ट्रेलर रिलीज कर दिया है।रोरिंग स्टार श्री मुरली और रुक्मिणी वसंत अभिनीत यह फिल्म 31 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। इस फिल्म का धमाकेदार ट्रेलर प्रशंसकों को बेहद पसंद आ रहा है। यूट्यूब पर इसके ट्रेलर को एक घंटे के अंदर 1 लाख 47 हजार से ज्यादा के व्यूज मिल चुके हैं।निर्देशक प्रशांत नील की फिल्म बघीरा में श्री मुरली का एक सुपरहीरो के किरदार में साफ नजर आ रहे हैं, लेकिन उनका यह लुक बॉलीवुड फिल्म कृष से प्रभावित लग रहा है। कृष में ऋतिक रोशन ने कुछ ऐसा ही मास्क अपने चेहरे पर लगाया था। बहरहाल, फिल्म बघीरा का ट्रेलर श्री मुरली के प्रशंसकों को काफी पसंद आ रहा है।बघीरा एक्शन-थ्रिलर फिल्म है। फिल्म में श्री मुरली एक पुलिस वाले का किरदार निभाएंगे, जो न्याय के लिए लड़ते हुए एक सुपरहीरो की भूमिका भी निभाते हैं। श्री मुरली के अलावा फिल्म में रुक्मिणी वसंत मुख्य भूमिका निभा में हैं। फिल्म में प्रकाश राज, रंगायन रघु और अच्युत कुमार भी अहम किरदार में नजर आएंगे। फिल्मांकन के दौरान, श्री मुरली को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा था, जिसमें एसीएल फटने जैसी चोटें भी शामिल थीं, जिसके कारण उन्हें महीनों तक सेट से दूर रहना पड़ा। इन कठिनाइयों के बावजूद, वह फिल्म के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहे और आज फिल्म बघीरा के ट्रेलर में उन्हें देखकर प्रशंसक बेहद खुश और फिल्म के लिए उत्साहित हैं।प्रशांत नील के साथ यह श्री मुरली की दूसरी फिल्म है। पहले इस जोड़ी ने एक साथ फिल्म उग्रम में काम किया था। ए जे शेट्टी बघीरा के सिनेमेटोग्राफर हैं, जबकि अजनीश लोकनाथ संगीतकार हैं। यह फिल्म 31 अक्तूबर 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है।

फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स सीजन 3 की शालिनी पासी की लाइफस्टाइल सबसे हटकर

फैबुलस लाइव्स वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स का तीसरा सीजन नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रहा है। इस रिएलिटी टीवी शो में बॉलीवुड के दिग्गज सितारों की पत्नियों के ग्लैमर को दिखाया गया है। शो से दिल्ली की हसीनाएं रिद्धिमा कपूर साहनी, शालिनी पासी और कल्याणी साहा ने डेब्यू किया है। इनमें से शालिनी पासी काफी लाइमलाइट में हैं। उनके फैशन सेंस से लेकर उनके आलीशान बंगले की तक की खूब चर्चा हो रही है।शालिनी पासी दिल्ली की रहने वाली हैं। वे अरबपति बिजनेसमैन संजय पासी की वाइफ हैं। वे म्यूजिक, डांसिंग, तीरंदाजी, शूटिंग, स्कूबा डाइविंग और फैशन तक में दिलचस्पी रखती हैं। इसके अलावा वे एक फॉर्मर स्टेट लेवल की जिमनास्ट हैं। शालिनी अब माई आर्ट शालिनी पहल और शालिनी पासी आर्ट फाउंडेशन चलाती हैं।

इसके अलावा उन्होंने एमएएसएच नाम का एक ऑर्गेनाइजेशन स्थापित किया है जो हैंडक्राफ्ट और फैशन से जुड़ा है।45 साल की शालिनी पासी एक आर्ट कलेक्टर हैं। वे दिल्ली में अपने पति संजय पासी और बेटे रॉबिन के साथ एक महल जैसे घर में रहती हैं। उनका ये आलीशान बंगला दिल्ली के सबसे प्रीमियम एरिया, गोल्फ लिंक में बना हुआ है। सॉफ्ट बूमरैंग शेप वाले उनके इस घर में कुल 14 बेडरूम हैं और घर का हर कोना खूबसूरत आर्ट पीस से सजा हुआ है। इस घर में एक बड़ा और खूबसूरत लॉन है जिसमें बड़ा-सा बुद्धा स्टैचू लगा है।शालिनी पासी के पति संजय पासी पास्को ग्रुप के चेयरमैन हैं। फाइनेंशियल ईयर 2021-22 के लिए पास्को ग्रुप का टर्नओवर 2,690 करोड़ रुपए था। संजय पासी ने दिल्ली यूनिवर्सिटी के हंसराज कॉलेज से बी।कॉम में ग्रेजुएशन किया है।

सी शंकरन की बायोपिक की रिलीज डेट आउट

होली 2025 पर धमाका करेंगे अक्षय कुमार, आर. माधवन और अनन्या पांडे

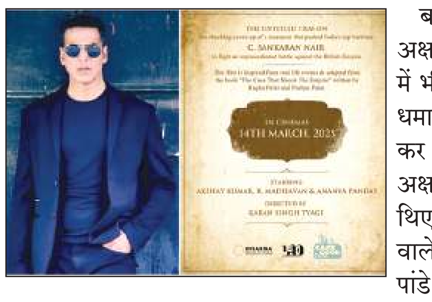

बॉलीवुड खिलाड़ी अक्षय कुमार ने 2025 में भी अपनी फिल्मों से धमाका करने की तैयारी कर ली है। जी हां अक्षय होली 2025 में थिएटर में दस्तक देने वाले हैं वो भी अनन्या पांडे और आर माधवन के साथ। हाल ही में धर्मा प्रोडक्शन ने एक पोस्टर शेयर किया और कैप्शन लिखा- एक अनकही कहानी, एक अनकहा सच। आपको बता दें कि अभी इस फिल्म का टाइटल अनाउंस नहीं हुआ है।हालांकि अभी फिल्म का टाइटल अनाउंस नहीं हुआ है लेकिन अक्षय की यह फिल्म ब्रिटीश एंपायर के खिलाफ लड़ाई पर बनी है। पोस्टर में लिखा है, एक अनाटाइटल्ड फिल्म है जो एक नरसंहार को छुपाने का चौंकाने वाला मामले पर बनी है। सी। शंकरन नायर जिन्होंने ब्रिटीश एंपायर के खिलाफ बेमिसाल लड़ाई लड़ी। ये फिल्म रियल लाइफ इवेंट्स पर आधारित है वहीं इसे द केस देट शूक द एंपायर बुक से लिया गया है जिसे रघु पलात और पुष्पा पलात ने लिखा है।अक्षय कुमार, आर माधवन और अनन्या पांडे स्टारर यह फिल्म होली 2025 के मौके पर रिलीज होगी। इसे करण सिंग त्यागी डायरेक्ट कर रहे हैं वहीं यह धर्मा प्रोडक्शन के बैनर तले बन रही है यानि इसे करण जौहर प्रोड्यूस कर रहे हैं। फैंस अक्षय की इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। जैसे ही इसका अनाउंसमेंट किया गया नेटिजन्स ने कमेंट सेक्शन में बाढ़ ला दी। एक यूजर ने लिखा- इंतजार रहेगा इस फिल्म का। एक ने लिखा- अक्षय और आर माधवन ब्लॉकबस्टर फिल्म। वहीं एक ने लिखा- क्या बात है अक्षय सर के कमबैक का इंतजार कर रहा हूं।अक्षय की पिछली रिलीज खेल खेल में थी जो 15 अगस्त को रिलीज हुई थी हालांकि यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं कर पाई। अपकमिंग फल्मों की बात करें तो अक्षय की पाइपलाइन में भूत बंगला, हाउसफुल 5, जॉली एलएलबी 3, स्काईफोर्स जैसी फिल्में हैं। इन सबकी रिलीज 2025 में तय की गई है। वहीं सी शंकरन की बायोपिक जो अभी अनटाइटल्ड है होली 2025 पर रिलीज होने के लिए तैयार

श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह केस

हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका, रिकॉल अर्जी खारिज

मथुरा, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि-ईदगाह केस के रिकॉल प्रार्थना पत्र पर हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। फैसले से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। हाईकोर्ट ने रिकॉल अर्जी खारिज कर दी है। उत्तर प्रदेश के मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद में इलाहाबाद हाईकोर्ट से मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। जस्टिस मयंक कुमार जैन की सिंगल बेंच ने फैसला सुना दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की

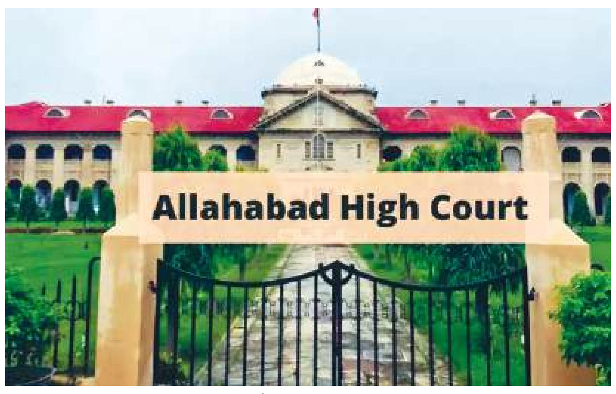

रीकॉल अर्ज़ी खारिज कर दी है।

11 जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती देते हुए मुस्लिम पक्ष ने रीकॉल अर्जी दायर की थी। 15 याचिकाओं को लेकर रिकॉल अर्जी दाखिल हुई थी। 16 अक्टूबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मामले में फैसला सुरक्षित रखा था। बुधवार को इस पर फैसला सुना दिया है। श्री कृष्ण जन्मभूमि विवाद के पक्षकार एवं श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया, न्यायमूर्ति मयंक कुमार जैन की पीठ के समक्ष मंदिर और मस्जिद पक्ष की तरफ से बहस की गई थी। पक्ष ने आर्डर सात रूल 11 के तहत दिए गए प्रार्थना को खारिज कर स्वामित्व से जुड़े 15 सिविल वादों को एक साथ सुने जाने के कोर्ट के निर्णय खिलाफ रिकॉल प्रार्थना पत्र दाखिल किया था।

मंदिर पक्ष की तरफ से कहा गया कि रिकॉल प्रार्थना पत्र मामले को उलझाए रखने के लिए है। रिकॉल प्रार्थना पत्र किसी आदेश को वापस लेने के लिए दी जाती है। अदालत रिकॉल प्रार्थना पत्र निस्तारण करने के बाद सिविल वादों को लेकर वाद बिंदु तय करेगी। मंदिर पक्ष ने वाद बिंदु दे दिए हैं। अब इलाहाबाद हाईकोर्ट इसे खारिज कर दिया है।

राहुल का अखिलेश से बात करना भी नहीं आया काम

फूलपुर सीट पर सपा ने उतारा अपना प्रत्याशी

लखनऊ/फूलपुर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी विधानसभा उपचुनाव में सपा उम्मीदवार ने फूलपुर से नामांकन दाखिल कर दिया है। इंडी गठबंधन के तहत कांग्रेस इस सीट पर दावा कर रही थी। उत्तर प्रदेश में हो रहे विधानसभा उप-चुनाव में समाजवादी पार्टी ने अपने ही गठबंधन के साथ खेल कर दिया। समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार ने फूलपुर विधानसभा सीट पर नामांकन दाखिल कर दिया। जबकि यह सीट कांग्रेस को दिए जाने की चर्चा थी। इसके लिए कांग्रेस ने एड़ी चोटी का जोर भी लगाया था। इस सीट को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी

के बीच चर्चा भी हुई थी।

सपा के इस रवैये से इंडी गठबंधन में दरार बढ़ गई है। दोनों ही पार्टियों की तरफ से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। इसी तनातनी के बीच फूलपुर विधानसभा उप चुनाव के लिए सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर नामांकन पत्र दाखिल किया। मुज्तबा बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ताओं के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना पर्चा दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद उन्होंने अपनी जीत का दावा किया। कहा कि फूलपुर उप चुनाव में इंडिया गठबंधन एकजुट होकर चुनाव लड़ेगा और जीत हासिल करेगा। उनके साथ हंडिया से सपा विधायक हाकिमलाल बिंद, एमएलसी मान सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

पूर्व पालिकाध्यक्ष शहला ताहिर पर मनी लॉन्ड्रिंग केस दर्ज

लखनऊ/बरेली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली स्थित नवाबगंज नगर पालिका की पूर्व अध्यक्ष शहला ताहिर के खिलाफ प्रवर्तन निद-शालय (ईडी) ने प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन पर चेयरमैन रहने के दौरान 10.14 करोड़ रुपए के सरकारी धन के गबन का आरोप लगा था।

शासन ने उन्हें बर्खास्त कर मामले की जांच आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) को सौंपी थी। ईडी ने ईओडब्ल्यू की एफआईआर के आधार पर

शहला ताहिर के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया है। उन्हें जल्द ही नोटिस देकर दस्ता-वेजों के साथ पूछताछ के लिए तलब करने की तैयारी है। शहला के खिलाफ भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रविंद्र सिंह राठौर के भाई नीरेंद्र सिंह राठौर ने शिकायत की थी। सपा नेता व पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव की करीबियों में शुमार शहला ताहिर और भाजपा नेता रविंद्र सिंह राठौर के बीच पुरानी अदावत रही है। शहला ने सपा सरकार में रविंद्र पर एक दिन में 32 मुकदमे दर्ज कराए थे। भाजपा की सरकार आने पर शहला की घेराबंदी शुरू की गई और शासन में इसकी शिकायत वर्ष 2021 में हुई थी। इसके बाद मई 2022 में शहला को पालिका अध्यक्ष पद से हाथ धोना पड़ा था।

ज्ञानवापी मसला : धार्मिक चरित्र के निर्धारण के लिए वजूखाने का सर्वे जरूरी

प्रयागराज, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी मामले में हिंदू पक्ष ने दलील दी है कि विवादित स्थल के धार्मिक चरित्र के निर्धारण के लिए वजूखाने का एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) सर्वे आवश्यक है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वजूखाना क्षेत्र सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सील किया गया है। इसका सर्वे नहीं किया जा सकता।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित वजूखाने की एएसआई सर्वे की मांग वाली याचिका पर सुनवाई की। हिंदू पक्ष ने दलील दी कि विवादित स्थल के धार्मिक चरित्र के निर्धारण के लिए वजूखाने का एएसआई (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) सर्वे आवश्यक है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने कहा कि वजूखाना क्षेत्र सुप्रीम कोर्ट के आदेश से सील किया गया है।

इसका सर्वे नहीं किया जा सकता। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की अदालत राखी सिंह की ओर से दाखिल पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर रही है। मामले की अगली सुनवाई आठ नवंबर को होगी। याची राखी सिंह की ओर से जिला अदालत में वजूखाने की सर्वे के लिए अर्जी दाखिल की गई थी। सुनवाई के दौरान जिला अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के यथास्थिति बनाए रखने के आदेश के कारण अर्जी में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया था। इस आदेश को याची ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

याची के वकील सौरभ तिवारी ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान दलील दी कि ज्ञानवापी परिसर की तरह वजूखाने का भी एएसआई सर्वे किया जाना चाहिए। यह भी दलील दी कि लक्ष्मी देवी की याचिका से यह भिन्न है।

लक्ष्मी देवी मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश इसमें लागू नहीं होगा। हमने वजूखाने की एएसआई सर्वे की मांग की है, शिवलिंग की नहीं।

सुप्रीम कोर्ट ने शिवलिंग को सुरक्षित व संरक्षित करने का आदेश दिया है, न कि सील किया है। ऐसे में वजूखाने का सर्वे किया जा सका है। मुस्लिम पक्ष के अधिवक्ता एसएफ नकवी ने एएसआई सर्वे की मांग का विरोध किया। दलील दी कि सुप्रीम कोर्ट ने पूरे क्षेत्र को सील किया है। ऐसे में यह याचिका पोषणीय नहीं है।

याची के वकील ने मंगलवार को सुनवाई के दौरान दलील दी कि ज्ञानवापी परिसर की तरह वजूखाने का भी एएसआई सर्वे किया जाना चाहिए। यह भी दलील दी कि लक्ष्मी देवी की याचिका से यह याचिका भिन्न है। लक्ष्मी देवी मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश इसमें लागू नहीं होगा।

बुढ़ाना में दंगा करने वाले 19 इस्लामी कट्टरपंथी पकड़े गए

मुजफ्फरनगर, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में सड़क पर दंगा-पत्थरबाजी करने वाली इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ पर पुलिस ने कार्रवाई करना चालू कर दिया है। पुलिस ने कथित ईशनिंदा के मामले में दंगा करने वाले एआईएमआईएम के पदाधिकारियों समेत 19 लोगों को पकड़ा है। पुलिस बाकी दंगाइयों को पकड़ने के लिए दबिश दे रही है।

मुजफ्फरनगर पुलिस ने बुढ़ाना विधानसभा एआईएमआईएम अध्यक्ष आजम, हसनैन और राहिल को पकड़ा है। दो अन्य पदाधिकारी रमीज और तारिक फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। मुजफ्फरनगर के एसएसपी अभिषेक सिंह ने बताया कि एआईएमआईएम के पांचों पदाधिकारियों ने मुस्लिम भीड़ को इकट्ठा किया था। इसके लिए उन्होंने व्हाट्सएप पर मैसेज किए थे और ऑडियो भी भेजे थे और खुद बुलाने तक गए थे। इसके अलावा इन लोगों ने कथित ईशनिंदा के कथित आरोपित अखिल के घर पर पथराव के लिए भी उकसाया था। इनके अलावा 16 लोग और गिरफ्तार किए गए हैं। बाकी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश डाल रही है। पुलिस ने इस मामले में 700 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। मामले में सबूत भी जुटाए जा रहे हैं। जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनके खिलाफ बलवा और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस इस घटना के दौरान मुस्लिम भीड़ द्वारा किए गए हंगामे के वीडियो और सीसीटीवी फुटेज भी जुटा रही है।

पुलिस ने लोगों से इस विषय सूचना देने को कहा है।

20 अक्टूबर को मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना में शाम को इस्लामी कट्टर पंथियों की एक भीड़ इकट्ठा हुई थी। इस भीड़ में शामिल लोगों को कहना था कि अखिल त्यागी नाम के एक स्थानीय युवक ने उनके मजहब के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी की है। इस भीड़ को इस बात पर उकसाया गया था कि अखिल त्यागी को पुलिस ने पकड़ने के 20 मिनट के बाद ही छोड़ दिया था। भीड़ ने बुढ़ाना में कई घंटे तक बवाल काटा था और रोड जाम कर दिया था। भीड़ ने अखिल त्यागी के खिलाफ सिर तन से जुदा वाले नारे भी लगाए थे।

इसके बाद अखिल त्यागी की दुकान और घर पर भी इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने पथराव किया था।

इस्लामी कट्टरपंथियों के इस बवाल के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। इस्लामी कट्टरपथियों की भीड़ हिंसक होने के बाद पुलिस ने यहां लाठीचार्ज करके मामला शांत किया था। इसके बाद दंगाइयों पर कार्रवाई चालू की गई थी।

महाराष्ट्र चुनाव में सीएम योगी की छवि भुनाने की कोशिश

महाराष्ट्र में दिख रहा बंटेंगे तो कटेंगे वाला पोस्टर

मुंबई/लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मुंबई में बंटोगे तो कटोगे वाले पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ है। जिसको लेकर कांग्रेस और विपक्षी दल समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देने के लिए यह पोस्टर लगाए है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को 288 विधानसभा सीटों पर मतदान होना है। जिसके लिए राज्य की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट है। दूसरी ओर उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की मुंबई में एक अजीबोगरीब पोस्टर चर्चा का विषय बना हुआ है। मुंबई में उनकी तस्वीरों के साथ पोस्टर लगे है, जिसमे लिखा है कि बंटोगे तो कटोगे।

सीएम योगी का ये पोस्टर महाराष्ट्र की सियासत में चर्चा के केंद्र में आ गए है। बता दें कि मुंबई के अंधेरी इलाके में योगी आदित्यनाथ की तस्वीरों वाला यह पोस्टर लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए विश्वबंधु राय ने लगाया है। भाजपा नेता विश्वबंधु राय ने पोस्टर को लेकर तर्क दिया कि कांग्रेस और विपक्षी दल समाज को बांटने की राजनीति कर रहे हैं। इसलिए उन्होंने समाज को एकजुट रहने का संदेश देने के लिए यह पोस्टर लगाए है। उन्होंने कहा कि उत्तर भारत के लोग योगी और उनके नारे बटोगे तो काटोगे के नारे पर विश्वास करते हैं। इसलिए हमने महाराष्ट्र में भी विपक्ष की चालों का जवाब देना शुरू कर दिया है, जिससे हरियाणा की तरह समाज एकजुट हो सके।

मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की महाराष्ट्र में चुनावी जनसभाओं की भारी मांग है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि अभी पार्टी के स्टार प्रचारकों की सूची तैयार की जा रही है, लेकिन, राज्य में चुनाव प्रचार के लिए उनकी अधिक मांग है। प्रदेश की जनता की अपेक्षा के तहत महाराष्ट्र में योगी आदित्यनाथ की अधिक से अधिक चुनावी जनसभा आयोजित करने का प्रयास किया जाएगा।

राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत बाजपेयी को मिली अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली/लखनऊ, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने उत्तर प्रदेश के भाजपा नेता डॉ. लक्ष्मीकांत बाजपेयी को सदन के पटल पर रखे जाने वाले पत्रों से संबंधित समिति का अध्यक्ष बनाया है।

इनके अलावा, आपा नेता नारायण दास गुप्ता को याचिका समिति का अध्यक्षता और अन्नाद्रमुक के एम थंबीदुरई को सरकारी आश्वासन संबंधी समिति के लिए नामित किया है। उन्होंने शिवसेना नेता मिलिंद देवड़ा को अधीनस्थ विधान संबंधी समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

धनखड़ ने गोला बाबूराव, सुष्मिता देव, केसरी देव सिंह झाला, जोस के मणि, मनन कुमार मिश्रा, रंजीत रंजन, सीवी षणमुगम, दिनेश शर्मा, कार्तिकेय शर्मा, नीरज शेखर, तिरुचि शिवा, सदानंद महालू शेट तानवड़े, जीके वासन और संगीता यादव को अधीनस्थ विधान संबंधी पुनर्गठित समिति में सदस्यों के रूप में नामित किया गया। राज्यसभा की

अधिसूचना के अनुसार, याचिका समिति में रमीलाबेन बेचरभाई बारा, राजेंद्र गहलोत, जेबी माथेर, राम चंदर जांगड़ा, इरन्ना कडाडी, सुभाशीष खुंटिया, रंगवरा नारज-ारी, संतोष कुमार पी, और नबाम रेबिया शामिल हैं।

धनखड़ ने बीरेंद्र प्रसाद वैश्य, नीरज डांगी, बाबूभाई जेसंगभाई देसाई, आर गिरिराजन, मोहम्मद नदीमुल हक, मेधा विश्राम कुलकर्णी, आदित्य प्रसाद, दर्शना सिंह और लहर सिंह सिरोया को सरकारी आश्वासन समिति के सदस्यों के रूप में नामित किया। सभा पटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति में राघव चड्ढा, वानवेरॉय खरलुखी, नारायण कोरगप्पा, धनंजय भीमराव महादिक, महुआ माजी, अनिल कुमार यादव मंडादी, रामभाई हरजी भाई मोकारिया, अंबुमणि रामदास और के वनलालवेना सदस्य के रूप में शामिल हैं।

राज्यसभा के सभापति ने खीरू महतो, मानस रंजन मंगराज और सुभाष चंद्र बोस पिल्ली को भी आवास समिति के सदस्यों के रूप में नामित किया है। राज्यसभा सचिवालय की अधिसूचना के अनुसार, राज्यसभा सदस्य सीमा द्विवेदी 22 अक्टूबर, 2024 से आवास समिति की सदस्य नहीं हैं।

देशभर से स्पेशल फोर्स में चुने गए 70 अग्निवीर

वाराणसी, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैरा स्पेशल फोर्स के लिए देश के 70 अग्निवीरों का चयन हुआ है। इनमें सबसे ज्यादा काशी के अग्निवीर हैं। सेना भर्ती कार्यालय के अनुसार, परीक्षा और रैली के बाद पूर्वांचल के 12 जिलों के लगभग 600 अग्निवीर चयनित किए गए थे।

बेंगलुरु में कठिन प्रशिक्षण के बाद वाराणसी के 56 अग्निवीर में से 11 ही मानक पूरा कर पाए। सेना भर्ती कार्यालय के अफसरों ने

बताया कि इसके बावजूद पैरा स्पेशल फोर्स के लिए पूरे देश से चुने गए 70 में से सर्वाधिक 11 अग्निवीर वाराणसी के हैं। उधर, छावनी क्षेत्र के सेना भर्ती कार्यालय से 110 अग्निवीर ट्रेनिंग सेंटरों के लिए रवाना हुए। अगस्त में रैली के बाद 600 युवाओं का चयन किया गया था। पहले दिन 110 युवाओं को सिकंदराबाद और गोवा ट्रेनिंग सेंटर के लिए रवाना किया गया। बुधवार को नासिक और ऊंटी के लिए चयनित युवा रवाना होंगे। इसके बाद कर्नाटक के बेलगांव जाएंगे। सेना भर्ती कार्यालय के निदेशक कर्नल शैलेश कुमार ने बताया कि परीक्षा और रैली के बाद बनारस सहित पूर्वांचल के 12 जिलों के 600 अग्निवीर के अलग-अलग पदों के लिए चयनित किया गया था।

बेंगलुरु बुल्स को हराने के बाद यूपी योद्धा के सहायक कोच उपेंद्र मलिक बोले–लंबे रेडर्स की वजह से हमें मदद मिली

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी योद्धा ने हैदराबाद के गाचीबोवली स्थित जीएमसीबी इंडोर स्टेडियम में बेंगलुरु बुल्स को 57-36 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया। हाई स्कोरिंग मुकाबले में सुरेंदर गिल ने 17 अंक बनाए जबकि भरत ने 14 अंक बनाकर अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाई।

जबकि दोनों टीमों ने शुरुआत में अंक हासिल किए, योद्धा ने जल्दी ही लय हासिल कर ली और भरत और गिल की बदौलत पहले चरण में 9 अंकों की बढ़त बना ली। भरत ने शुरुआत में 7 अंक बनाए और बेंगलुरु बुल्स को ऑल आउट करके योद्धा की स्थिति को और मजबूत किया। सुरेंदर गिल, भरत और सुमित की तिकड़ी ने पूरे मैच में अपना दबदबा बनाए रखा और एक शानदार जीत हासिल की।

मैच के बाद कप्तान सुरेंदर गिल ने कहा, भरत ने फॉर्म में वापसी की है और हालांकि अंतर एक अलग मामला है, लेकिन उनकी मौजूदगी हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण थी। हमारा डिफेंस भी अपना काम बखूबी कर रहा है।

पूर्व साथी प्रदीप नरवाल के खिलाफ अपनी रणनीति के बारे में बात करते हुए, सहायक कोच उपेंद्र मलिक ने बताया, जब प्रदीप जैसे रेडर का सामना करना पड़ता है, तो हमें अपने रेडर को भी आक्रामक तरीके से खेलना होता है। प्रदीप अकेले आखिरी 5 मिनट में 10-15 अंक बना सकते हैं। वह एक अच्छे लीडर हैं और हमारी योजना मल्टीपल-पॉइंट रेड को रोकने की थी। हम उनके सिंगल पॉइंट लेने में सहज थे क्योंकि हमारे रेडर इसकी भरपाई कर सकते थे।

हाल ही में मिली जीत के बाद यूपी योद्धा का कैंप आत्मविश्वास से भरा हुआ है, जिसमें नेतृत्व और कोचिंग स्टाफ दोनों ही टीम के एकजुट प्रदर्शन को उजागर कर रहे हैं। टीम ने लगातार दो मैच सफलतापूर्वक जीते, जिसमें भरत की वापसी ने उनके लाइनअप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मलिक ने कहा, लंबे रेडर होने से निश्चित रूप से हमें फायदा होता है, खासकर करो या मरो वाली रेड और बोनस पॉइंट की स्थिति में। सुरेंदर और भवानी की लंबाई अच्छी है, इसलिए यह हमारे पक्ष में है।

बंगाल वॉरियर्स के साथ होने वाले मुकाबले को देखते हुए दोनों ही लीडर्स ने आगे की चुनौती को स्वीकार किया।

मलिक ने आगे की चुनौती पर कहा, बंगाल वॉरियर्स के पास बेहतरीन खिलाड़ी हैं। अगर हमारा डिफेंस अपनी फॉर्म को बरकरार रखता है और हमारी रेड इसी तरह जारी रहती है, तो हमें कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

आईपीएल : गुजरात के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने को तैयार पार्थिव पटेल

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज पार्थिव पटेल गुजरात टाइटन्स के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने के लिए तैयार हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, पार्थिव कई भूमिकाएँ निभाएँगे, जिसमें आशीष नेहरा की अगुआई वाली सपोर्ट स्टाफ में सहायक कोच की भूमिका के साथ-साथ टैलेंट स्काउट्स में से एक की भूमिका भी शामिल है। 2020 में रिटायर हुए पार्थिव के लिए आईपीएल में यह पहली कोचिंग भूमिका है। इससे पहले वे 2023 तक तीन सत्रों के लिए मुंबई इंडियंस के लिए टैलेंट स्काउट थे, और 2023 में एमआई एमिरेट्स के लिए बल्लेबाजी कोच भी थे, जो कि आईएलटी20 का उद्घाटन सत्र था। संयोग से, पार्थिव रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु में दिनेश कार्तिक के बाद 2025 सीज़न से पहले आईपीएल टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल होने वाले दूसरे पूर्व भारतीय विकेटकीपर हैं। 39 वर्षीय पार्थिव ने 2008 से 2019 के बीच छह आईपीएल फ्रेंचाइजी के लिए खेला। उन्होंने 2010 में चेन्नई सुपर किंग्स के साथ और दो बार 2015 और 2017 में मुंबई के साथ खिताब भी जीता। 139 मैचों में, पार्थिव ने मुख्य रूप से सलामी बल्लेबाज के रूप में 120 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2848 रन बनाए। टाइटंस में, जो 2022 में खिताब जीतने के बाद 2024 में सातवें स्थान पर रहा और 2023 में उपविजेता रहा, पार्थिव थिंक टैंक में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे जिसमें नेहरा (मुख्य कोच), विक्रम सोलंकी (क्रिकेट निदेशक) और आशीष कपूर (सहायक कोच) शामिल हैं।

इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन ने न्यूकैसल यूनाइटेड के साथ किया दीर्घकालिक अनुबंध पर हस्ताक्षर

लंदन। इंग्लैंड के विंगर एंथनी गॉर्डन ने न्यूकैसल यूनाइटेड के साथ एक नया दीर्घकालिक अनुबंध किया है। क्लब ने उक्त पुष्टि की।

जनवरी 2023 में एवर्टन से न्यूकैसल में शामिल होने के बाद से गॉर्डन ने 74 मैचों में 15 गोल किए हैं और 11 असिस्ट दिए हैं, जिससे उन्हें इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम में जगह मिल गई है। बताया जाता है कि न्यूकैसल ने गर्मियों में संभावित स्थानांतरण के लिए लिवरपूल के साथ बातचीत की थी, लेकिन यह कदम कभी नहीं उठाया जा सका था। न्यूकैसल वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि क्लब एक बेहतरीन जगह पर है। सऊदी अरब द्वारा अधिग्रहण के बाद से, यह लगातार ऊपर की ओर बढ़ रहा है। मैं और गैफर (होवे) खेलने की शैली के मामले में एकदम सही जोड़ी हैं। मुझे यहाँ रहना बहुत पसंद है। उन्होंने कहा, यह टीम मेरे लिए बहुत उपयुक्त है - और मैं यहां ट्रॉफी जीतने आया हूं। संक्षेप में कहें तो हमें ट्रॉफी जीतनी है। होवे ने गॉर्डन के विस्तारित प्रवास की खबर का भी स्वागत किया। कोच ने कहा, वह स्वयं और टीम में सुधार के लिए समर्पित है, और जब आप उसके प्रदर्शन की गुणवत्ता और उसकी अविश्वसनीय रूप से उच्च कार्य-दर को जोड़ते हैं, तो यह स्पष्ट हो जाता है कि हमारे समर्थकों के साथ उसका इतना विशेष संबंध क्यों है।

मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन नवंबर में

मकाऊ। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स के 71वें संस्करण का आयोजन 14 से 17 नवंबर तक किया जाएगा। मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स आयोजन समिति (एमजीपीओसी) ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उक्त घोषणा की। इस साल के ग्रैंड प्रिक्स में सात इवेंट, मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स - एफआईए एफआर वर्ल्ड कप, मकाऊ जीटी कप - एफआईए जीटी वर्ल्ड कप, मकाऊ गुआ रेस - कुम्हो एफआईए टीसीआर वर्ल्ड टूर इवेंट ऑफ मकाऊ, मकाऊ मोटरसाइकिल ग्रैंड प्रिक्स - 56वां संस्करण, ग्रेटर बे एरिया जीटी कप (जीटी4), मकाऊ रोडस्पोर्ट चैलेंज और मकाऊ रोडस्पोर्ट - मकाऊ एसएआर एस्टेब्लिशमेंट कप, शामिल हैं। एमजीपीओसी ने कहा कि मकाऊ के प्रमुख वार्षिक अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन के रूप में, इस साल ग्रैंड प्रिक्स निवासियों और आगंतुकों को कार्यक्रम के आसपास कई गतिविधियों के साथ जीवंत माहौल में डूबने का मौका देगा। रेसिंग संस्कृति को और अधिक बढ़ावा देने के लिए, 71वीं मकाऊ ग्रैंड प्रिक्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी, जिसका उद्देश्य मकाऊ निवासियों को विभिन्न तरीकों से ग्रैंड प्रिक्स गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना है।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक

सुल्तान जोहोर कप में भारत की शानदार जीत, मलेशिया को 4-2 से हराया

जोहोर बाहरू,23 अक्टूबर (एजेंसियां)। तीन बार के चैंपियन भारत ने सुल्तान जोहोर कप जूनियर पुरुष हॉकी टूर्नामेंट में मेजबान मलेशिया को 4-2 से हराकर अपनी अजेय लय बनाए रखी है। इस जीत के बाद भारत ने 9 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि न्यूजीलैंड 5 अंकों के साथ दूसरे और ऑस्ट्रेलिया 4 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। मैच की शुरुआत में मलेशिया ने आक्रामक खेल दिखाते हुए भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। मेजबान टीम ने 8वें मिनट में कप्तान मुहम्मद अदी जाजमी जमलुस के सहारे मोहम्मद दानिश अइमान के गोल से बढ़त बनाई। इसके एक मिनट बाद, हैरिस उस्मान ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके मलेशिया की बढ़त को दोगुना कर दिया।

हालांकि, भारत की अग्रिम पंक्ति ने आक्रामक खेल जारी रखा और दबाव को सहन किया। ड्रैग फ्लिकर शारदा नंद तिवारी ने 11वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की वापसी कराई। इसके बाद, मनमीत सिंह की मदद से अर्शदीप सिंह ने 13वें मिनट में एक और गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। पहले क्वार्टर में चार गोल हुए, लेकिन दूसरा क्वार्टर गोलरहित रहा।

मध्यांतर के बाद, तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों ने बढ़त लेने के लिए पूरा प्रयास किया। लेकिन भारत को सफलता मिली जब तालेम प्रियाव्रत ने 39वें मिनट में गोल किया, जिससे भारत 3-2 की बढ़त बना सका। इसके बाद रोहित ने 40वें मिनट में एक शानदार पेनल्टी कॉर्नर स्ट्राइक के साथ बढ़त को दोगुना कर दिया।

चौथे क्वार्टर की शुरुआत में मलेशिया ने पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन इसे गोल में बदलने में असफल रहा। दोनों टीमों ने फिर से गोल करने के कई मौके गंवाए और अंत में भारत ने 4-2 की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और अब उन्हें अगली चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा।

दिल्ली में 10 साल बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी, भारत का मुकाबला जर्मनी से

नई दिल्ली। दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में 10 वर्ष बाद अंतरराष्ट्रीय हॉकी की वापसी होने जा रही है। भारतीय हॉकी टीम बुधवार को जब दो मैचों की सीरीज के पहले मैच में जर्मनी के खिलाफ उतरेगी तो उसकी

निगाहें पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में इस देश से 2-3 से मिली हार का बदला लेने पर होंगी। हालांकि यह आसान नहीं होगा। जर्मनी को पेरिस ओलंपिक के फाइनल में नीदरलैंड के हाथों पेनल्टी शूटआउट में हार मिली थी। साथ ही उसकी विश्व रैंकिंग दो है, जबकि भारत पांचवें स्थान पर है। ए भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मैच से पहले कहा, यह सीरीज दिल्ली में हॉकी के प्रति भावना को पुनर्जीवित करेगी। मुझे उम्मीद है कि इस सीरीज के जरिये दिल्ली में युवा हॉकी को अपनाने के प्रति प्रेरित होंगे। ध्यानचंद स्टेडियम में अंतिम बार अंतरराष्ट्रीय मैच 2014 में हीरो वर्ल्ड लीग फाइनल का खेला गया था। अब ये दो टेस्ट मैच बुधवार और गुरुवार को खेले जाएंगे। इन टेस्ट मैचों के लिए हॉकी प्रेमियों ने भी रुचि दिखाई है। मुफ्त टिकट के लिए 12 हजार दर्शकों ने आवेदन किया है। स्टेडियम की क्षमता 16 हजार दर्शकों की है। कागजों में जर्मनी जरूर ताकतवर दिखाई दे रहा है, लेकिन इस देश के साथ पिछले पांच मुकाबलों में भारत ने तीन जीते हैं, जबकि दो में उसे हार मिली है। टीम में ड्रैग फ्लिकर वरुण कुमार को शामिल किया गया है। टीम की कमान हरमनप्रीत सिंह संभालेंगे, जबकि उपकप्तानी विवेक सागर करेंगे। हार्दिक चोट के कारण टीम से बाहर हैं। टीम में राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन पदार्पण करने जा रहे हैं। मंदीप सिंह की टीम में वापसी हुई है। भारत ने इस साल पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था और टोक्यो में अपने प्रदर्शन को बरकरार रखा था।

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग

पंत ने कोहली को पछाड़ा बुमराह शीर्ष पर बरकरार

न्यूजीलैंड टेस्ट की दूसरी पारी में 99 रनों की पारी खेलने वाले पंत को रैंकिंग में 3 पायदान का फायदा

नई दिल्ली,23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बुधवार को अपने साथी खिलाड़ी विराट कोहली को पछाड़कर आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में छठे स्थान पर पहुंच गए हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 99 रनों की शानदार पारी खेलने वाले पंत को रैंकिंग में तीन पायदान का फायदा हुआ है, जबकि बेंगलुरु में 70 रनों की पारी खेलने वाले कोहली एक पायदान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गए हैं।

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल चौथे स्थान पर भारत के सर्वोच्च रैंकिंग वाले बल्लेबाज बने हुए हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा दो पायदान नीचे खिसककर श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने के साथ संयुक्त 15वें स्थान पर आ गए हैं। इंग्लैंड के स्टार बल्लेबाज जो रूट शीर्ष पर अच्छी बढ़त बनाए हुए हैं।

न्यूजीलैंड की जोड़ी रचिन रवींद्र (36 पायदान ऊपर 18वें स्थान पर) और डेवोन कॉनवे (12 पायदान ऊपर 36वें स्थान पर) को टेस्ट बल्लेबाजों की ताजा सूची में बढ़त हासिल हुई है,जबकि टीम के साथी मैट हेनरी (नए करियर-उच्च रेटिंग के साथ दो पायदान ऊपर नौवें स्थान पर) ने गेंदबाजों की श्रेणी में बड़ा सुधार किया है।

हेनरी ने बेंगलुरु में भारत पर आठ विकेट की जीत के दौरान आठ विकेट चटकाए, जबकि टीम के साथी विल ओरुरके (दो पायदान ऊपर 39वें स्थान पर) को भी उसी मैच में सात विकेट लेने के लिए पुरस्कृत किया गया।

पाकिस्तान के स्पिनर नोमान अली को इंग्लैंड के खिलाफ दो पारियों में 11 विकेट लेने के बाद 17वें स्थान पर वापस आ गए हैं, जबकि टीम के साथी साजिद खान को उसी मैच में प्लेयर ऑफ द मैच चुने जाने के बाद 22 पायदान का फायदा हुआ और वे 50वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गेंदबाजों की रैंकिंग में भारत के जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि उनके साथी आर अश्विन दूसरे स्थान पर हैं। सातवें स्थान पर बरकरार रवींद्र जडेजा शीर्ष 10 में शामिल एक अन्य भारतीय हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक टेस्ट के लिए पाक की टीम में कोई परिवर्तन नहीं

रावलपिंडी। पाकिस्तान रावलपिंडी में इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले तीसरे और निर्णायक मैच में उसी टीम को उतारेगा, जिसने दूसरे टेस्ट में इंग्लिश टीम को 152 रनों से शिकस्त दी थी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टीम की घोषणा एक दिन पहले बुधवार को की।

शान मसूद के कप्तानी में यह पहली बार है कि पाकिस्तान ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह निर्णय कोई आश्चर्य की बात नहीं है, हालांकि एक मौका था कि पाकिस्तान अपने संयोजन में बदलाव करके जाहिद महमूद की जगह एक तेज गेंदबाज को शामिल कर सकता है, जिन्होंने मुल्तान में सिर्फ छह अप्रभावी ओवर फेंके थे। लेकिन उनके पसंदीदा विकल्प मीर हमजा के चोटिल होने से ऐसा होने की कोई संभावना नहीं रही।

ऐतिहासिक रूप से, पिंडी ने कभी भी बहुत अधिक स्पिन नहीं ली है, यहां तक कि टेस्ट मैचों के अंत में भी; इस सतह पर सिर्फ दो टेस्ट मैच पहले, पाकिस्तान ने अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ सभी तेज गेंदबाजों के साथ गेंदबाजी की थी। बता दें कि तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर है। पाकिस्तान जुलाई में श्रीलंका में 2-0 की जीत के बाद अपनी पहली सीरीज जीत की तलाश में है। इसके अलावा पाकिस्तान को फरवरी 2021 में दक्षिण अफ्रीका को इसी स्कोरलाइन से हराने के बाद से घरेलू मैदान पर पहली जीत की तलाश है।

तीसरे और निर्णायक टेस्ट के लिए पाकिस्तान की टीम इस प्रकार है- सैम अयूब, अब्दुल्ला शफीक, शान मसूद (कप्तान), कामरान गुलाम, सऊद शकील, मोहम्मद रिजवान (विकेट कीपर), सलमान आगा, आमिर जमाल, साजिद खान, नोमान अली, जाहिद महमूद।

एनआरएआई की घोषणा : जल्द ही शुरु होगी भारत की पहली शूटिंग लीग

नई दिल्ली,23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत को अपनी पहली शूटिंग फ्रैंचाइज़ी लीग जल्द ही शुरु होने जा रही है, जिसे फिलहाल शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) नाम दिया गया है। इसकी घोषणा भारत में ओलंपिक खेल की शासी संस्था, भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने की है।

एनआरएआई के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव द्वारा प्रस्तावित इस योजना को संघ की सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था, गवर्निंग बॉडी से मंजूरी मिल गई है।

पहले संस्करण का आयोजन मार्च 2025 में, अंतरराष्ट्रीय शूटिंग खेल महासंघ (आईएसएसएफ) से स्वीकृति प्राप्त करने के बाद किया जाएगा और इसके लिए एक समय सीमा निर्धारित की जा रही है।

लीग को लेकर सिंह देव ने कहा, हाल ही में हुए पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन के बाद शूटिंग की लोकप्रियता को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है, और हमें लगा कि यह लीग शुरू करने का सही समय है। हमने

देखा है कि अच्छी तरह से संगठित फ्रैंचाइज़ी लीगों ने न केवल खेल की लोकप्रियता को बढ़ावा दिया है, बल्कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने खेल और उसके एथलीटों के लिए नई दर्शक संख्या और राजस्व भी लाया है। उन्होंने आगे कहा, शूटिंग अपने शुद्ध ओलंपिक रूप और प्रारूप में टेलीविजन के लिए उपयुक्त नहीं मानी जाती है, हालांकि हमने इस पर गहन विचार किया है और महसूस किया कि हमने एक सफल प्रारूप हासिल कर लिया है। यह सब खेल और उसके सुपर एथलीटों के हित में है, जिन्होंने पिछले कुछ दशकों में वैश्विक मंचों पर देश को लगातार गौरव दिलाया है। वे इसके हकदार हैं।

एनआरएआई के महासचिव, के. सुल्तान सिंह ने एसएलआई की मूल रूपरेखा पर प्रकाश डालते हुए कहा, हम सभी 15 ओलंपिक इवेंट्स को एसएलआई का हिस्सा बनाना चाहते हैं, लेकिन हम कुछ प्रारूपों में नवाचार और बदलाव करेंगे ताकि उन्हें टेलीविजन या लाइव स्ट्रीम पर अधिक रोमांचक बनाया जा सके। हम खेल में नये दर्शकों और प्रायोजकों को आकर्षित करने के लिए अद्वितीय स्वामित्व और टीम संरचना भी चाहते हैं। जल्द ही और विवरण साझा किए जाएंगे।

हाल ही में संपन्न पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में भारत ने शूटिंग से तीन कांस्य पदक जीते, जो देश की कुल पदक संख्या का आधा हिस्सा थे। यह पहली बार था जब भारत ने किसी भी खेल में तीन पदक जीते, और इसने शूटिंग को देश का सबसे सफल व्यक्तिगत ओलंपिक खेल बना दिया, जिसमें पिछले दो दशकों में एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल हैं।

गौतम गंभीर ने आलोचनाओं से घिरे केएल राहुल का किया समर्थन, कहा–

सोशल मीडिया और विशेषज्ञ क्या कह रहे हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता

पुणे,23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट से पहले आलोचनाओं से घिरे केएल राहुल का समर्थन किया है। बेंगलुरु में सीरीज के पहले मैच में दोनों पारियों में 0 और 12 रन बनाने के बाद राहुल के राष्ट्रीय टीम में भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं।

सोशल मीडिया पर जहां उनके खराब फॉर्म को लेकर चर्चा हो रही है, वहीं कुछ विशेषज्ञों ने इस अनुभवी बल्लेबाज पर मौके का पूरा फायदा उठाने में विफल रहने के लिए कटाक्ष भी किया है।

हालांकि, गंभीर इससे बेपरवाह बने रहे। गंभीर ने बुधवार को यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, सबसे पहले, सोशल मीडिया का कोई मतलब नहीं है। आप सोशल मीडिया पर या सोशल मीडिया के कारण या फिर विशेषज्ञों की राय के आधार पर खिलाड़ियों का चयन नहीं करते। टीम प्रबंधन और नेतृत्व समूह क्या सोचते हैं, यह बहुत महत्वपूर्ण है।

राहुल ने कानपुर में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 68 रन की पारी खेली, लेकिन पिछले सप्ताह अपने घरेलू मैदान - एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम - पर उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए।

गंभीर ने कहा, आखिरकार, हर किसी का मूल्यांकन किया जाता है। ईमानदारी से कहूं तो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मूल्यांकन किया जाता है, क्योंकि आखिरकार हर किसी के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाएगा। मुझे लगता है कि वह वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी कर रहा है। जाहिर है, उसने कानपुर में मुश्किल विकेट पर अच्छी पारी खेली और योजना के अनुसार खेला।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज से पहले, राहुल ने इंडिया ए के लिए दलीप ट्रॉफी में एकमात्र मैच खेला, जहां उन्होंने 111 गेंदों में 37 रन बनाए और महत्वपूर्ण क्षणों का फायदा उठाने में विफल रहने और आक्रामक शॉट खेलने में अनिच्छा दिखाने के लिए उनकी आलोचना की। हालांकि, दूसरी पारी में, उन्होंने 121 गेंदों में 57 रन की पारी खेली और बल्लेबाजी के पतन के बीच पारी को संभाला, भले ही उनकी टीम इंडिया बी से हार गई।

दिसंबर 2014 में अपने डेब्यू के बाद से राहुल ने सिर्फ़ 53 टेस्ट मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 33.87 की औसत से 2981 रन बनाए हैं। अपने करियर में उन्होंने चार अलग-अलग पोजिशन पर बल्लेबाज़ी की है, लेकिन वे किसी तरह अपना दबदबा बनाए रखने में विफल रहे हैं। 75 पारियों में बतौर ओपनर राहुल ने 34.94 की औसत से 2551 रन बनाए हैं, जिसमें सात शतक और 12 अर्द्धशतक शामिल हैं।

गंभीर ने कहा, मुझे यकीन है कि वह यह भी जानते होंगे कि वह बड़े रन बनाना चाहते हैं और उनमें रन बनाने की क्षमता है, और इसीलिए टीम प्रबंधन ने उनका समर्थन किया है।

पिछले साल दिसंबर में, राहुल ने सेंचुरियन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 101 रन बनाए - वे इस मैदान पर दो शतक (पहला दिसंबर, 2021 में) बनाने वाले एकमात्र मेहमान बल्लेबाज बन गए, जिससे अतीत में विदेशी बल्लेबाजों को कोई मदद नहीं मिली है।

तब से, इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज़ के दौरान चोट के कारण वे बाहर हो गए थे, लेकिन अब जब वे वापस मैदान पर हैं, तो राहुल के लिए अपनी लय हासिल करना महत्वपूर्ण है। टीम प्रबंधन भी उनसे अधिक निरंतरता की उम्मीद करेगा।

संपादकीय

कश्मीर में लक्षित आतंकवाद

जम्मू कश्मीर में गांदरबल मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का चुनाव-क्षेत्र है, जिसके गगनगीर इलाके में आतंकियों ने हमला कर एक डॉक्टर और 6 अन्य कर्मियों, मजदूरों की हत्या कर दी। यह भारत सरकार, संघशासित क्षेत्र की सरकार के लिए पहली, गंभीर चुनौती है। आतंकवाद अपनी समग्रता में ही 'राष्ट्रीय चुनौती' रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं। सरकार ने टीआरएफ को 'आतंकी संगठन' करार दिया है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर में वह लश्कर का मुखौटा संगठन है। हमले का मास्टरमाइंड सरगना शेख सज्जाद गुल बताया गया है और वह पाकिस्तान में मौजूद है, लिहाजा साफ है कि लश्कर आज भी कश्मीर में आतंकवाद मचा रहा है। 'स्थानीय जयचंदों' को कुचला क्यों नहीं जा सकता, यह एक सहज सवाल है। बेशक आतंकवाद से जुड़े आंकड़े बहुत कम हुए हैं, लेकिन तीन सालों के दौरान 22 लक्षित हत्याएं फिर भी की गई हैं। इनमें 16 बाहरी, गैर-कश्मीरी, एक कश्मीरी पंडित और 3 अन्य स्थानीय लोगों को मारा गया है। इतने परिवार बर्बाद हुए। जिंदगियां बिखर कर रह गईं। 2024 में अभी तक 12 लोग लक्षित आतंकवाद के शिकार हो चुके हैं। यह आतंकवाद की ऐसी रणनीति है कि हमले के निशाने तय कर लिए जाते हैं, बाकायदा रेकी की जाती है और फिर एक दिन उन निशानों (या लक्ष्यों) पर हमला बोल दिया जाता है। सभी मृतक एक सुरंग के निर्माण-कार्य में लगे थे। एकमात्र डॉ. शाहनवाज डार को मजदूरों, कर्मियों की सेहत की देखभाल को कुछ ही दिन पहले नियुक्त किया गया था। लक्षित आतंकवाद ने किसी को भी नहीं छोड़ा। जिनकी हत्या कर दी गई, उनमें जम्मू-कश्मीर के अलावा पंजाब और बिहार आदि राज्यों के नागरिक भी थे। ऐसा भी लगता है कि बुनियादी ढांचे के निर्माण और विस्तार भी आतंकियों की आंखों में चुभते हैं, लिहाजा वे भी निशाने पर हैं। गांदरबल हमले को भी जोड़ लें, तब भी इस साल कश्मीर की 48 घटनाओं में कुल 102 लोग मारे जा चुके हैं। इनमें 52 आतंकी भी शामिल हैं। लक्षित आतंकवाद कोई नई प्रवृत्ति नहीं है। बहरहाल इस आतंकी हमले ने नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष एवं कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री डा. फारूक अब्दुल्ला के अंतर्मन को इस कदर झकझोरा है कि वह पाकिस्तान पर ही उबल पड़े और बार-बार कहा कि कश्मीर कभी भी पाकिस्तान नहीं बनेगा, नहीं बनेगा। यदि पाकिस्तान हमसे दोस्ताना रिश्ते चाहता है, तो यह दरिंदगी बंद करनी पड़ेगी। फारूक को अभी तक 'पाकपरस्त मानसिकता' का राजनेता माना जाता रहा है। अब वह बदले नजर आ रहे हैं, तो शायद इसलिए कि संघशासित क्षेत्र में सरकार उनकी पार्टी की है और उनका बेटा मुख्यमंत्री है। बहरहाल इससे न तो पाकिस्तान बदलेगा और न ही लक्षित आतंकवाद नेस्तनाबूद होगा। अलबत्ता आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई पुख्ता और निरंतर हो सकती है। यह अच्छा है कि सरकार आतंकवाद से प्रभावित परिवारों के प्रति बेहद संवेदनशील है, लेकिन सभी मुआवजे, नौकरी, पैसा अपर्याप्त हैं, क्योंकि परिवार किसी के चले जाने के बाद बर्बाद हो जाता है।

आतंकवाद अपनी समग्रता में ही 'राष्ट्रीय चुनौती' रहा है। हालांकि आज वह आतंकवाद नहीं है, जब एक दौर में 1508 नागरिकों और 883 जांबाज जवानों को मार दिया गया था। तब एक दौर में 2800 से अधिक आतंकी हमले हुए थे। आतंकवादी भी व्यापक स्तर पर ढेर किए गए। यकीनन हमारे सुरक्षाकर्मियों और रणनीतियों ने आतंकवाद के घुटने तोड़े हैं, लेकिन गगनगीर के हमले ने हमें चिंतित कर सोचने को बाध्य कर दिया है। दरअसल कश्मीर का 'नूर' और 'जन्नत' उसी दिन लौटेंगे, जब लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे पाकपरस्त आतंकी संगठनों के स्थानीय गिरोह और मॉड्यूल बनना और आतंकी साजिशों में शामिल होना बंद कर देंगे। आतंक के स्थानीय मददगार आज भी जिंदा हैं और कश्मीरियत के बीच ही बसे हैं। पैसे ने 'नए जयचंद' भी पैदा कर दिए हैं। चूंकि 'द रजिस्टेंस फ्रंट' (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है, लिहाजा साफ है कि स्थानीय मददगार आतंकियों के साथ हैं।

घुमंतू विमुक्त जनजातियों की दुर्दशा जस की तस

अंग्रेजों के छक्के छुड़ाने वाले आज तक क्यों हैं परित्यक्त?

हरीश चंद्र श्रीवास्तव

भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त किए हुए 77 वर्ष पूरे कर लिए हैं, लेकिन इस स्वतंत्रता के बावजूद घुमंतू विमुक्त जनजातियों की दुर्दशा जस की तस बनी हुई है। यह अत्यंत खेदजनक है कि जिस देश की सनातन संस्कृति पूरे विश्व को सर्व भूत हिते रतः का संदेश देती है, उसी देश में इन जनजातियों का आज भी अपमानजनक और नारकीय जीवन जीना हमारी सामूहिक विफलता है।

ब्रिटिश शासन के दौरान 1871 में लागू किया गया क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट इन जनजातियों की दयनीय स्थिति के पीछे का मुख्य कारण है। इस कानून के तहत 193 जनजातियों को जन्मजात अपराधी घोषित कर दिया गया। यह कानून 1857 के विद्रोह के बाद लाया गया, जिसमें इन जनजातियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ विद्रोह किया था। अंग्रेजों ने इस विद्रोह को दबाने और इन जनजातियों को नियंत्रित करने के लिए एक कड़ा कानून बनाया, जो उनके लिए एक स्थायी कलंक बन गया। इस कानून के माध्यम से इन जनजातियों को न केवल अपराधी घोषित किया गया, बल्कि उन्हें समाज में अलग-थलग कर दिया गया। इन जनजातियों को उनके घरों में कैद कर दिया गया और 50 बस्तियों का निर्माण किया गया, जहाँ इन्हें जेल जैसी परिस्थितियों में रखा गया। कानपुर में ऐसी एक बस्ती 159 एकड़ भूमि में स्थापित की गई थी। इन बस्तियों में 24 घंटे पुलिस का पहरा होता था, और इन जनजातियों को प्रतिदिन पुलिस चौकी पर हाजिरी देनी पड़ती थी। उनका जीवन हर तरीके से नियंत्रित किया जाता था, और वे स्वतंत्रता के अधिकार से वंचित थे।

भारत को 1947 में स्वतंत्रता मिलने के बाद भी इन जनजातियों के लिए वास्तविक आजादी नहीं आई। 31 अगस्त 1951 को क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट को समाप्त किया गया, और इसके साथ ही इन जनजातियों को स्वतंत्रता प्राप्त हुई। लेकिन यह स्वतंत्रता केवल कानूनी थी। सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक रूप से इन जनजातियों की स्थिति में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया। 1951 के बाद से 31 अगस्त को विमुक्त दिवस के रूप में मनाया जाता है, लेकिन यह दिन एक प्रतीकात्मक आयोजन से अधिक कुछ नहीं है। आज भी समाज और प्रशासन में इन जनजातियों के प्रति गहरे पूर्वाग्रह हैं। पुलिस के रंगरूटों को यह सिखाया जाता है कि ये जनजातियां पारंपरिक रूप से अपराध करती हैं, और इस प्रकार उन्हें एक संदिग्ध दृष्टिकोण से देखा जाता है। इन जनजातियों के खिलाफ अत्याचार और भेदभाव आज भी जारी हैं।

स्वतंत्रता के 77 वर्षों बाद भी घुमंतू और विमुक्त जनजातियां सामाजिक, आर्थिक और शैक्षिक दृष्टिकोण से अत्यंत पिछड़ी हुई हैं। इन जनजातियों के अधिकांश लोग आज भी बिना स्थायी आवास के जीवन व्यतीत करते हैं। वे सड़कों के किनारे, जंगलों या दूरदराज के क्षेत्रों में अस्थायी झोपड़ियों में रहते हैं। इनकी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बहुत सीमित है। शिक्षा की कमी और सामाजिक भेदभाव के कारण इन जनजातियों के लिए रोजगार के अवसर भी अत्यंत सीमित हैं। इनके बच्चे अक्सर शिक्षा से वंचित रह जाते हैं क्योंकि परिवारों की आर्थिक स्थिति इतनी दयनीय होती है कि बच्चे भी काम करने पर मजबूर होते हैं। गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी की समस्याओं से जूझती ये जनजातियां अपराध की ओर धकेली जाती हैं।

यह हमारे समाज और शासन दोनों के लिए गहन चिंतन का विषय है। स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद भी अगर एक बड़ा समुदाय अपने बुनियादी अधिकारों से वंचित है, तो यह हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था की असफलता है। भारत का संविधान सभी नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है, लेकिन घुमंतू और विमुक्त जनजातियां आज भी इन अधिकारों से वंचित हैं। सरकार ने समय-समय पर घुमंतू और विमुक्त जनजातियों के उत्थान के लिए कई योजनाएं बनाई हैं, लेकिन ये योजनाएं कागजों तक ही सीमित रह जाती हैं। इन योजनाओं का वास्तविक लाभ इन जनजातियों तक नहीं पहुंच पाता, क्योंकि योजनाओं का क्रियान्वयन ढंग से नहीं हो पाता है। इसके अलावा, इन जनजातियों को समाज में मुख्यधारा से जोड़ने के लिए भी पर्याप्त प्रयास नहीं किए जाते हैं।

हमारे समाज में अभी भी इन जनजातियों के प्रति गहरे भेदभाव और पूर्वाग्रह बने हुए हैं। इन्हें समाज में अपराधी या अज्ञानी के रूप में देखा जाता है, और इनके साथ अपमानजनक व्यवहार किया जाता है। यह स्थिति न केवल समाज की मानसिकता को दर्शाती है, बल्कि यह भी दिखाती है कि हमारे प्रशासन और कानून-व्यवस्था में इन जनजातियों के प्रति संवेदनशीलता का अभाव है। घुमंतू और विमुक्त जनजातियों के उत्थान के लिए सबसे पहले आवश्यक है कि समाज में इनके प्रति फैली भ्रांतियों और पूर्वाग्रहों को दूर किया जाए। इसके लिए शिक्षा और जागरूकता अभियानों की आवश्यकता है, जिनके माध्यम से लोगों को इन जनजातियों की वास्तविक स्थिति, उनके संघर्षों और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा सके।

इसके साथ ही, इन जनजातियों के आर्थिक और सामाजिक उत्थान के लिए ठोस और प्रभावी योजनाओं की जरूरत है। इन जनजातियों को स्थायी रोजगार, आवास और शिक्षा की सुविधाएं उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। साथ ही, उन्हें मुख्यधारा में शामिल करने के लिए विशेष प्रयास किए जाने चाहिए। पुलिस और प्रशासन को इन जनजातियों के प्रति संवेदनशील बनाने के लिए विशेष प्रशिक्षण की आवश्यकता है, ताकि वे इनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार न करें।

इन जनजातियों के ऐतिहासिक योगदान को भी हमें याद करना चाहिए। 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में इन जनजातियों ने ब्रिटिश शासन के खिलाफ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका साहस और बलिदान हमें यह सिखाता है कि वे देश के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, उनके इस योगदान को भुला दिया गया और उनके साथ अन्यायपूर्ण व्यवहार किया गया। अब समय आ गया है कि हम इन जनजातियों को उनका उचित स्थान और सम्मान दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएं। यह केवल एक सामाजिक सुधार का कार्य नहीं है, बल्कि यह हमारे देश की संस्कृति, इतिहास और मानवाधिकारों की रक्षा का भी एक महत्वपूर्ण कदम है।

घुमंतू और विमुक्त जनजातियों की स्थिति को सुधारने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार, समाज और गैर-सरकारी संगठनों के बीच समन्वय हो। हमें एक साथ मिलकर काम करना होगा ताकि इन जनजातियों को न्याय, सम्मान और समानता प्राप्त हो सके। भारत ने स्वतंत्रता के 77 वर्ष पूरे कर लिए हैं, लेकिन आज भी कई ऐतिहासिक अन्याय और ब्रिटिश शासनकाल के कलंक हमारे समाज पर मौजूद हैं। घुमंतू और विमुक्त जनजातियों का नारकीय जीवन इसका एक जीवंत उदाहरण है। हालांकि, वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का संवेदनशील नेतृत्व देश में कई ऐसे ऐतिहासिक गलतियों को सुधारने का कार्य कर रहा है, जिनसे लाखों लोगों के जीवन में नया सवेरा आया है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर से लेकर अन्य राज्यों तक ऐसे लाखों लोगों को नागरिक अधिकार प्रदान किए गए हैं, जिन्हें विभाजन के बाद यह अधिकार नहीं मिले थे। इन लोगों को अब देश के नागरिक होने का गर्व प्राप्त हुआ है। जम्मू-कश्मीर में धारा 370 को निष्प्रभावी बनाना, नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लागू करना, और अयोध्या में भगवान श्री रामलला के भव्य मंदिर निर्माण जैसे निर्णय इस सरकार की संवेदनशीलता और दूरदर्शिता को दर्शाते हैं।

इसी कड़ी में वन नेशन, वन इलेक्शन की दिशा में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बनटांगिया लोगों को नागरिक अधिकार प्रदान कर उनके जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। ऐसे संवेदनशील नेतृत्व के कार्यकाल में यह निश्चित है कि ब्रिटिश शासन के दौरान उत्पीड़ित घुमंतू और विमुक्त जनजातियों को भी सामाजिक सुरक्षा, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना और अन्य सामाजिक योजनाओं का लाभ देकर सम्मानजनक जीवन जीने का अधिकार मिल सकता है।

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत विमुक्त जनजातियों के लिए आवासीय विद्यालयों में बच्चों की शिक्षा, और स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से भाषा संबंधित समस्याओं को हल करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है। अनुसूचित जाति/जनजाति और ओबीसी में इन जनजातियों का निर्धारण कर उनका प्रमाणपत्र प्रदान करने का भी महत्वपूर्ण कार्य किया जा सकता है। यह सरकार के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है कि वह इन विमुक्त जनजातियों को सम्मान और सुरक्षा प्रदान कर समाज में उनका सही स्थान दिला सके।

विमुक्त जातियों में जो जातियां अब तक संवैधानिक अधिकारों से वंचित हैं, उन्हें जितनी जल्दी संवैधानिक अधिकार प्रदान किए जाएंगे, उतना ही शीघ्र इस वंचित समूह के साथ सदियों से हुए अन्याय का प्रतिकार कर सरकार एक क्रांतिकारी और ऐतिहासिक निर्णय करेगी। इतिहास गवाह है कि ये जनजातियां ब्रिटिश शासन के खिलाफ सबसे पहले खड़ी हुईं थीं, लेकिन बाद में उनके खिलाफ जन्मजात अपराधी होने का कलंक मढ़ दिया गया। अब, इस अन्याय को समाप्त करने और इन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का एक बड़ा अवसर है। इस दिशा में सामाजिक, मनोवैज्ञानिक और शैक्षणिक स्तर पर व्यापक कार्य करने की आवश्यकता होगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की लगभग दो दर्जन से अधिक संस्थाएं घुमंतू विमुक्त समाज के संरक्षण और संवर्धन के लिए कार्य कर रही हैं। अवध और गोरखपुर प्रांत में राजेश और उनके सहयोगी, जो इस दिशा में कार्य कर रहे हैं, उनके प्रयास अत्यंत सराहनीय हैं। राजेश ने अपने नाम के साथ घुमंतू शब्द जोड़कर एक संदेश दिया है कि जिस समाज का गौरवशाली और शौर्यपूर्ण इतिहास रहा है, वह समाज अब अपमान सहने के लिए नहीं बना है।

हालांकि, इन प्रयासों के साथ-साथ सरकार को भी बड़े निर्णय लेने होंगे, ताकि इन घुमंतू और विमुक्त जनजातियों को सामाजिक सम्मान और आर्थिक सुरक्षा मिल सके। ऐसा करके सरकार ब्रिटिश शासन के समय लगाए गए इस बड़े कलंक को मिटा सकती है और इन करोड़ों लोगों को राष्ट्र की मुख्यधारा में शामिल कर सकती है। इस दिशा में व्यापक जागरूकता फैलाने और विमुक्त जनजातियों के उत्थान के लिए किए जा रहे प्रयासों को मजबूत करना जरूरी है। समाज और सरकार के बीच तालमेल स्थापित कर इन जनजातियों को उनका सही स्थान दिलाने का यह सही समय है। केवल तभी हमारी स्वतंत्रता और लोकतंत्र पूर्ण हो सकते हैं, जब हर नागरिक को समान अवसर और अधिकार प्राप्त हो।

कुछ अलग

गांदरबल का जख्म

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाचित सरकार की ताजपोशी का जश्न अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि गांदरबल में आतंकियों ने कहर बरपा दिया। गांदरबल में हुए आतंकी हमले में एक सुरंग निर्माण स्थल पर काम करने वाले छह श्रमिकों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि पाकिस्तान भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को नुकसान पहुंचाने की लगातार कोशिश करता रहेगा। चाहे कुछ भी हो, वह अपनी नापाक नीति से बाज नहीं आने वाला। यह कम चिंताजनक बात नहीं कि यह हमला इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच अनौपचारिक बातचीत के कुछ ही दिन बाद हुआ है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान करके लोकतंत्र और शांति-विकास में अपनी गहरे विश्वास को अभिव्यक्त किया था। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने शांतिपूर्ण मतदान व केंद्रशासित प्रदेश में सरकार बनने के बाद अपनी सतर्कता शायद कुछ कम कर दी होगी। कुछ महीनों पहले जम्मू क्षेत्र को लगातार हिंसा का शिकार बनाने वाले आतंकवादियों ने रणनीति बदलकर कश्मीर को फिर से निशाने पर ले लिया है। इन खतरनाक मंसूबों से आतंकवादियों ने सरकार व सुरक्षाबलों को चौंकाया है। इसमें दो राय नहीं कि आतंकवादियों ने यह साजिश सुनियोजित ढंग से की है। जहां इस हमले का मकसद एक बुनियादी ढांचा परियोजना को बाधित करके घाटी के विकास को बाधित करना है, वहीं अन्य राज्यों से आए श्रमिकों की हत्या करके भारतीय संघवाद के ढांचे पर भी चोट करना भी है। ताकि अन्य राज्यों के श्रमिक डर के कारण घाटी न आ सकें। ऐसे हालात में केंद्र तथा केंद्रशासित प्रदेश की सरकार को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिये मिलकर कार्य करने की जरूरत है। निश्चित रूप से केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले पर्यटकों और प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना जरूरी है। यह नई बात नहीं है कि भारत पाकिस्तान को बार-बार आगाह करता रहा है ताकि वह आग से खेलने का काम न करे। बार-बार स्पष्ट किया गया है कि जब तक इस्लामाबाद तथा रावलपिंडी आतंकवदियों को भेजना व मदद करना बंद नहीं करते, तब तक द्विपक्षीय वार्ता शुरू नहीं की जा सकती। हाल ही में एससीओ में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों के रिश्तों में लंबे समय से जमी बर्फ अब पिघलेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने लगभग एक दशक बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की मेजबानी से प्राप्त होने वाले लाभ की संभावना को जल्द ही गंवा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पिछले दिनों यह कहते हुए सुना गया था कि 'हमने पिछले 75 साल खो दिए हैं और यह महत्वपूर्ण होगा कि हम अगले 75 साल न खोएं।' हालांकि यह भी टकसाली सत्य है कि जब तक शरीफ बंधु पाकिस्तानी सेना को भारत में परेशानी पैदा करने से रोकने में असहाय रहेंगे, तब तक दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना मुश्किल ही नजर आएगी। ऐसे में केंद्र व नवनिर्वाचित सरकार को सुरक्षा बलों के साथ आतंकवाद की इस नई चुनौती के खात्मे के लिये नई रणनीति पर काम करना होगा। वैसे कुछ समय पूर्व तक सुरक्षा बलों की सुनियोजित कार्रवाई में जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए थे। लेकिन अब जब विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं तो सहयोग-सामंजस्य व वार्ता के दरवाजे भी खुले रखने पड़ सकते हैं। साथ ही इस संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए कि क्या इन आतंकवादियों के तार सीमा पार से संचालित ठिकानों से तो नहीं जुड़े हैं।

देश दुनिया से

युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में 1.71 लाख और 2023 में लगभग 2 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया में सबसे अधिक है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि 41 फीसदी आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, आर्थिक चिंताएं, प्रेम संबंधों में असफलता, नशे की लत और घरेलू हिंसा जैसे कई जटिल कारण शामिल हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार देश में हर दिन 35 से भी ज्यादा स्टूडेंट्स खुद की जान ले रहे हैं।

भारत में युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति केवल एक चिंता का विषय नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 में 1.71 लाख और 2023 में लगभग 2 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया में सबसे अधिक है। रिपोर्ट से यह भी स्पष्ट होता है कि 41 फीसदी आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। इसके पीछे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, आर्थिक चिंताएं, प्रेम संबंधों में असफलता, नशे की लत और घरेलू हिंसा जैसे कई जटिल कारण शामिल हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार देश में हर दिन 35 से भी ज्यादा स्टूडेंट्स खुद की जान ले रहे हैं। यानी हर 40 मिनट में देश का एक स्टूडेंट आत्महत्या कर रहा है। स्टूडेंट सुसाइड की यह गिनती देश में किसानों की आत्महत्या से भी ज्यादा है। यह चौंकाने वाले आंकड़े आईसी-3 कॉन्फ्रेंस और एक्स्पो 2024 के दौरान जारी 'स्टूडेंट सुसाइड: एन एपिडेमिक स्वीपिंग इंडिया रिपोर्ट' में सामने आए हैं। आईसी-3 इंस्टीट्यूट एक नॉन-प्रॉफिट संस्थान है जो हाई स्कूल, कॉलेज और विश्वविद्यालयों के छात्रों पर अध्ययन करता है। यह रिपोर्ट एनसीआरबी के 2021 के डेटा पर आधारित है। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में देश में 13089 छात्रों ने आत्महत्या की। वहीं, पिछले 10 सालों में करीब एक लाख छात्रों ने आत्महत्या की है। पेशे के हिसाब से आत्महत्या की दर देखने पर पता चलता है कि दिहाड़ी मजदूरों और नौकरीपेशा लोगों की आत्महत्या की दर क्रमशः 25.6 फीसदी और 9.7 फीसदी है। जबकि बेरोजगारों की आत्महत्या की दर 8.4 फीसदी है। हमारे देश में युवाओं पर मानसिक स्वास्थ्य का बोझ अत्यधिक बढ़ रहा है। सफलता का दबाव, अभिभावकों और शिक्षकों की अपेक्षाएं तथा व्यक्तिगत समस्याएं- जैसे करियर और रिश्तों की चुनौतियां, युवाओं को आत्महत्या के रास्ते पर धकेल रही हैं। इस संक्रमणकालीन अवस्था में, वे अनेक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, जिसमें अवसाद, एंग्जाइटी और पैनिक डिसऑर्डर प्रमुख हैं। पारिवारिक उपेक्षा और सामाजिक दबाव उनके मानसिक स्वास्थ्य को और भी गंभीर बना रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप हताशा और निराशा बढ़ रही है, और कई युवा नशे की ओर बढ़ते जा रहे हैं। इस गंभीर स्थिति में परिवार की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने युवाओं पर नजर रखनी चाहिए। उनसे संवाद करना चाहिए और उनके मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना चाहिए। हाल ही में, 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया गया, जिसमें विशेषकर महिलाओं के बीच आत्महत्या की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की गई। रिपोर्ट के अनुसार आत्महत्या की घटनाओं में 15 फीसदी महिलाएं शामिल हैं, जिनके पीछे अवसाद और तनाव के कई बाहरी और घरेलू कारण हैं। साइबर बुलिंग भी युवा पीढ़ी के लिए एक महत्वपूर्ण मुद्दा बन गया है, जिसका मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव हो सकता है। राज्य में भी आत्महत्या के मामलों की संख्या चिंताजनक है। 2020 से 2023 के बीच 3385 लोगों ने आत्महत्या की। इनमें से अधिकांश मामले दांपत्य जीवन में तनाव, वित्तीय चिंताएं, नशीले पदार्थों की लत, बेरोजगारी और पारिवारिक समस्याओं से जुड़े हुए हैं। इस भीषण समस्या का समाधान एक बहुआयामी रणनीति के माध्यम से ही संभव है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और शिक्षा प्रणाली में सुधार शामिल हैं। सरकार, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों को मिलकर काम करना होगा। युवाओं को यह बताना जरूरी है कि उनकी समस्याओं के समाधान मौजूद हैं और वे अकेले नहीं हैं। संवाद के माध्यम से युवाओं को समझाना और उन्हें स्वास्थ्यवर्धक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना आवश्यक है। इसमें पर्याप्त नींद, स्वस्थ आहार, नियमित व्यायाम और तनाव कम करने वाली गतिविधियों को शामिल किया जाना चाहिए। अंततः, शिक्षा संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य शिक्षा को अनिवार्य बनाना भी महत्वपूर्ण है। कार्यशालाएं और सेमिनार आयोजित कर छात्रों को आत्महत्या और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर जागरूक किया जा सकता है। एक सामूहिक प्रयास के तहत, सहानुभूति और समर्थन का माहौल बनाना युवाओं को अपनी समस्याओं के बारे में खुलकर बात करने के लिए प्रेरित करेगा। आत्महत्या की रोकथाम के लिए एक ठोस और समर्पित रणनीति के माध्यम से ही हम युवाओं को एक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं। यदि हम सभी स्तरों पर सहयोग करें, तो हम इस संकट को समाप्त कर सकते हैं और युवाओं को एक स्वस्थ, सकारात्मक भविष्य की ओर ले जा सकते हैं। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उन्हें समर्थन दें, ताकि वे अपनी चुनौतियों का सामना कर सकें और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकें। अभिभावकों को भी अपने बच्चों पर बिना वजह का दवाव नहीं बनाना चाहिए।

आप का नजरिया

कुछ तो बर्फ पिघली

यह कोई महज संयोग नहीं कि भारत और चीन रूस में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे है। इस निर्णय के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। कूटनीतिक हलकों में संभावना जतायी जा रही है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन के साथ द्विपक्षीय बैठक कर सकते हैं। कहना गलत न होगा कि सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये एक मंच तैयार कर दिया है। यह एक हकीकत है कि जून 2020 में हुए गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी। यहां तक कि दोनों देश द्विपक्षीय बातचीत करने से भी परहेज कर रहे थे। बहरहाल, गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देशों के पास दुनिया को कुछ सकारात्मक दिखाने को तो है। वैसे भी इस गतिरोध के चलते एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में नजर आना पड़ता था। इसके अलावा इस घटनाक्रम से यह संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे यह उम्मीद करना जल्दबाजी ही होगी कि भारत-चीन सीमा पर जमीनी हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे। भारत को भी गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की आदत है। ऐसे में इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र हो। ऐसे में भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है। वहीं दूसरी ओर अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रम में तेजी से आ रहे बदलावों और महाशक्तियों के निरंकुश व्यवहार के चलते दुनिया फिर दो ध्रुवों में बंटती नजर आ रही है। यही वजह है कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन और शी जिनपिंग ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में जुटे हुए हैं। इस संगठन में नये देशों को शामिल करने की कवायद लगातार जारी है। बहरहाल, चीन की हालिया सकारात्मक पहल के बावजूद भारत को सतर्क रहने की जरूरत है। अतीत में चीन भारतीय सीमाओं में अतिक्रमण की कोशिश करता रहा है। गलवान में चीनी सैनिकों द्वारा यथास्थिति में एकतरफा बदलाव से ही इस विवाद ने तूल पकड़ा। उसके बाद भारत ने सैन्य व राजनयिक वार्ताओं के जरिये इस विवाद को दूर करने का भरसक प्रयास किया। लेकिन इसके बावजूद डेपसांग और डेमचोक के टकराव वाले बिंदुओं से चीनी सैनिकों की वापसी नहीं की गई। अतीत में देश ने चीनी हठधर्मिता के कई मामले देखे भी हैं। एक ओर चीन बातचीत से समस्या के समाधान की दुहाई देता है तो दूसरी ओर एलएसी के निकट बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे का निर्माण करता रहा है।

सरकार ने 70 रुपए प्रति किलो की दर से भारत ब्रांड चना दाल चरण-2 की लॉन्च

केन्द्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखा किया रवाना

-चना दाल 70 रुपये, साबुत चना 58 रुपये और मसूर दाल 89 रुपये प्रतिक्रिग्रा पर मिलेगी

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने बढ़ती महंगाई पर नकेल कसने के लिए सख्त कदम उठाया है। सरकार ने दिपावली से पहले भारत ब्रांड योजना का दूसरा चरण लॉन्च किया है। केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बुधवार को मोबाइल वैन को हरी झंडी दिखाकर दिल्ली-एनसीआर में भारत चना दाल चरण-2 की खुदरा बिक्री शुरू की।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दूसरे चरण की बिक्री की शुरुआत करते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को चना दाल 70 रुपये प्रति किलोग्राम की दर पर उपलब्ध होगी। वहीं सहकारी नेटवर्क भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (एनसीसीएफ), भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ लिमिटेड (नेफेड) और केंद्रीय भंडार के जरिए साबुत चना 58 रुपये प्रति किलोग्राम और मसूर दाल 89 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से बेची जाएगी।

जोशी ने इस पहल के दूसरे चरण को पेश करते हुए कहा, ''हम मूल्य स्थिरीकरण कोष के तहत रखे गए अपने भंडार को सब्सिडी वाली कीमत पर बेच रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि सरकार ने सहकारी समितियों को 3 लाख टन चना और 68 हजार टन मूंग आवंटित किया है। खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री ने कहा कि यह योजना पूरे देश में लागू हो गई है। इस अवसर पर खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के राज्यमंत्री बी. एल. वर्मा और निमुबेन जयंती भाई बांभणिया भी उपस्थित रहे।

सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ कोई जांच नहीं हुई, क्लीन चिट मिलने की बात गलत : वित्त मंत्रालय

मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच को क्लीन चिट मिलने की खबर को केंद्र सरकार ने पूरी तरह से गलत बताया है। वित्त मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि माधवी पुरी को क्लीन चिट मिलने की बात तथ्यात्मक रूप से गलत है, क्योंकि इस तरह की कोई जांच की ही नहीं गई थी। दरअसल, मंगलवार को कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ लगाए गए तमाम आरोपों की जांच में सरकार को उनके या उनके परिजनों के खिलाफ कुछ भी नहीं मिला है। इसलिए उन्हें क्लीन चिट दे दी गई है। इस खबर के प्रसारित होने के बाद वित्त मंत्रालय की ओर से बताया गया कि सेबी चेयरपर्सन के खिलाफ लगाए गए कथित आरोपों को लेकर कोई जांच नहीं की गई थी।

न्यूज ब्रीफ

एक कंपनी की लिस्टिंग से ही बदला मार्केट सेंटिमेंट, पहले दिन ही लक्ष्य पावरटेक के निवेशकों के पैसे डबल

नई दिल्ली। एक दिन पहले मंगलवार को हुंडई मोटर की निराशाजनक मेनबोर्ड लिस्टिंग के बाद बुधवार को घरेलू शेयर बाजार में एक एसएमई कंपनी ने अपने लिस्टिंग से माहौल को काफी हद तक बदल दिया है। बुधवार को शेयर बाजार में सिर्फ एक कंपनी की ही लिस्टिंग हुई है लेकिन इस एक कंपनी के शेयर की शुरुआत ही इतनी धमाकेदार हुई, जिससे मार्केट सेंटिमेंट्स को काफी बूस्ट मिला है। इंजीनियरिंग कंसलटेंसी सर्विस देने वाली कंपनी लक्ष्य पावरटेक ने अपने शेयरों की लिस्टिंग के जरिये बुधवार को स्टॉक मार्केट में जोरदार दस्तक दी। कंपनी के शेयरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर अपर सर्किट पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों की रकम लगभग डबल हो गई। आईपीओ के तहत कंपनी में 180 रुपये की कीमत पर शेयर जारी किए थे। बुधवार को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 342 रुपये के स्तर पर हुई। मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) निर्णय के मुताबिक एसएमई प्लेटफॉर्म पर किसी भी शेयर की लिस्टिंग अधिकतम 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ ही हो सकती है। इसीलिए लक्ष्य पावरटेक के शेयरों की लिस्टिंग भी 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 342 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारों ने जोरदार लिवाली शुरू कर दी, जिससे थोड़ी ही देर में ये शेयर 359.10 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से बुधवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार दबाव बना रहा। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी फिलहाल गिरावट के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार भी पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान सीमित दायरे में कारोबार होता रहा, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,851.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, नैस्डेक ने 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 18,573.13 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 123.25 अंक यानी 0.29 प्रतिशत की गिरावट के साथ 42,801.64 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,306.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स में 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 7,535.10 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.20 प्रतिशत टूट कर 19,421.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में बुधवार को मिला-जुला कारोबार होता नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 4 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ रुपया

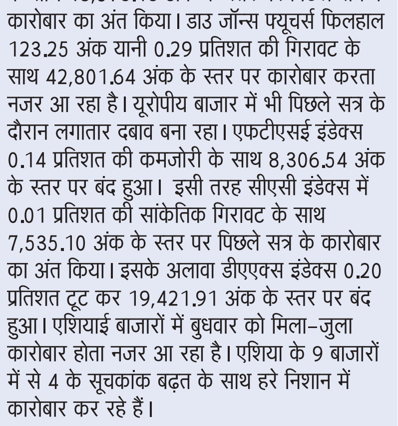

मुंबई। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख और कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने भी भारतीय मुद्रा को प्रभावित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया एक पैस की बढ़त के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती कारोबार में स्थिर रहा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की बढ़त के साथ 103.97 पर रहा।

उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स और निफ्टी ऊपरी स्तर से फिसले निवेशकों को 92 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिन भर उतार चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ। कारोबार की शुरुआत भी कमजोरी के साथ हुई थी। दिन के कारोबार के दौरान खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार ने रिकवरी करके हरे निशान में जगह भी बनाई, लेकिन दोपहर 2 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक एक बार फिर कमजोरी का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

बुधवार को दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी सेक्टर में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसके अलावा कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, एफएमसीजी और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर फार्मास्यूटिकल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक बिकवाली होती रही। इसके अलावा एनर्जी, मेटल, बैंक, ऑयल एंड गैस और कैपिटल गुड्स इंडेक्स भी गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में छोटे और मझोले शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.48 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.93 प्रतिशत की बढ़त के साथ के कारोबार का अंत किया।

बुधवार को शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद छोटे और मझोले शेयरों में हुई खरीदारी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 90 हजार करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 445.37 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 444.45 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को कारोबार से करीब 92 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

बुधवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,031 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,182 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,751 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 98 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,500 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,461 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,039 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 9 शेयर बढ़त के साथ और 21 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 20 शेयर हरे निशान में और 30 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 299.59 अंक की गिरावट के साथ 79,921.13 अंक के स्तर पर खुला। शुरुआती कारोबार में ही बिकवाली का दबाव बढ़ जाने के कारण ये सूचकांक 329.04 अंक की कमजोरी के साथ 79,891.68 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने मोर्चा संभाल लिया, जिससे इस सूचकांक की चाल सुधरने लगी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स निचले स्तर से 754.63 अंक उछल कर 425.59 अंक की मजबूती के साथ 80,646.31 अंक तक पहुंच गया। हालांकि, सेंसेक्स की ये मजबूती अधिक देर तक नहीं टिक सकी। दोपहर 2 बजे के करीब बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 564.33 अंक लुढ़क कर 138.74 अंक की कमजोरी के साथ 80,081.98 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 93.95 अंक की कमजोरी के साथ 24,378.15 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली के दबाव की वजह से इस सूचकांक की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी की हालत में सुधार होने लगा। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 226.15 अंक की छलांग लगा कर 132.15 अंक की मजबूती के साथ दिन के सर्वोच्च स्तर 24,604.25 अंक तक पहुंच गया। दोपहर 2 बजे तक बाजार में मामूली उतार चढ़ाव के साथ कारोबार होता रहा, लेकिन इसके बाद विदेशी निवेशकों ने आक्रामक अंदाज में बिकवाली शुरू कर दी, जिसके कारण ये सूचकांक गिर कर एक बार फिर लाल निशान में पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद निफ्टी ऊपरी स्तर से 168.75 अंक टूट कर 36.60 अंक की गिरावट के साथ 24,435.50 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से बजाज फाइनेंस 4.56 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.32 प्रतिशत, बजाज ऑटो 2.11 प्रतिशत, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स 1.63 प्रतिशत और टीसीएस 1.26 प्रतिशत की मजबूती के साथ बुधवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.25 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.55 प्रतिशत, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन 1.81 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.79 प्रतिशत और श्रीराम फाइनेंस 1.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ बुधवार को टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एअर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस ने 'कोडशेयर' समझौते के विस्तार पर सहमति जताई

सिंगापुर/नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। टाटा की अगुवाई वाली एअर इंडिया और सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) ने अपने 'कोडशेयर' समझौते का विस्तार करने पर सहमति व्यक्त की है। इसके तहत दोनों विमानन कंपनियां अपने नेटवर्क में 11 भारतीय शहरों और 40 अन्य अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों को जोड़ेंगी।

एअर इंडिया के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी निपुण अग्रवाल ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि इस समझौते के विस्तार से यात्रियों को अधिक विकल्प और विस्तारित वैश्विक संपर्क मिलेगा। यह 2010 के बाद से विमानन कंपनियों के बीच 'कोडशेयर' व्यवस्था का पहला व्यापक विस्तार होगा। इससे दोनों एयरलाइंस के ग्राहकों को सिंगापुर और भारत के साथ-साथ अन्य स्थानों के बीच बेहतर यात्रा विकल्प मिलेंगे।

एयरलाइन ने कहा कि 'कोडशेयर' समझौता विमानन कंपनियों को एक-दूसरे की उड़ानों में अपने ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करने की अनुमति देता है। इस वर्ष 27 अक्टूबर से एअर इंडिया और एसआईए सिंगापुर एयरलाइंस अन्य भारतीय शहरों के बीच एक-दूसरे की उड़ानों पर 'कोडशेयर' करेंगे, जिससे दोनों देशों के बीच उनकी कुल साप्ताहिक सेवाओं की संख्या 14 से बढ़कर 56 हो जाएगी।

एअर इंडिया एयरलाइन के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ने कहा कि सिंगापुर एयर के साथ हमारे विस्तारित कोडशेयर की घोषणा से ऑस्ट्रेलिया, सुदूर पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया में सिंगापुर एयरलाइंस नेटवर्क पर 28 अतिरिक्त गंतव्य आपके करीब आ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''एअर इंडिया तथा सिंगापुर एयरलाइंस लंबे समय से साझेदार रहे हैं। हमारे 'कोडशेयर' समझौते के इस विस्तारित दायरे के साथ हम अपने मेहमानों को बेहतर संपर्क प्रदान करने को उत्साहित हैं।''

सिंगापुर एयरलाइंस के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी ली लिक ह्सिन ने जारी एक बयान में कहा कि कोडशेयर व्यवस्था का विस्तार दोनों एयरलाइन कंपनियों के बीच मजबूत सहयोगात्मक भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा, ''यह भारत और सिंगापुर तथा अन्य स्थानों के बीच हवाई यात्रा की उच्च मांग को पूरा करने तथा दोनों विमानन बाजारों के विकास में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। ह्सिन ने कहा कि एअर इंडिया के घरेलू नेटवर्क को हमारी 'कोडशेयर' व्यवस्था में जोड़ने से हमारे ग्राहकों को भारत में बेहतर संपर्क व सुविधा मिलेगी, जो एसआईए समूह के लिए एक प्रमुख बाजार है।''

प्रथम पृष्ठ का शेष...

युद्ध नहीं ...

कहा कि इस खतरे से लड़ने में कोई दोहरा मापदंड नहीं होना चाहिए। आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण का मुकाबला करने के लिए हमें सभी के एकजुट और दृढ़ समर्थन की आवश्यकता है। इस गंभीर मामले में दोहरे मानदंडों के लिए कोई जगह नहीं है।

हमें अपने देशों में युवाओं के कट्टरपंथीकरण को रोकने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र में अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर व्यापक सम्मेलन के लंबे समय से लंबित मामले पर मिलकर काम करना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, इसी तरह, हमें साइबर सुरक्षा और सुरक्षित एआई के लिए वैश्विक नियमों पर काम करने की जरूरत है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत भागीदार देशों के रूप में ब्रिक्स में नए देशों का स्वागत करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, इस संबंध में, सभी निर्णय आम सहमति से लिए जाने चाहिए और ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों के विचारों का सम्मान किया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा, जोहान्सबर्ग शिखर सम्मेलन के दौरान अपनाए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों, मानकों, मानदंडों और प्रक्रियाओं का सभी सदस्यों और भागीदार देशों की तरफ से अनुपालन किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अन्य वैश्विक निकायों में सुधार की भी वकालत की। उन्होंने कहा, हमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, बहुपक्षीय विकास बैंकों और विश्व व्यापार संगठन जैसे वैश्विक संस्थानों में सुधारों पर समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए। जब हम ब्रिक्स में अपने प्रयासों को आगे बढ़ाते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करने के लिए सावधान रहना चाहिए कि यह संगठन वैश्विक संस्थानों की जगह लेने की कोशिश करने वाले संगठन की छवि न बना ले। ब्रिक्स के सदस्य देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं। इस बार पांच अन्य देश भी इस समूह में आधिकारिक रूप से शामिल हो गए। इन पांच देशों में मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

प्रधानमंत्री मीदी ने कहा, हमारी बैठक ऐसे समय हो रही है जब दुनिया युद्ध, संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन और आतंकवाद जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। दुनिया में उत्तर-दक्षिण और पूर्व-पश्चिम के बीच विभाजन की बातें हो रही हैं। इस तकनीक के युग में साइबर सुरक्षा, डीप फेक और गलत सूचना जैसी नई चुनौतियां सामने आई हैं। ऐसे में ब्रिक्स से काफी उम्मीदें हैं। मैं मानता हूं कि एक विविध और समावेशी मंच के रूप में ब्रिक्स सभी मुद्दों पर सकारात्मक भूमिका निभा सकता है। इस संदर्भ, में हमारा दृष्टिकोण जन केंद्रित होना चाहिए। हमें दुनिया को संदेश देना चाहिए कि ब्रिक्स विभाजनकारी नहीं बल्कि जनहित का एक समूह है।

ब्रिक्स देशों में इन्फ्रास्ट्रक्चर पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भारत में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को तेजी से बढ़ाने के लिए हमने गति शक्ति पोर्टल बनाया है। इससे विकास की योजनाओं को एकीकृत करने और उनके क्रियान्वयन में मदद मिली है और लॉजिस्टिक्स लागत कम हो गई है। हमें अपने अनुभव आप सभी के साथ साझा करने में खुशी होगी। हम ब्रिक्स देशों के बीच वित्तीय एकीकरण बढ़ाने के प्रयासों का स्वागत करते हैं। स्थानीय मुद्रा में व्यापार और आसान सीमा पार भुगतान से हमारा आर्थिक सहयोग मजबूत होगा। भारत द्वारा बनाया गया यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) भारत की एक बड़ी सफलता की कहानी है। इसे कई देशों में अपनाया गया है। पिछले साल, हमने इसे यूएई के शेख मोहम्मद के साथ मिलकर लॉन्च किया। इस क्षेत्र में अन्य देशों के साथ भी सहयोग किया जा सकता है।

मोदी ने कहा, मैं 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए राष्ट्रपति पुतिन को धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं एक बार फिर से ब्रिक्स से जुड़े नए सहयोगियों का दिल से स्वागत करता हूं। अपने नए रूप में ब्रिक्स दुनिया की 40 फीसदी आबादी और करीब 30 फीसदी अर्थव्यवस्था का प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने कहा, ब्रिक्स ने पिछले दो दशकों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। मुझे भरोसा है कि आने वाले समय में यह समूह वैश्विक चुनौतियों का सामना करने के लिए और अधिक प्रभावी माध्यम बनकर उभरेगा। मैं नए विकास बैंक (एनडीबी) की अध्यक्ष दिल्मा रूस्सेफ को बधाई देता हूं। यह बैंक पिछले दस वर्षों में वैश्विक दक्षिण के देशों के लिए एक महत्वपूर्ण विकल्प बनकर उभरा है। एनडीबी को मांग-आधारित सिद्धांत पर काम करना जारी रखना चाहिए और बैंक का विस्तार करते समय दीर्घकालिक वित्तीय स्थिरता, स्वस्थ क्रेडिट रेटिंग और बाजार पहुंच को प्राथमिकता देनी चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, 2022 में लॉन्च किया गया ब्रिक्स वैक्सीन शोध एवं विकास (आर एंड डी) केंद्र भी देशों की स्वास्थ्य सुरक्षा को बढ़ाने में मदद कर रहा है। हमें ब्रिक्स भागीदारों के साथ डिजिटल स्वास्थ्य के क्षेत्र में भारत के सफल अनुभव को साझा करने में खुशी होगी। जलवायु परिवर्तन हमारी साझी प्राथमिकता का विषय रहा है। रूस की मेजबानी में ब्रिक्स खुले कार्बन बाजार साझेदारी के लिए बनी सहमति का ब्रिक्स स्वागत करता है। भारत में भी हरित विकास, जलवायु के अनुकूल बुनियादी ढांचे पर जोर दिया जा रहा है। भारत में भी अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, जलवायु-स्थायी संरचना के लिए गठबंधन और एक पेड़ मां के नाम जैसी पहलों को शुरू किया गया है। पिछले साल कॉप 28 के दौरान हमने ग्रीन क्रेडिट जैसी महत्वपूर्ण पहल शुरू की थी। मैं ब्रिक्स भागीदारों को इन पहलों में शामिल होने का आमंत्रण देता हूं।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में ब्रिक्स के विस्तार पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि समूह बैठक में अपने विस्तार पर चर्चा करेगा, साथ ही कार्यकुशलता बनाए रखने की आवश्यकता को भी ध्यान में रखेगा। पुतिन ने कहा कि उनकी इच्छा है कि 30 से भी ज्यादा देश इस समूह का हिस्सा बनें।

भारत को मिल ...

और पिछले सप्ताह दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हुई बातचीत के आधार पर कोई भी कदम उठाते देखा जा सकता है। पन्नू की हत्या की कथित साजिश पर भारत को अमेरिकी सरकार के संदेश के बारे में पूछे जाने पर पटेल ने कहा, एक कदम पीछे हटने के लिए, पिछले हफ्ते भारत की जांच समिति के साथ मूल्यवान बातचीत हुई और हमारी दोनों सरकारों के बीच जांच को आगे बढ़ाने के लिए जानकारी का आदान-प्रदान किया गया। हम समझते हैं कि भारतीय जांच समिति अपनी जांच जारी रखेगी और पिछले सप्ताह की बातचीत के आधार पर हमें उम्मीद है कि आगे के कदम देखने को मिलेंगे।

उन्होंने कहा, हम उस जांच के परिणामों के आधार पर जवाबदेही देखना चाहते हैं। निश्चित रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका तब तक पूरी तरह से संतुष्ट नहीं होगा जब तक कि उस जांच के परिणामस्वरूप सार्थक जवाबदेही नहीं होती है। इसके अलावा, मैं इस पर और अधिक विस्तार से बात नहीं करूंगा, क्योंकि यह एक ऐसा मुद्दा है जो सक्रिय है और हमारे दोनों देशों में इसकी जांच और चल रही है।

मोदी और जिनपिंग...

द्विपक्षीय मुलाकात के दौरान चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग ने पीएम मोदी से कहा, कजान में आपसे मिलना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। पिछले पांच वर्षों में यह हमारी पहली औपचारिक मुलाकात है। हमारे दोनों देशों के लोग और अंतरराष्ट्रीय समुदाय हमारी बैठक पर बहुत ध्यान दे रहे हैं। चीन और भारत दोनों प्राचीन सभ्यताएं, प्रमुख विकासशील देश और वैश्विक दक्षिण के महत्वपूर्ण सदस्य हैं। हम दोनों अपने-अपने आधुनिकीकरण के प्रयासों के एक महत्वपूर्ण चरण में हैं। यह हमारे दोनों देशों और लोगों के मूल हितों की सर्वोत्तम सेवा है।

आजीवन कारावास...

इसे संविधान के अनुच्छेद 226 के तहत दोषी की ओर से चुनौती भी दी जा सकती है। पीठ ने यह भी बताया कि शालीन या शालीनता जैसे शब्दों को सीआरपीसी या किसी अन्य समान कानून में परिभाषित नहीं किया गया है। कोर्ट ने कहा, हर इंसान की शालीनता की अवधारणा अलग-अलग हो सकती है। शालीनता का विचार समय के साथ बदलता रहता है। चूंकि शालीनता शब्द को सीआरपीसी या किसी अन्य समान कानून में परिभाषित नहीं किया गया है, इसलिए हर व्यक्ति या अधिकारी इसकी अलग-अलग व्याख्या कर सकता है। इसलिए, छूट देते समय ऐसी शर्त बहुत व्यक्तिपरक हो जाती है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, गुरुवार, 24 अक्टूबर, 2024

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

शहीद सप्ताह 2024 के दौरान

रेलवे सुरक्षा बल ने अपने बहादुरों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ़) अपने उन 14 कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहा है, जिन्होंने पिछले वर्ष अपने कर्तव्य के दौरान अपनी जान गंवाई है। सम्मान और स्मरण के प्रतीक के रूप में आरपीएफ़ अधिकारी नौ राज्यों में इन बहादुर व्यक्तियों के मातृवंश और पैतृक गांवों का दौरा कर रहे हैं। ये भावपूर्ण श्रद्धांजलि आरपीएफ़ और उन समुदायों के बीच एक गहरा संबंध विकसित कर रही है, जिन्होंने इन साहसी आत्माओं को आकार दिया है, साथ ही उनके बलिदान के महत्व पर भी जोर दे रही है।

सम्मानित किए जा रहे शहीदों में ईस्ट कोस्ट रेलवे के आरपीएफ़ हेड कांस्टेबल निराकार बेहरा भी शामिल हैं, जिन्होंने

फरवरी 2024 में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया था। 21 अक्टूबर को खुर्दा रोड डिवीजन के आरपीएफ कर्मियों द्वारा ओडिशा के गंजम जिले के नेट्टांगा में उनके विद्यालय, एमई स्कूल में एक स्मारक सेवा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में उनके परिवार, मित्रों और सहकर्मियों की एक भावनात्मक सभा देखी गई। उनकी विधवा श्रीमती गीतांजलि बेहरा ने अपने पति के बलिदान को मान्यता दिए जाने के लिए गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव ने कहा कि इनमें से प्रत्येक बहादुर जवान ने सेवा और बलिदान के उच्चतम आदर्शों का उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी विरासत हमें हमेशा हमारे रेलवे और यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा को बनाए रखने के लिए प्रेरित करेगी। पूरे भारत में, आरपीएफ हमारे देश के विभिन्न हिस्सों में शहीदों के सम्मान में उनके पैतृक गांवों और स्कूलों में इसी तरह के स्मरणोत्सव कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। प्रत्येक शहीद के परिवार को भावभीनी श्रद्धांजलि और बधाई दी जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके प्रियजनों द्वारा किए गए बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। पूरे सप्ताह की गतिविधियों की योजना के साथ, अपने शहीद नायकों को याद करने के लिए आरपीएफ के प्रयास आरपीएफ कर्मियों की बहादुरी, बलिदान और समर्पण का सम्मान करने के लिए एक गहरी और निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं, जिन्होंने देश की रेलवे प्रणाली और रेल यात्रियों की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया। जैसा कि बल शहीद सप्ताह मनाता है, इन नायकों की अदम्य भावना उन रेलवे लाइनों पर गूंजती रहती है, जिनकी उन्होंने इतनी लगन से रक्षा की, उनका साहस हमेशा के लिए इतिहास में अंकित हो गया।

काचीगुड़ा में श्री ईदम्मा माता भक्त समिति द्वारा मंदिर की 25वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित महाचंडी यज्ञ व अन्न प्रसाद में उपस्थित तिलक सक्सेना, धीरज सक्सेना, संकीनेनी परिवार, धीरज जैन, नरेश पारेख, रिद्धीश जागीरदार एवं अन्य।

राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा आज से 3 जिलों का 2 दिवसीय आधिकारिक दौरा करेंगे

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा 24 और 25 अक्टूबर को सूर्यपेट, भद्राद्री-कोठागुडेम और खम्मम जिलों का दो दिवसीय आधिकारिक दौरा करेंगे।

इस यात्रा का उद्देश्य क्षेत्र के भूगोल, संस्कृति और स्थानीय लोगों के जीवन की गहरी समझ को बढ़ावा देना है, साथ ही विकास को आगे बढ़ाने में राज्य और केंद्र दोनों सरकारों के सहयोगात्मक प्रयासों को मजबूत करना है।

अपने यात्रा कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, राज्यपाल विभिन्न विकास पहलों और कल्याण

कार्यक्रमों की प्रगति पर जिला अधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

इसके अलावा, वह प्रसिद्ध लेखकों, कलाकारों और राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं सहित अन्य प्रतिष्ठित हस्तियों के साथ बातचीत करेंगे और सांस्कृतिक प्रगति में उनके योगदान को स्वीकार करेंगे।

इस यात्रा में राज्यपाल के साथ राज्यपाल के प्रधान सचिव बुर्रा वेंकटेशम, संयुक्त सचिव जे. भवानी शंकर तथा राजभवन के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी रहेंगे।

बस के खाई में गिरने से 25 यात्री घायल

कडप्पा, (आंध्र प्रदेश) 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेश के वाईएसआर जिले के पुलिवेंदुला में बुधवार को आंध्रप्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (एपीएसआरटीसी) की एक बस के खाई में गिर जाने से कम से कम 25 यात्री घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि बस कादिरी से पुलिवेंदुला जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ।

पुलिवेंदुला शहर के बाहरी इलाके में डंपिंग यार्ड के पास विपरीत दिशा से आ रहे वाहन से टक्कर से बचने के लिए चालक ने अचानक ब्रेक लगाया, जिससे बस नियंत्रण खो बैठी और गहरी खाई में जा गिरी। बस में सवार 25 यात्रियों को अलग-अलग चोटें आईं। घायलों को जीजीएच में भर्ती कराया गया, जहां दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। एमएलसी भूमिरेड्डी रामगोल रेड्डी और नगरपालिका अध्यक्ष वारा प्रसाद ने अस्पताल में घायलों से मुलाकात की।

तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हाइड्रा के विध्वंस पर पूरी तरह रोक लगाने से किया इनकार

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और न्यायमूर्ति जे. श्रीनिवास राव की अध्यक्षता वाली दो न्यायाधीशों की पीठ ने बुधवार को हाइड्रा और मुसी नदी सौंदर्यीकरण परियोजना से संबंधित विध्वंस पर पूरी तरह रोक लगाने की मांग वाली एक जनहित याचिका में अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया।

राज्य के अतिरिक्त महाधिवक्ता इमरान खान द्वारा दिए गए वचन के बाद अदालत का यह फैसला आया।डॉ. के.ए. पॉल ने व्यक्तिगत रूप से अदालत को संबोधित करते हुए अभूतपूर्व विध्वंस से प्रभावित लोगों की पीड़ा और पीड़ा व्यक्त की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हाइड्रा द्वारा 462 से अधिक संरचनाओं को ध्वस्त किया गया, जिससे इन व्यापक अभियानों के दौरान कानून के शासन के पालन पर सवाल उठे। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता ने प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया की रिपोर्टों पर बहुत अधिक भरोसा किया।

अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक आयोजित

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा की कार्यकारिणी बैठक मलकपेट स्थित भाग्यलक्ष्मी ढाबा में आयोजित की गई।

शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक सर्वप्रथम महाराजा श्री अग्रसेनजी की पूजा व सामूहिक प्रार्थना के पश्चात अध्यक्ष पंकज कुमार संघी ने उपस्थित सभी सदस्यों का अभिनंदन किया । मानद मंत्री प्रदीप बंसल ने गत माह में आयोजित कार्यक्रमों का विवरण दिया तथा सहयोग देने वाले संयोजकों तथा अन्य सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

बैठक यह निर्णय लिया गया कि शाखा द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर आगामी रविवार 17 नवंबर 2024 को प्रातः 11.00 बजे से साधारण सभा, दीपावली स्नेह मिलन व अन्नकूट प्रसाद का

आयोजन किया जाएगा।

अवसर पर शाखा के मेधावी छात्र-छात्राओं को रजत पदक व सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। जिन विद्यार्थियों ने दसवीं, इंटर, स्नातक की परीक्षा में 2024 में 85% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं एवं स्नातकोत्तर व अन्य किसी भी व्यवसायिक परीक्षा में उत्तीर्णता हासिल की हो वह अपने प्रमाण पत्र की प्रतिलिपि कार्यक्रम संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल अथवा शाखा के अध्यक्ष के पास भिजवा सकते हैं । प्रति वर्षानुसार युवा मोर्चा द्वारा आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत जनवरी 2025 को श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन भी किया जाएगा।

इस अवसर पर शाखा के अध्यक्ष पंकज कुमार संघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, मंत्री प्रदीप बंसल,संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सतनारायण मोदी,परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, चंद्रमोहन मोहन अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, सुरेश कुमार गोयल,श्यामलाल गोयल, दीपक अग्रवाल, गोपालदास मोदी, नितिन अग्रवाल तथा युवा मोर्चा की अध्यक्ष निश्चिंत अग्रवाल उपस्थित थे। बैठक का समापन संयुक्त मंत्री शैलेश अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन तथा सहभोज के साथ हुआ।

समर्पण का भाव होना चाहिए : सतीश गुप्ता

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे राधे ग्रूप हैदराबाद के संयोजक सतीश गुप्ता ने नियमित अन्नदान करने की जानकारी देते हुए कहा कि यह सच है कि बचपन से हमें सिखाया जाता है कि सेवा और प्रसाद का महत्व होता है। जब हम सेवा करते हैं या प्रसाद बांटते हैं, तो उसका एक अंश स्वयं भी ग्रहण करना चाहिए। यह हमारी आस्था और कृतज्ञता का प्रतीक होता है और इसका महत्व इस बात में है कि हम परमात्मा के दिए हुए आशीर्वाद और कृपा को सभी के साथ साझा करते हैं, साथ ही उसे स्वयं भी स्वीकारते हैं।नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के समीप राधे राधे ग्रूप द्वारा जारी नियमित अन्नदान सेवा में बुधवार की सेवा श्रद्धा अग्रवाल के जन्मदिन पर (गोयल फार्मा गोयल ड्रग्स,हैदराबाद) की ओर से की गई। गुप्ता ने कहा कि यह परंपरा हमें सिखाती है कि सेवा और दान में विनम्रता और समर्पण का भाव होना चाहिए, और प्रसाद में ईश्वर का आशीर्वाद होता है, जिसे ग्रहण करने से हमें आत्मिक शांति और संतोष मिलता है। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, सतीश गुप्ता, आशा अग्रवाल,मनीष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, संजय अग्रवाल, सविता अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल, सुशील गुप्ता,शीतल गुप्ता,जगत नारायण अग्रवाल,धीरज अग्रवाल नीतू आदि उपस्थित थे।

बंजारा हिल्स स्थित के.बी.आर. में इच्छापूर्ति गणेश भगवान की पूजा-अर्चना करते हुए राजेंद्र कुमार अग्रवाल, विमला अग्रवाल, मोहन मित्तल, गोपाल बलदेव, राहुल सिंहल, राजेंद्र प्रसाद, शंकर लाल अग्रवाल, सी.ए. सुरेश कुमार अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, पी.सी. जैन, विजय तुंबी, अशोक लाखोटिया, प्रमोद सरायवाला, अशोक सरायवाला, मगन सरायवाला, विजय कुमार अग्रवाल, विनोद टिकमानी, राजेंद्र इनानी, डॉ. राधा कृष्ण आदि उपस्थित थे।

कुत्ते को भगाने की कोशिश में युवक होटल की तीसरी मंजिल से गिरा, मौत

तेलंगाना, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में दोस्तों की ट्रिप दुखद हो गई, जब ग्रुप का एक सदस्य होटल की खिड़की से गिर गया और उसकी मौत हो गई। उदय कुमार (22) शहर के वीवी प्राइड होटल में एक बर्थडे पार्टी में शामिल होने गया था, तभी वह होटल की तीसरी मंजिल से गिर गया और उसकी मौत हो गई। 21 अक्टूबर की आधी रात को उदय अपने कमरे से बाहर निकला और लॉबी की ओर चला गया, जहां उसे एक कुत्ता दिखाई दिया। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि कुत्ता होटल की तीसरी मंजिल पर कैसे पहुंचा जो वहां पर खुलेआम घूम रहा था। अपने सामने कुत्ते को देखकर उदय ने पहले तो उसे भगाने की कोशिश की। बाद में ऐसा लगा कि वह कुत्ते के साथ-साथ खेल-खेल में दौड़ रहा था। लॉबी में लगे सीसीटीवी कैमरे ने इस दुखद घटना को रिकॉर्ड कर लिया। जो तेजी से वायरल हो गया। इसमें उदय को खेल-खेल में कुत्ते का पीछा करते या उसे अपने रास्ते से हटाने की कोशिश करते हुए दिखाया गया है, लेकिन दुर्भाग्य से वह खुली खिड़की से गिर गया।

सीसीटीवी फुटेज में उदय के गिरने के तुरंत बाद खिड़की के पास अन्य दोस्तों को इकट्ठा होते हुए देखा जा सकता है, जो इस बात से हैरान और चिंतित थे कि आखिर क्या हुआ था।

युवक को गंभीर चोटें आईं और नजदीकी अस्पताल में उसकी मौत हो गई। उसकी पहचान ज्योति नगर इलाके के निवासी के रूप में हुई, जो आरसी पुरम का पड़ोस बताया जाता है। यह देखते हुए कि यह घटना चंदननगर स्थित होटल में हुई थी, स्थानीय पुलिस ने मामले की जांच की और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 (संदिग्ध मौत) के अनुसार संदिग्ध मौत का मामला दर्ज किया।

राजस्थानी ब्राह्मण समाज निजामाबाद द्वारा सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजस्थानी ब्राह्मण समाज निजामाबाद द्वारा हैदराबाद से सिखवाल समाज के वरिष्ठ समाज सेवी एवं विप्रो फाउंडेशन जॉन 16 तेलंगाना व राजस्थानी ब्राह्मण सभा हैदराबाद सिकंदराबाद के महासचिव रामदेव नागला के निजामाबाद आगमन पर समाज के अध्यक्ष अशोक मुंडेल दायमा, महासचिव जुगल किशोर पांडिया व उपाध्यक्ष सत्यनारायण नागला ने उनका शॉल व माला से सम्मान किया। रामदेव नागला ने बैठक में निजामाबाद में राजस्थानी ब्राह्मण समाज की पदाधिकारीयों को विप्र फाउंडेशन्र से पुनः जुड़कर निजामाबाद चैप्टर बनाने की अपील की जिससे सभी ने सहर्ष स्वीकार किया और निर्णय लिया गया कि दीपावली के बाद पदाधिकारियों को जोड़कर चैप्टर बनाया जाएगा।

बुधवार को आयोजित बैठक में संरक्षक सीताराम पांडिया, घनश्याम उपाध्याय, विनोद पांडिया, नितिन मुंडेल,पवन व्यास, अनिल इटोदिया, राजेश पुरोहित, भगवान नागला, सुनील दायमा, बद्रीनारायण नागला, कैलाश तिवारी, जगदीश कोलरिया, बालकिशन कोलरिया, जगदीश नागला, महेंद्र नागला आदि उपस्थित थे। नागला ने पधारे सभी विप्र बंधुओं का आभार प्रकट किया। महासचिव जुगल किशोर पांडे के धन्यवाद ज्ञापन से बैठक सम्पन्न हुई।

महज 35 दिनों में 2.4 करोड़ रुपये मूल्य के 800 मोबाइल फोन बरामद किए

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। महज 35 दिनों के अंतराल में साइबराबाद पुलिस ने 2.40 करोड़ रुपए मूल्य के 800 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जो या तो खोए हुए थे या चोरी हो गए थे। सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर पोर्टल की मदद से बरामद किए गए फोन बुधवार को उनके मालिकों को सौंप दिए गए। इन फोन में से 135 माधापुर सीसीएस, 140 बालानगर सीसीएस, 101 मेडचल सीसीएस, 133 राजेंद्रनगर सीसीएस, 72 शमशाबाद सीसीएस, 105 मेडचल जोन और 101 आईटी सेल द्वारा बरामद किए गए। साइबराबाद डीसीपी (क्राइम) के नरसिम्हा ने चोरी की वस्तुओं की खरीद या बिक्री से बचने के महत्व पर जोर दिया, क्योंकि यह एक दंडनीय अपराध है। अपनी संपत्ति की रक्षा करें और लापरवाही से बचें।साइबर अपराध बढ़ रहे हैं, और धोखेबाज व्यक्तियों को ब्लैकमेल करने के लिए अनुचित वीडियो कॉल करने जैसी रणनीति का उपयोग कर रहे हैं।

उन्होंने लोगों को यूपीआई धोखाधड़ी के बारे में चेतावनी दी और मोबाइल डिवाइस को संभालते समय सावधानी बरतने का आग्रह किया, खासकर संदिग्ध लिंक से बचने का। डीसीपी ने लोगों को अपने नजदीकी पुलिस स्टेशन या सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सीईआईआर पोर्टल के इस्तेमाल से चोरी हुए फोन के दुरुपयोग को रोका जा सकता है और तेजी से रिकवरी सुनिश्चित की जा सकती है।

असामाजिक तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी : डीजीपी

सिद्दीपेट, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डीजीपी डॉ. जितेन्द्र ने सक्रिय पुलिसिंग का आह्वान किया और असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की। डीजीपी ने बुधवार को अलग-अलग पुलिस अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की और जिले के प्रत्येक पुलिस स्टेशन में दर्ज गंभीर और गैर-गंभीर मामलों की जानकारी ली।

समय पर आरोप पत्र दाखिल करने के महत्व को रेखांकित करते हुए डॉ. जितेन्द्र ने कहा कि अगर आरोपियों को न्याय के कटघरे में लाया जाता है तो लोगों का पुलिस विभाग पर भरोसा बना रहेगा।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों को दुर्घटना स्थलों की निगरानी करने का भी निर्देश दिया और बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट पर आवश्यक कदम उठाने की मांग की। इस अवसर पर आईजी एस. चन्द्रशेखर रेड्डी, पुलिस आयुक्त डी.बी. अनुराधा और अन्य लोग मौजूद थे।

गोशामहल में सड़क धंसने से दहशत

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। गोशामहल में चकनावाड़ी के पास नाले के किनारे सड़क का एक हिस्सा बुधवार सुबह अचानक धंस गया, जिससे स्थानीय लोगों और यात्रियों में दहशत फैल गई। हालांकि, इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। बड़ी संख्या में लोग जमा हो गए और पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम के अधिकारी घटना का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि सड़क का हिस्सा किस वजह से धंसा।

सीआईडी ने शराब भट्टियों पर छापेमारी की

विजयवाड़ा, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारियों ने आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में शराब की भट्टियों में तलाशी अभियान चलाया और पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के तहत शराब की आपूर्ति और बिक्री के बारे में जानकारी एकत्र की। एनडीए सरकार ने पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान शराब के निर्माण और बिक्री की गहन जांच करने का फैसला किया, क्योंकि कई आरोप थे कि खराब गुणवत्ता वाली शराब बेची गई थी जो उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकती थी।सीआईडी अधिकारियों ने एनटीआर जिले, कृष्णा, नेल्लोर, अंकापल्ली, कडपा, प्रकाशम, तिरुपति, चित्तूर और अन्य जगहों पर भट्टियों में तलाशी ली और कर्मचारियों से बात की।

उन्होंने अनकापल्ली जिले के रेनीगुंटा, कासिमकोटा गांव, प्रकाशम जिले के सिंगरायकोंडा, एनटीआर जिले के कांचीकाचारला में भट्टियों में तलाशी ली।सीआईडी अधिकारियों ने कर्मचारियों से मजेफ(जगन) ब्रांड की शराब की बिक्री के बारे में जानकारी एकत्र की।

सीआईडी अधिकारियों ने नंद्याल, कडपा, चित्तूर और अन्य जिलों में भट्टियों में भी तलाशी ली।शराब पीने वालों को अजीबोगरीब और अज्ञात ब्रांड के नाम पर बेची जाने वाली घटिया शराब पीने के बाद कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ा, जबकि सभी लोकप्रिय ब्रांड राज्य से बाहर कर दिए गए। अधिकारियों ने पहले आंध्र प्रदेश बेवरेजेज कॉरपोरेशन लिमिटेड (एपीबीसीएल) और आबकारी आयुक्त के कार्यालय से जानकारी एकत्र की और डिस्टिलरी में उपलब्ध रिकॉर्ड की तुलना कर रहे हैं।

एनडीए नेताओं ने आरोप लगाया है कि वाईएसआरसीपी के शासन में शराब माफिया ने सत्ताधारी पार्टी के नेताओं के नेतृत्व में शराब का कारोबार करके हजारों करोड़ रुपये कमाए।

भारतीय वायुसेना में अग्निवीर वायु पदों के चयन के लिए जागरूकता सेमिनार आयोजित

अधिकारियों ने बतायें नियम और दिया सुझाव

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेट्कुर-युवा कल्याण विभाग एवं कर्नूल जिला (आंध्र प्रदेश) रोजगार कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में सुबह 10.30 बजे सिल्वर जुबली गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज और शाम 4 बजे केवीआर गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज में सिकंदराबाद से आये 12-एयरमैन सेलेक्शन सेंटर के कॉर्पोरल अधिकारी संदीप और सुरिंदर सिंह के नेतृत्व में अग्निपथ/अग्निवीर वायु चयन के लिए जागरूकता सेमिनार आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि यह सेमिनार इंटरमीडिएट छात्र, जिनकी आयु 17 1/2 वर्ष से 21 वर्ष के बीच है, उनके लिए है। चयनित छात्रों को चार साल की अवधि के लिए अग्निपथ/अग्निवीर पद पर नियुक्त किया जाएगा। पहले ऑनलाइन टेस्ट और बाद में शारीरिक स्वास्थ्य परीक्षण आयोजित किया जाएगा।

अधिकारियों ने आगे कहा कि चयनित अग्निपथ/अग्निवीर उम्मीदवारों को प्रथम वर्ष 30,000 रुपये, दूसरे वर्ष 33,000, तृतीय वर्ष 36,500 और चौथे वर्ष 40000/- वेतन दिया जायेगा। चार वर्ष की सेवा के बाद 25 फीसदी उम्मीदवारों को पूर्णकालिक सेवा में लिया जायेगा। शेष 75 फीसदी उम्मीदवारों को डिग्री प्रमाण पत्र के साथ-साथ उनके वेतन में 4 साल तक की गई कटौती रकम और सरकार की ओर से कॉर्पस फंड के साथ लगभग 11.50 लाख का भुगतान किया जाएगा। साथ ही कई सरकारी विभागों में नौकरियों के लिए आरक्षण भी दिया जाएगा।

इस अवसर पर सेट्कुरूयुवा कल्याण विभाग की सीईओ दीप्ति ने कहा कि अग्निपथ योजना के तहत हर साल भारत की तीन सशस्त्र सेनाओं थल सेना, वायु सेना और नौसेना में चयन कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

उन्होंने पात्र छात्रों से इस अवसर का लाभ उठाने का सुझाव दिया। इस सेमिनार में सिल्वर जुबली एवं केवीआर कॉलेज के प्राचार्य वी. वी. सुब्रह्मण्य कुमार, कनिष्ठ रोजगार अधिकारी सोमा शिवा रेड्डी, केवीआर कॉलेज की उप प्राचार्य देविका रानी, बी कैंप वोकेशनल जूनियर कॉलेज के प्राचार्य नागा स्वामी नाइक, केवीआर कॉलेज जेकेसी समन्वयक एस एम बाशा, सेट्कुर संघटन के स्टॉफ श्याम बाबू, श्रीनिवास सिंह और अन्य ने भाग लिया।

आरपीएफ़ ने निसाद राम सनाई की हत्या का मामला सुलझाया, संदिग्ध को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजकीय रेलवे पुलिस ने रेलवे सुरक्षा बल के साथ मिलकर बुधवार को संपत्ति के अपराधी निसाद राम सनाई उर्फ कनाड़ा राजू (37) की हत्या का मामला सुलझाया और हत्या से जुड़े एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान मेट्टूगुडा के सेंटरिंग कर्मचारी सुभाष बहेश्वर (39) के रूप में हुई है, जो मध्य प्रदेश का रहने वाला है। अधिकारियों के अनुसार, सुभाष निसाद राम से रंजिश रखता था, क्योंकि पिछले कुछ दिनों से वह

पैसे के लिए गाली-गलौज और मारपीट कर रहा था। उसने उसे खत्म करने का फैसला किया और मौके का इंतजार करने लगा।

20 अक्टूबर को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 के पास एक सुनसान जगह पर सुभाष ने निसाद राम से बहस की और उस पर डंडे से हमला कर दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अपराध करने के बाद वह डर के कारण कुछ दिनों तक अपने कमरे में ही रहा। जीआरपी और आरपीएफ ने जांच शुरू की और पीड़ित की पहचान उसके फिंगरप्रिंट विश्लेषण की मदद से की। उसे पहले भी संपत्ति के अपराध में गिरफ्तार किया गया था और जेल भेजा गया था। विशेष टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच की और संदिग्ध की पहचान की। सूचना के आधार पर उसे सीताफलमंडी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया।

साइबर जालसाजों ने गृहिणी से 3.6 लाख रुपए ठगे

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर की एक गृहिणी साइबर ठगों के जाल में फंसकर हाल ही में 3.60 लाख रुपये की ठगी का शिकार बन गई। 32 वर्षीय गृहिणी से ठगों ने व्हाट्सएप संदेश के जरिए संपर्क किया और निवेश के अवसर के बारे में बताया, जिससे उन्हें विश्वास हो गया कि वे अच्छा खासा मुनाफा कमा सकती हैं। उनके बहकावे में आकर पीड़िता ने ठगों द्वारा बताए गए बैंक खाते में 3.6 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए और हार गई। साइबर अपराध अधिकारियों के अनुसार, पैसे ट्रांसफर करने के बाद ठगों ने उन्हें बताया कि फंड अस्थायी रूप से रोक दिया गया है, लेकिन उन्हें आश्वासन दिया कि वे 15 दिनों में पैसे निकाल सकती हैं।उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वे प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए अतिरिक्त फंड ट्रांसफर करें। हालांकि, पीड़िता को संदेह हुआ और उसने आगे कोई भुगतान करने से परहेज किया। पूछताछ करने पर, उसे पता चला कि ठग एक वैध कंपनी के नाम और विवरण का उपयोग निर्दोष लोगों को ठगने के लिए कर रहे थे। एक साइबर अपराध अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा, वे 80-100 सदस्यों वाला एक व्हाट्सएप ग्रुप भी चला रहे थे, जो सभी इसी तरह की धोखाधड़ी वाली योजनाओं में शामिल प्रतीत होते हैं। साइबर अपराध के खिलाफ शिकायत करने के लिए, 1930 डायल करें या लूलशीलीळाश.सीं.ळप पर जाएँ और साइबर अपराध धोखाधड़ी की आपात स्थिति में, 8712665171 पर कॉल या व्हाट्सएप करें।

मंचेरियाल पुलिस द्वारा मेगा रक्तदान शिविर आयोजित

मंचेरियाल, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल टाउन पुलिस स्टेशन परिसर में रेड क्रॉस सोसाइटी के सहयोग से मंचेरियाल सब डिवीजन पुलिस द्वारा मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। पुलिस शहीद स्मृति सप्ताह के तहत शहीदों के सम्मान में आईपीएस श्रीनिवास (आईजी) ने फीता काटकर शिविर का शुभारंभ किया। बाद में सीपी ने कहा कि शहीदों ने समाज के लिए, देश के लिए और कल की पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के लिए अपने प्राणों की आहुति दी और कहा कि उनके

बलिदानों का मूल्य नहीं आंका जा सकता। उन्होंने कहा कि शहीदों के बलिदान के फलस्वरूप आज देश एवं प्रदेश के सभी लोग शांति से जीवन यापन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान एक समाज सेवा कार्यक्रम है और कठिन परिस्थितियों तथा हमेशा खतरे में पड़ी जान बचाने के लिए यह बहुत उपयोगी है। थैलेसीमिया, कैंसर, आपातकालीन चिकित्सा रोगियों, रक्त कैंसर रोगियों, हीमोफिलिया, दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल लोगों आदि से पीड़ित लोगों के लिए रक्तदान एक सामाजिक सेवा है, जिन्हें रक्त की अधिक आवश्यकता होती है, हर किसी को ऐसी सामाजिक सेवाओं में भाग लेना चाहिए और जीवन बचाने में मदद करना चाहिए। बाद में सीपी ने रक्तदान करने वालों को प्रशस्ति पत्र देकर बधाई दी।

उक्त कार्यक्रम में मंचेरियाल डीसीपी बास्कर, मंचेरियाल एसीपी प्रकाश, टाउन इंस्पेक्टर प्रमोद राव, ग्रामीण सर्कल इंस्पेक्टर अशोक कुमार, लक्सेटीपेट सर्कल इंस्पेक्टर नरेंद्र, महिला पुलिस स्टेशन इंस्पेक्टर एव नरेश कुमार, रेड क्रॉस एसोसिएशन के अध्यक्ष भास्कर रेड्डी, सचिव महेंद्र, सब-डिवीजन एस्सिल्स, पुलिस कर्मियों ने भाग लिया।

160 सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के निलंबन पर विरोध प्रदर्शन शुरू

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिजिटल फसल सर्वेक्षण में भाग न लेने के कारण 160 कृषि विस्तार अधिकारियों (एईओ) के निलंबन ने कृषि विभाग में जमीनी स्तर पर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। एईओ की राज्य समिति ने तत्काल कार्रवाई का आह्वान किया है।

विभाग के सभी 2600 एईओ से अपने निलंबित सहयोगियों के साथ एकजुटता दिखाने का आग्रह किया गया है। समिति ने जोर देकर कहा है कि निलंबित एईओ का मुद्दा सभी का मुद्दा बन सकता है।एईओ की राज्य समिति ने सभी सदस्यों से इस संघर्ष के महत्व को पहचानने की अपील की, उनके अधिकारों की रक्षा करने और उनकी सामूहिक चिंताओं को दूर करने की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्ययोजना तय करने के लिए समिति आयुक्त कार्यालय में बैठक कर रही है। समिति के नेता संबंधित मंत्री, सचिव और आयुक्त से मिलेंगे और उन्हें एईओ की चिंताओं से अवगत कराएंगे, जो पहले से ही अपने कार्यभार से परेशान हैं।

जमीन अधिग्रहण का काम जल्द पूरा किया जाए : हरिचंदना

मंचेरियाल , 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सड़क भवन और परिवहन सचिव दसारी हरिचंदना ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य जल्द ही पूरा किया जाए। हैदराबाद से राष्ट्रीय राजमार्ग 163 जी एवं 63 से संबंधित भूमि अधिग्रहण की प्रगति पर राष्ट्रीय राजमार्ग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ संबंधित जिलों के कलेक्टरों एवं राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मंचेरियाल वरंगल, खम्मम-विजयवाड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण के लिए 1,383 हेक्टेर भूमि और आर्मोर-जगित्याला, मंचेरियाल राष्ट्रीय राजमार्ग-63 के निर्माण के लिए 536.9 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण करना होगा।

उन्होंने कहा कि कलेक्टर होने के नाते वे किसानों से सीधे चर्चा करें और सुनिश्चित करें कि बेहतर मुआवजा मिले। कलेक्टर कुमार दीपक ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग 163जी के निर्माण के तहत जिले में 110 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया जाना है जबकि 83 हेक्टेयर जमीन पहले ही हस्तांतरित की जा चुकी है।

आईएएस अधिकारी अमॉय कुमार ईडी के समक्ष पेश हुए

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अमॉय कुमार बुधवार को एक वकील के साथ पूछताछ के लिए प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुए। एजेंसी महेश्वरम मंडल के नगरम में सर्वे नंबर 181 में भूदान में एक भूखंड सौंपने की जांच कर रही है, जिसकी कीमत सौ करोड़ रुपये है। अमॉय कुमार पिछली बीआरएस सरकार के कार्यकाल के दौरान रंगारेड्डी और मेडचल मलकाजगिरी जिलों के कलेक्टर थे। वे वर्तमान में पशुपालन विभाग में संयुक्त सचिव हैं।

दो दिन में 80 उड़ानों को फिर मिली फर्जी धमकी

नौ दिन में विमानन कंपनियों को 600 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। विमानों को बम से उड़ाने की लगातार मिल रही धमकियों के कारण विमानन कंपनियों को भीषण नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। विमानन कंपनियों के मुताबिक, उड़ानों में व्यवधान के कारण बीते नौ दिन में लगभग 600 करोड़ रुपए का घाटा होने का अनुमान है। औसतन एक घरेलू उड़ान में व्यवधान से लगभग 1.5 करोड़ रुपए का खर्च आता है, जबकि एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान में यह खर्च लगभग 5-5.5 करोड़ रुपए होता है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के कारण होने वाली औसत लागत लगभग 3.5 करोड़ रुपए है। इस तरह 170 से अधिक उड़ानों में व्यवधान से करीब 600 करोड़ रुपए खर्च या घाटा होने का अनुमान है। विमान या हवाईअड्डे पर बम की धमकी मिलने की स्थिति में बम धमकी आकलन समिति (बीटीएसी) के प्रोटोकॉल में बदलाव किया गया, ताकि विभिन्न भारतीय एयरलाइनों को इंटरनेट पर लगातार मिल रही धमकियों से बेहतर तरीके से निपटा जा सके।

बीती रात को दिल्ली, मुंबई, जयपुर, पुणे, मंगलूरू, बेंगलुरु और कोझिकोड के सात हवाईअड्डों पर एकत्रित हुई बीटीएसी ने तीन एयरलाइनों एयर इंडिया, विस्तारा और इंडिगो की 30 उड़ानों को भेजी गईं धमकियों को झूठा या अस्पष्ट बताया। सीआईएसएफ और संबंधित एयरलाइन सुरक्षा एजेंसियों को यात्रियों, उनके सामान और विमान की तलाशी के लिए केंद्रित सुरक्षा प्रोटोकॉल सुनिश्चित करने के लिए भी कहा गया है, ताकि उड़ान की तैयारी करते समय कोई भी चूक न रह जाए।

मंगलवार को 80 घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बम की फर्जी धमकी मिली। सोमवार रात तक 30 विमानों को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थीं। इसके चलते जेद्दा जा रही इंडिगो की तीन उड़ानों को सऊदी अरब व कतर में उतारना पड़ा। बीते दस दिनों में करीब दो सौ विमानों में बम की धमकी मिल चुकी है। एअर इंडिया और इंडिगो की क्रमशः 23 एवं 23, विस्तारा की 21 और अकासा की 12 से अधिक उड़ानों को धमकी मिली। इंडिगो की बेंगलुरु से जेद्दा उड़ान को कतर की राजधानी दोहा, कोझिकोड से जेद्दा उड़ान को सऊदी अरब के रियाद और दिल्ली से जेद्दा उड़ान को मदीना की ओर मोड़ दिया गया। जिन अन्य उड़ानों में धमकी मिली, उनमें दिल्ली से दम्मम, इस्तांबुल से मुंबई, इस्तांबुल से दिल्ली, मंगलूरू से मुंबई, अहमदाबाद से जेद्दा, हैदराबाद से जेद्दा, लखनऊ से पुणे की उड़ान शामिल हैं। विमानन कंपनियों ने कहा, सुरक्षा एजेंसियों की ओर से तय सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन किया जा रहा है। दिल्ली पुलिस ने 90 से अधिक उड़ानों में बम की धमकी मामले में आठ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर तीन अकाउंट से धमकी वाले संदेश पोस्ट किए गए थे। दिल्ली पुलिस की साइबर सेल एक्स व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ऐसी गतिविधियों पर नजर रख रही है।

झारखंड में बोले असम के सीएम हिमंत बिस्व सरमा

भाजपा जीती तो राम या कृष्ण के नाम पर होगा हुसैनाबाद

मेदिनीनगर (झारखंड), 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री एवं झारखंड चुनाव में सह-प्रभारी हिमंत बिस्व सरमा ने कहा, राज्य से घुसपैठियों को बाहर निकालना सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा, हुसैनाबाद को निश्चित रूप से नया जिला बनाया जाएगा। इसे भगवान राम या कृष्ण के नाम पर रखा जाएगा।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने कहा कि अगर भाजपा झारखंड में विधानसभा चुनाव जीतती है, तो हुसैनाबाद उप-मंडल को एक नया जिला बनाया जाएगा और इसका नाम भगवान राम या कृष्ण के नाम पर रखा जाएगा। सरमा ने कहा, राज्य से घुसपैठियों को बाहर निकालना पार्टी की प्राथमिकता होगी। उन्होंने यह भी बताया कि हुसैनाबाद को नए सरकार की पहली मंत्रिमंडल की बैठक में अलग जिला घोषित किया जाएगा।

भाजपा नेता हिमंत बिस्व सरमा जापला के कर्पूरी ग्राउंड में एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने भाजपा के उम्मीदवार कमलेश सिंह के लिए वोट मांगे। कमलेश सिंह झारखंड में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के एकमात्र विधायक थे, जो चार अक्टूबर को भाजपा में शामिल हो गए थे। हुसैनाबाद को अलग जिला बनाने की मांग लंबे समय से उठ रही है। कमलेश सिंह ने पिछले साल एक नवंबर को हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था, क्योंकि उनकी मांग पूरी नहीं हुई थी। रैली में सरमा ने आरोप लगाया कि झारखंड में बांग्लादेशी घुसपैठियों के कारण जनसांख्यिकीय बदलाव आ रहा है। लेकिन सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा इस मुद्दे पर चुप है, क्योंकि यह उनके वोट बैंक का हिस्सा है। सरमा ने कहा, घुसपैठियों को बाहर निकालना भाजपा की प्राथमिकता है। हम झारखंड से बांग्लादेशी घुसपैठियों को बाहर निकालने के लिए राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) को लागू करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि झारखंड के संथाल परगना क्षेत्र में हिंदू जनसंख्या घट रही है। जबकि बांग्लादेशी घुसपैठियों की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि झारखंड को वहीं स्थिति का सामना करना पड़ सकता है, जो आज असम को करना पड़ रहा है।

अनाज मंडियों में जगह नहीं, सड़कों पर रख रहे धान की फसल

फतेहाबाद (हरियाणा), 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस बार जिले में धान की खरीद में देरी होने के कारण मंडियों में खरीद और उठान की स्थिति में अभी तक सुधार नहीं हो सका है। मंडियां धान की फसल से पूरी तरह अट चुकी हैं। किसानों और आढ़तियों को मंडियों में फसल रखने की जगह नहीं मिल पा रही है। ऐसे में फतेहाबाद की नई अनाज मंडी के बाहर हजारों धान के बैग रखे हुए हैं। जिनका उठान पिछले कई दिनों से नहीं हो सका है। जिले में अभी भी 38 फीसदी उठान बाकी है।

बुधवार को नई अनाज मंडी में धान की फसल लेकर पहुंचे किसान देवेंद्र, अमर सिंह, पाला राम, श्रीचंद, मनफूल सिंह और ओमप्रकाश आदि ने बताया कि ठंड की शुरुआत होने के साथ ही अब ओस गिरनी शुरू हो गई है। इससे धान की फसल में नमी की मात्रा बढ़ रही हैं। किसान मंडियों में धान की फसल को नहीं बेच पा रहे हैं और व्यापारी किसानों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए फसल को एमएसपी से सस्ते भाव में खरीद रहे हैं।

जिले में अभी तक कुल धान की खरीद 273703 मीट्रिक टन हुई है। इसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग ने 3468 किसानों की 60933 मीट्रिक टन, हैफेड ने 6824 किसानों की 88557 मीट्रिक टन तथा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन ने 7940 किसानों की 124213 मीट्रिक टन धान की खरीद की है। जिले में कुल धान की फसल का उठान 169832 मीट्रिक टन किया गया है। इसमें से खाद्य आपूर्ति विभाग ने 4188 मीट्रिक टन, हैफेड ने 56727 मीट्रिक टन तथा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन ने 7217 मीट्रिक टन धान का उठान किया है। अभी तक किसानों को धान की फसल बेचने पर 363.94 करोड़ रुपए राशि का भुगतान किया जा चुका है।

वहीं, अनाज मंडी व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू ने कहा कि खरीद एजेंसियों की ओर से धान की फसल के उठान में तेजी नहीं लाई जा रही है। इस कारण मंडियों में धान की फसल रखने में दिक्कत आ रही है। खरीद एजेंसियों को उठान में तेजी लानी चाहिए ताकि किसानों और आढ़तियों को अनाज खरीद और उठान को लेकर किसी भी प्रकार की कोई परेशानी का सामना न करने पड़े।

सनातन को मिटाने वाले बयान पर स्टालिन पुत्र कायम

उदयनिधि ने माफी मांगने से किया इन्कार

चेन्नई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने अपने बयान पर माफी मांगने से इनकार कर दिया है, जिसमें उन्होंने सनातन धर्म को समाप्त करने की बात कही थी। उन्होंने कहा कि उनके बयान का उद्देश्य महिलाओं के प्रति कथित दमनकारी प्रथाओं पर सवाल उठाना था। डीएमके नेता का कहना है कि उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया गया, जिससे सितंबर 2023 में विवाद खड़ा हुआ था।

एक कार्यक्रम में उदयनिधि ने कहा कि उन्होंने पेरियार, पूर्व मुख्यमंत्री सीएन अन्नादुरई और एम. करुणानिधि जैसे द्रविड़ नेताओं के विचारों को दोहराया है। उन्होंने कहा, महिलाओं को पढ़ने की अनुमति नहीं थी। उन्हें घर से बाहर जाने की आजादी नहीं थी और अगर उनके पति का निधन हो जाता था, तो उन्हें भी मरना पड़ता था। थंथाई पेरियार ने इन सबके खिलाफ आवाज उठाई थी। मैंने वही कहा जो पेरियार, अन्ना और कलाईनार ने कहा था।

सितंबर 2023 में, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के बेटे उदयनिधि ने तब विवाद खड़ा कर दिया जब उन्होंने सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से की और कहा कि इसे सिर्फ विरोध नहीं करना चाहिए, बल्कि समाप्त कर देना चाहिए। एक सनातन उन्मूलन सम्मेलन में, उन्होंने तर्क दिया कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है। उनके इस बयान पर

खासकर भाजपा और हिंदू संगठनों ने तीखा विरोध जताया और उनके खिलाफ कई कानूनी मामले दर्ज किए गए।

उदयनिधि का कहना है, मेरे शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया। न केवल तमिलनाडु में, बल्कि मेरे खिलाफ पूरे भारत में कई अदालतों में मामले दर्ज किए गए। मुझसे माफी मांगने को कहा गया, लेकिन मैं अपने बयान पर कायम हूं। मैं कलाईनार का पोता हूं और माफी नहीं मांगूगा। उन्होंने कहा कि वे सभी कानूनी मामलों का सामना करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में हिंदी थोपने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में तमिलनाडु के राज्य गीत में कुछ शब्दों को जानबूझकर हटाया गया है, जिससे विवाद पैदा हुआ है। उदयनिधि ने कहा, मैं नवविवाहितों से अनुरोध करता हूं कि वे अपने बच्चे के लिए एक सुंदर तमिल नाम रखें। क्योंकि कई लोग तमिलनाडु में हिंदी थोपने की कोशिश कर रहे हैं। वे इसे सीधे तौर पर नहीं कर पाए, इसलिए तमिल थाई वाजथु (राज्य गीत) से कुछ शब्द हटा रहे हैं। वे नई शिक्षा नीति के जरिए हिंदी थोपने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे असफल हो रहे हैं।

ट्रेन की चपेट में आकर भेड़ पालक और 20 भेड़ों की मौत

रेवाड़ी (हरियाणा), 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। यमुनानगर के सरस्वती नगर में यमुनानगर-अंबाला रेलवे ट्रैक पर मुस्तफाबाद रेलवे स्टेशन के नजदीक कूलपुर रेलवे क्रॉसिंग के निकट रेलवे लाइन के पास भेड़ चरा रहे भेड़ पालक और उसकी दो दर्जन से अधिक भेड़ ट्रेन की चपेट में आ गई। इस हादसे में भेड़ पालक और 20 से अधिक भेड़ों की मौत हो गई।

पुलिस के मुताबिक गुंदियाना निवासी राम शरण भेड़ चराते थे। बुधवार सुबह उनकी भेड़ें रेलवे लाइन के पास चारा खा रही थी। इस दौरान कूलपुर के पास सामने से दिल्ली कालका पैसेंजर ट्रेन आ गई। कुछ भेड़ तो रेलवे ट्रैक से हट गई कुछ रेल लाइन के बीच में खड़ी हो गई। रामशरण भी भेड़ों को हटाने में लगे लेकिन तेजी से आ रही ट्रेन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में रामशरण और उनकी करीब 20 भेड़ों की मौत हो गई। आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।यमुनानगर में रामशरण काफी समय से भेड़ चराने का काम करता था। उसे अपनी भेड़ों से काफी लगाव था और दिनभर उनके साथ ही रहता था। भेड़ों को बचाने के लिए उसने अपने प्राण भी दांव पर लगा दिए। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वह अपनी जान बचा सकता था। उन्होंने बताया कि रामशरण ट्रेन की आवाज सुनकर ट्रैक से दूर हो गया था लेकिन, कुछ भेड़ ट्रैक पर ही खड़ी हो गई। ट्रेन ने तेजी से हॉर्न दिया लेकिन भेड़ें नहीं हटी। इसी बीच रामशरण अपनी जान की परवाह न करते हुए भेड़ों को ट्रैक से हटाने में जुट गया। तब तक ट्रेन काफी नजदीक आ गई। जैसे ही वह एक साइड की ओर भागा तो ट्रेन ने उसे भी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत हो गई।

शेयर मार्केट

बीएसई : 80,081.98
-138.74 -0.17% ↓
एनएसई :24,435.50
-36.60 (-0.15%) ↓

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 80,740/-
(प्रति 10 ग्राम)
चाँदी : 1,00,200/-
(प्रति किलोग्राम)

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर लगे गंभीर आरोप

जेपीसी के अध्यक्ष को मारने की कोशिश की

कांच की बोतल तोड़ कर जगदंबिका पाल पर हमला किया

नई दिल्ली, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर संसद द्वारा गठित जेपीसी की बैठक में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी द्वारा अपनाए गए आक्रामक रवैए को लेकर कमिटी के अध्यक्ष और भाजपा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि कल्याण बनर्जी ने उन्हें भी मारने की कोशिश की और उनकी ओर कांच की टूटी बोतल भी फेंकी।

लोकसभा सांसद जगदंबिका पाल ने कहा है कि आक्रामक वो होता है, जिसके पास तर्क नहीं होते हैं। उन्होंने कहा कि ओवैसी समेत सभी सांसद अपनी-अपनी बात रखते हैं लेकिन इतना आक्रामक कोई नहीं होता। जगदंबिका पाल ने कहा कि विपक्षी दलों के सांसद भी उनकी बात पर सहमत होते हैं और वे सभी को बात कहने का समान समय देते हैं। जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कल्याण बनर्जी के रवैये पर कहा कि बंगाल से आने वाले भाजपा के सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के खिलाफ कल्याण बनर्जी सबसे ज्यादा गुस्से में रहते हैं। जेपीसी अध्यक्ष ने कहा कि कल्याण बनर्जी हमेशा ही अभिजीत गंगोपाध्याय से गाली-गलौज में बात करते हैं और उन्होंने कल भी वैसा ही किया था।

उन्होंने कहा कि वे हमेशा भाजपा सांसद को टारगेट करते हैं और उनके साथ गंदी से भी गंदी भाषा में बात करके, उन्हें उकसाने का काम करते हैं। कल्याण बनर्जी के बोतल तोड़ने वाले मामले को लेकर उन्होंने कहा कि उन्होंने बोतल तोड़ी जिसके चलते उन्हें ही चोट आई और वही टूटी हुई बोतल उन्होंने मेरे ऊपर फेंकी। जगदंबिका पाल ने कहा कि अभिजीत गंगोपाध्याय के साथ जारी बहस के बीच कल्याण बनर्जी ने उनके ऊपर ही हमला करने की कोशिश की, जो बताता है कि उनका निशाना मैं भी था और वे मुझे मारने की कोशिश की।

उल्लेखनीय है कि मंगलवार को संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की वक्फ बिल को लेकर बैठक में तृणमूल कांग्रेस सांसद कल्याण बनर्जी को उनके अमर्यादित आचरण के कारण सस्पेंड कर दिया गया। कल्याण बनर्जी और भाजपा सांसद अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच भी काफी झड़प हो गई। कल्याण बनर्जी ने पानी की कांच की बोतल फोड़ कर हमला करने की कोशिश की। हालांकि बोतल फोड़ने के क्रम उनके भी हाथ में चोट लगी और उन्हें चार टांके लगवाने पड़े।

Classifieds — FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB	CHANGE OF NAME	CHANGE OF NAME
I, Service No.JC 735584F Nb/Sub DMT RANJIT KUMAR, R/o. Vill&Po:Dharhara, Teh&Dist:Munger, Bihar that my father name and DOB is changed from BIRENDRA PRASAD SAH, DOB:03-11-1944 to VIRENDRA SAH, DOB:01-01-1954.	I, PATASO Mother of Service No JC 806314Y Nb Sub RAKESH KUMAR, R/o. VPO:Chhattar, Dist:Jind, Haryana-126116 have changed my name from PATASO DEVI to PATASO vide affidavit dt:23-10-2024 before Smt. Zeenath Begum, Advocate and Notary, Karkhana Bazar, Secunderabad.	I, JC 780506W NB SUB/M TECH (A VEH) LAXMIDHAR SAHOO of Unit: 654 EME BN, Father of Anuyasha Priyadashani Sahoo, R/o. Andheipali, Bhadrak, Andheipali, Odisha – 756112, have changed my Daughter's name from ANUYASHA PRIYADASHANI SAHOO to ANWESHA PRIYADARSHINI SAHOO, DOB is 12/11/2008, vide affidavit signed by Advocate & Notary P. Raveendranath, B.Com., BL., on 22-10-2024.

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 31^0
न्यूनतम : 21^0

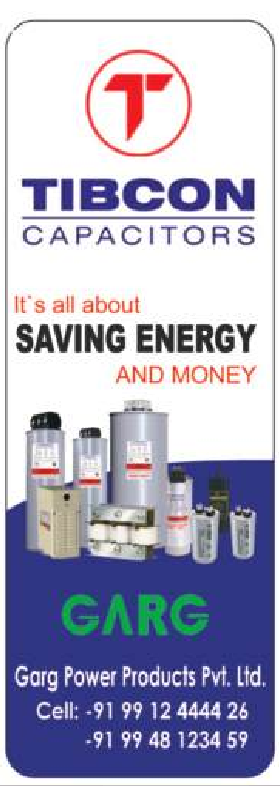

अभिनेत्री सोनम कपूर ने खरीदा भगोड़े नीरव मोदी का रिदम-हाउस

मुंबई, 23 अक्टूबर (एजेंसियां)। भगोड़े नीरव मोदी की बेशकीमती प्रॉपर्टी फिल्म अभिनेत्री सोनम कपूर और उनके पति आनंद आहूजा की कंपनी भाने ग्रुप ने खरीद ली। सोनम कपूर ने करीब 50 करोड़ में मुंबई का रिदम-हाउस खरीदा है। इस म्यूजिक स्टोर का संचालन पहले नीरव मोदी की कंपनी फायरस्टार डायमंड इंटरनेशनल प्राइवेट करती थी। लेकिन 2018 से यह बंद है। रिदम स्टोर, नीरव मोदी की उन सम्पत्तियों में शामिल है, जिसकी देखरेख इंडियन बैंकरप्सी कोर्ट कर रहा था। इसकी बिक्री की पुष्टि फायरस्टार की सम्पत्तियों की बिक्री की देखरेख करने वाले ऑफिशियल शांतनु टीरे ने की है। उन्होंने बताया कि 57 लाख डॉलर में इस सौदे को स्टेकहोल्डर कमिटी ने मंजूरी दी है। आनंद आहूजा के पिता ने भी सौदे की पुष्टि की है। लेकिन असलियत में यह सौदा कितने में हुआ है इसका खुलासा नहीं किया है।

3600 वर्ग फुट में फैला रिदम हाउस काफी प्रसिद्ध म्यूजिक स्टोर रहा है। यहां बॉलीवुड एक्टर्स भी आते थे। गौरतलब है कि नीरव मोदी की ब्रांड की ज्वेलरी का जो सेलिब्रिटी प्रमोशन कर चुकी हैं, उनमें सोनम कपूर भी शामिल हैं।

DAILY शुभ लाभ — खबरें जो सोच बदल दे
हिंदी दैनिक समाचार पत्र
में
दुःखद समाचार जैसे
स्वर्गवास, उठावना, पगड़ी रस्म, श्रद्धांजलि, पुण्यतिथि का विज्ञापन
अब मात्र रु.500/- में
साईज : 12 X10 cm
विज्ञापन एवं अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
77991 44471, 8688868345

प्रस्तावित अडाणी अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री को लेकर रामन्नापेट में तनाव बढ़ गया

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यदाद्री-भोंगीर जिले के रामन्नापेट में बुधवार को तनाव बढ़ गया, क्योंकि स्थानीय लोगों ने प्रस्तावित अडाणी अंबुजा सीमेंट फैक्ट्री के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। फैक्ट्री के निर्माण पर चर्चा के लिए बुधवार को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई का कड़ा विरोध हुआ, क्योंकि निवासियों ने कार्यवाही को रोक दिया, विरोध में तख्तियां और काले झंडे लहराए। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी देखी गई। फैक्ट्री के पक्ष में बोलने के लिए अन्य क्षेत्रों से लाए गए पर्यावरण कार्यकर्ताओं को स्थानीय लोगों ने खदेड़ दिया। निवासियों ने चेतावनी दी कि वे ऐसी किसी भी कार्रवाई को बर्दाश्त नहीं करेंगे जो उनकी आजीविका और पर्यावरण को खतरा पहुंचाती हो।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वे किसी भी परिस्थिति में फैक्ट्री के निर्माण का विरोध करेंगे। कुल 17 लोगों, जिनमें ज्यादातर प्रभावित गांवों के किसान और निर्वाचित प्रतिनिधि थे, जिनकी राय इस अभ्यास के हिस्से के रूप में दर्ज की गई, ने सीमेंट फैक्ट्री की स्थापना का कड़ा विरोध किया।

उन्होंने जोर देकर कहा कि किसी भी कीमत पर फैक्ट्री नहीं लगने दी जाएगी। बीआरएस ने भी फैक्ट्री का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि वे किसी भी कीमत पर इसके निर्माण को रोकेंगे। जवाब में, पुलिस ने कई बीआरएस प्रतिनिधियों को एहतियातन हिरासत में ले लिया।

पूर्व विधायक कंचेरला भूपाल रेड्डी को नलगोंडा में नजरबंद कर दिया गया, जबकि पूर्व विधायक चिरुमर्थी लिंगैया को नकरेकल में हिरासत में लिया गया। गदरी किशोर और रवींद्र कुमार नाइक सहित अन्य पूर्व विधायकों को भी नजरबंद रखा गया। अडाणी समूह ने लॉजिस्टिक पार्क और ड्राई पोर्ट की स्थापना के लिए रामन्नापेट और कोम्माईगुडेम में किसानों से जमीन खरीदी थी। हालांकि, अब समूह 1,400 करोड़ रुपये की लागत से 65.5 एकड़ जमीन पर सीमेंट फैक्ट्री बनाने की योजना बना रहा है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया है। स्टैंडअलोन सीमेंट ग्राइंडिंग यूनिट से सालाना 6.0 एमटीपीए उत्पादन का प्रस्ताव है। 10 गांवों के लोगों ने फैक्ट्री का विरोध करते हुए ग्राम सभाओं का आयोजन करके अपने द्वारा पारित प्रस्ताव पेश किए। उन्होंने सरकार और अडाणी से मांग की कि वे अपने समुदाय को प्रदूषण और व्यवधान से बचाने के लिए फैक्ट्री की योजना को वापस लें।

केटीआर ने बागअंबरपेट में मारे गए बुजुर्ग दंपत्ति के परिवार से मुलाकात की

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने हैदराबाद के बाग अंबरपेट के साईनगर कॉलोनी में एक बुजुर्ग दंपत्ति, सेवानिवृत्त बैंक प्रबंधक लिंगा रेड्डी और उनकी पत्नी उर्मिला की निर्मम हत्या के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि इन दोनों हत्याओं ने हैदराबाद निवासियों को झकझोर कर रख दिया है, जिससे शहर में सुरक्षा और कानून प्रवर्तन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं।

लिंगारेड्डी और उर्मिला, दोनों की उम्र 80 वर्ष से अधिक थी, की बाग अंबरपेट के साईनगर कॉलोनी में दिनदहाड़े हत्या कर दी गई। लिंगारेड्डी की तीनों बेटियां, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में रहती हैं, शांतिपूर्ण माने जाने वाले शहर में इस भयावह घटना के बारे में जानकर सदमे में हैं। रामा राव ने अंबरपेट के विधायक कालेरू वेंकटेश और अन्य बीआरएस नेताओं के साथ बाग अंबरपेट में दंपत्ति के निवास का दौरा किया और शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

यात्रा के बाद मीडिया से बात करते हुए, उन्होंने हैदराबाद में बिगड़ती सुरक्षा पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, बीआरएस शासन के दौरान, हमने पूरे शहर में 10 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए और हर गली और इलाके में निगरानी बढ़ाई। शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नागरिक पुलिसिंग भी स्थापित की गई थी। फिर भी, इस मामले में कोई महत्वपूर्ण प्रगति नहीं हुई है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कानून और व्यवस्था की स्थिति पर बढ़ती चिंताओं के बारे में बताया, जिसे वरिष्ठ कांग्रेस नेता और एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने रेखांकित किया, जिन्होंने खुद स्वीकार किया कि स्थिति गंभीर थी। उन्होंने कहा, जीवन रेड्डी के अपने अनुयायी की कल जगतियाल में हत्या कर दी गई और कुछ दिन पहले हैदराबाद में एक बुजुर्ग दंपति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह दर्शाता है कि कानून और व्यवस्था नियंत्रण में नहीं है। रामा राव ने यह भी कहा कि साईंबाबा कॉलोनी के स्थानीय लोगों ने चिंता जताई है कि हमले के समय इलाके के कई सीसीटीवी कैमरे काम नहीं कर रहे थे। त्वरित कार्रवाई का आग्रह करते हुए उन्होंने डीजीपी जितेंद्र और हैदराबाद पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से जांच में तेजी लाने और दोषियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाने का आग्रह किया। उन्होंने उनसे पिछली बीआरएस सरकार द्वारा लगाए गए सभी 10 लाख सीसीटीवी कैमरों और सुरक्षा उपायों की गहन समीक्षा करने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा, हैदराबाद के लोग डरे हुए हैं और पुलिस के लिए तेजी से कार्रवाई करना और जनता का विश्वास बनाए रखना महत्वपूर्ण है।

हरीश राव ने 163 सहायक मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के निलंबन की निंदा की

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव ने सरकार के डिजिटल सर्वेक्षण आदेश का पालन करने से इनकार करने पर 163 कृषि विस्तार अधिकारियों (एईओ) के निलंबन की निंदा की। उन्होंने राज्य सरकार से उन्हें तत्काल बहाल करने और एईओ पर अतिरिक्त जिम्मेदारियों का बोझ डालने से बचने का आग्रह किया। एक बयान में, हरीश राव ने बताया कि महाराष्ट्र, ओडिशा और कर्नाटक जैसे अन्य राज्यों में, डिजिटल सर्वेक्षण निजी कंपनियों या आउटसोर्स कर्मचारियों द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। उन्होंने कहा, तेलंगाना में, एईओ को इस भूमिका में मजबूर करना अन्यायपूर्ण है, जिससे अनावश्यक उत्पीड़न होता है।बीआरएस विधायक ने तेलंगाना के कृषि विकास में एईओ द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका की ओर इशारा किया। राज्य ने कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए 1,500 नए एईओ पद सृजित किए थे, इन अधिकारियों ने तेलंगाना को कृषि क्षेत्र में अग्रणी बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उन्होंने कांग्रेस सरकार द्वारा ऐसे मूल्यवान कर्मचारियों के साथ किए गए कठोर व्यवहार पर निराशा व्यक्त की। उन्होंने सवाल किया, अवज्ञा के लिए एईओ को निलंबित करना खराब शासन को दर्शाता है। क्या सार्वजनिक प्रशासन को इसी तरह काम करना चाहिए? उन्होंने सरकार से निलंबन को तुरंत हटाने और अधिक कर्मचारी-अनुकूल दृष्टिकोण अपनाने की मांग की।

डॉ. बीआर अंबेडकर प्रतिमा के पास तनाव का माहौल

हैदराबाद, 23 अक्टूबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। टैंक बंड स्थित डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के पास दूसरे दिन भी तनाव की स्थिति बनी रही, बुधवार को पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी। सेंट्रल जोन पुलिस ने एहतियाती उपाय के तौर पर और कानून-व्यवस्था की समस्या की आशंका में अतिरिक्त बल और पुलिस वैन तैनात की हैं। दलित समूह मौके पर इकट्ठा हुए और कुछ समय के लिए अपना विरोध प्रदर्शन किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे थे। सैफाबाद के एसीपी एन संजय कुमार ने कहा, स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया गया है।

इससे पहले, मंगलवार रात दलित संगठनों द्वारा प्रतिमा के चारों ओर नवनिर्मित दीवार को गिराने के बाद तनाव व्याप्त हो गया था। प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाते हुए प्रतिमा के चारों ओर दीवार की ऊंचाई बढ़ाने के कदम की निंदा की। उन्होंने दीवार को और गिरा दिया, जिससे इलाके में तनाव फैल गया और पुलिस ने कुछ प्रदर्शनकारियों को एहतियातन हिरासत में ले लिया। इस बीच, जीएचएमसी अधिकारियों ने कहा था कि शहर में प्रमुख जंक्शनों को बढ़ाने के प्रयासों के तहत दीवार का निर्माण किया गया था।

इसमें कहा गया है कि इस परियोजना में संसद भवन की प्रतिकृति बनाई जाएगी, जो भारत के संविधान और संसदीय लोकतंत्र में अंबेडकर के महान योगदान का प्रतीक है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.